



सत्यमेव जयते

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय  
उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग  
भारत सरकार

# FDI

फुटवियर डिजाइन एंड डेवलपमेंट इंस्टिट्यूट  
राष्ट्रीय महत्व का संस्थान (आईएनआई)

# वार्षिक प्रतिवेदन 2024-2025

2024-2025

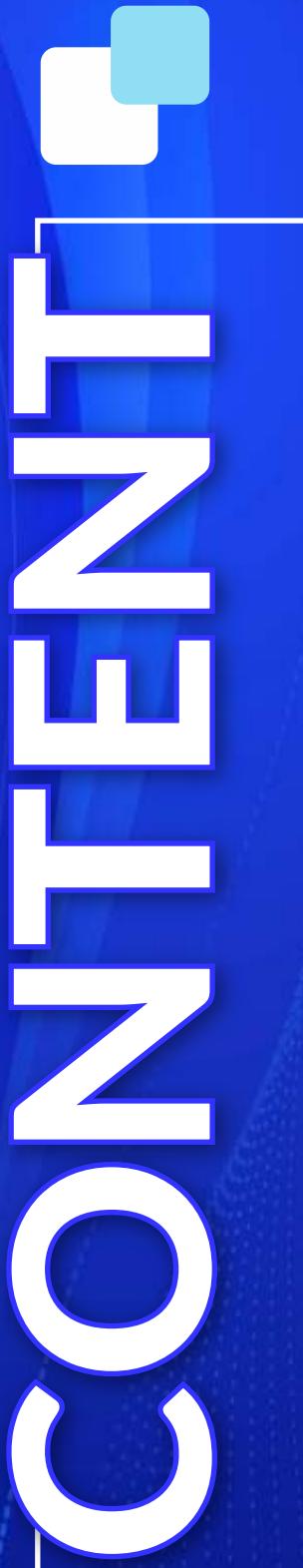
फुटवियर डिजाइन और उत्पादन

लेदर, लाइफस्टाइल और प्रोडक्ट डिजाइन

फैशन डिजाइन

रिटेल और फैशन मर्चेंडाइज





<b>01. विज्ञन और मिशन</b>	04
<b>02. संदेश</b>	
• माननीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री, भारत सरकार का संदेश	05
• माननीय राज्य मंत्री का संदेश	06
• डीपीआईआईटी के सचिव का संदेश	07
• डीपीआईआईटी के संयुक्त सचिव का संदेश	09
• एफडीडीआई के प्रबंध निदेशक का संदेश	10
<b>03. प्रदर्शन की विशेषताएं</b>	11-24
<b>04. संस्थागत अवलोकन</b>	
• शासी परिषद के सदस्य	25
• सीनेट के सदस्य	27
• एफडीडीआई प्रोफाइल और कैंपस के बारे में	29-64
• उत्कृष्टता के केंद्र	65-70
<b>05. नया बुनियादी ढांचा और सुविधाएं</b>	71-72
<b>06. शैक्षणिक एवं अनुसंधान गतिविधियाँ</b>	
• कौशल विकास और आउटरीच	73-84
• एफडीपी का आयोजन	85-88
• प्रस्तुत शोध पत्र	89-110
• पेटेंट और नवाचार	111-118
• सीओई	119-124
• सेमिनार, वेबिनार, संगोष्ठी और सम्मेलन	125-142
• कार्यशालाओं का आयोजन	143-164
<b>07. उद्योग एवं संस्थागत संबंध</b>	
• औद्योगिक और शैक्षिक दौरे	165-186
• उद्योग सहयोग और समझौता ज्ञापन	187-194
<b>08. उपलब्धियाँ और मान्यताएं</b>	
• पुरस्कार और मान्यताएं	195-202
• फैशन शो एवं प्रदर्शन	203-212
• अन्य उपलब्धियाँ	213-236
<b>09. कार्यक्रम और समारोह</b>	
• दीक्षांत समारोह एवं आईएनआई दिवस समारोह	237-246
• मेले, प्रदर्शनियाँ, सम्मेलन एवं हितधारक संबंध	247-265
<b>10. राजभाषा हिंदी पहल</b>	
• राजभाषा विभाग की गतिविधियाँ	266-272
<b>11. प्रतिवेदन</b>	
• सीएजी की लेखा परीक्षा रिपोर्ट	273-278
• वित्तीय रिपोर्ट	279-298
<b>12. आभार 2024-25</b>	299
<b>13. शासी परिषद अनुमोदन सूचना</b>	300



## एफडीडीआई का विजनः

एफडीडीआई का विजन फुटवियर, फैशन, चमड़े के सामान एवं सहायक उपकरणों के डिज़ाइन, विकास और उत्पादन तथा रिटेल प्रबंधन के लिए एक विश्व स्तर पर मान्यता प्राप्त बैंचमार्क संस्थान बनना है। एफडीडीआई का उद्देश्य इन उद्योगों के भविष्य को आकार देना तथा भारत को इन क्षेत्रों में एक वैश्विक अग्रणी के रूप में स्थापित करना है।



## एफडीडीआई का मिशनः

एफडीडीआई अपने छात्रों को प्रभावशाली नवप्रवर्तक, उद्यमी एवं कुशल पेशेवर में विकसित करने के लिए समर्पित है जो राष्ट्र की प्रगति में महत्वपूर्ण योगदान देंगे। हम एक सृजनशील वातावरण को बढ़ावा देकर इसे प्राप्त करना चाहते हैं जो रचनात्मकता को पोषित करे, नवाचार को बढ़ावा दे, और हमारी उच्च-गुणवत्ता वाली शिक्षा, अत्याधुनिक अनुसंधान और उद्योग के साथ मजबूत सहयोग के माध्यम से स्थिरता के प्रति गहरी प्रतिबद्धता पैदा करे। हमारा परम लक्ष्य एफडीडीआई-शिक्षित व्यक्तियों को बेहतर उत्पाद, उत्तरदायी सेवाएँ और वास्तविक दुनिया की चुनौतियों का समाधान करने वाले किफ़ायती समाधान प्रदान करके विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्टता एवं सकारात्मक परिवर्तन लाने के लिए सशक्त बनाना है।

# श्री पीयूष गोयल, माननीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री, भारत सरकार का संदेश

पीयूष गोयल  
PIYUSH GOYAL



वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री  
भारत सरकार  
MINISTER OF COMMERCE & INDUSTRY  
GOVERNMENT OF INDIA



## संदेश

मैं, फुटवियर डिजाइन एंड डेवलपमेंट इंस्टिट्यूट (एफडीडीआई) द्वारा भारत के सबसे महत्वपूर्ण श्रम-प्रधान क्षेत्रों में से एक—फुटवियर, चमड़ा और चमड़ा उत्पाद उद्योग को प्रोत्साहित एवं विकसित करने हेतु किए जा रहे निरंतर प्रयासों के लिए अपनी हार्दिक सराहना व्यक्त करता हूँ।

पिछले कुछ वर्षों में एफडीडीआई ने उद्योग की क्षमताओं को सुदृढ़ किया है और डिजाइन नवाचार, कौशल विकास तथा स्थिरता को समाहित करते हुए कारीगरों और उद्यमों को सशक्त बनाने वाले उत्कृष्टता केंद्र के रूप में उभरा है। इसके परिणामस्वरूप भारत की छवि गुणवत्ता और रचनात्मकता के केंद्र के रूप में और अधिक सशक्त हुई है। क्षमता निर्माण, प्रौद्योगिकी हस्तांतरण, सामग्री नवाचार, अनुसंधान और फैशन पूर्वानुमान के माध्यम से एफडीडीआई एक ऐसे भविष्य की नींव रख रहा है, जहाँ भारतीय उत्पाद घरेलू समुदायों को सशक्त करते हुए मज़बूत वैश्विक उपस्थिति स्थापित कर सकें।

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के गतिशील नेतृत्व में भारत-यूके मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर हस्ताक्षर भारत के लिए एक प्रमुख विकसित अर्थव्यवस्था के साथ जुड़ाव का ऐतिहासिक मील का पथर है। यह समझौता व्यापार, निवेश और प्रौद्योगिकी सहयोग के नए मार्ग प्रशस्त करता है। फुटवियर, चमड़ा और फैशन क्षेत्रों के लिए यह न केवल निर्यात क्षमता और व्यापक बाजार पहुँच बढ़ाने का अवसर है, बल्कि डिजाइन साझेदारी तथा नवाचार-आधारित विकास को भी प्रोत्साहित करेगा। अपने सशक्त उद्योग संबंधों, उन्नत प्रशिक्षण अवसंरचना और कुशल प्रतिभा-संपन्न जनशक्ति के साथ एफडीडीआई भारतीय निर्माताओं और उद्यमियों को इन अवसरों का लाभ उठाने में सक्षम बनाने हेतु एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए पूर्णतः तैयार है।

मेरी हार्दिक कामना है कि एफडीडीआई निरंतर नवाचार को प्रोत्साहित करता रहे, कुशल प्रतिभाओं का संवर्द्धन करता रहे और फुटवियर एवं चमड़ा उद्योग में भारत की वैश्विक उपस्थिति को और सुदृढ़ बनाता रहे। मैं एफडीडीआई के सभी भावी प्रयासों की सफलता हेतु शुभकामनाएँ व्यक्त करता हूँ।

पीयूष गोयल

# श्री जितिन प्रसाद, माननीय वाणिज्य एवं उद्योग राज्य मंत्री का संदेश

जितिन प्रसाद  
JITIN PRASADA



वाणिज्य एवं उद्योग तथा  
इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री

भारत सरकार

Minister of State for  
Commerce & Industry  
and Electronics & Information Technology  
Government of India



## संदेश

फुटवियर डिजाइन एण्ड डेवलपमेंट इंस्टिट्यूट (एफडीडीआई) वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार के तत्वावधान में 1986 में स्थापित किया गया था जो एफडीडीआई अधिनियम, 2017 के अंतर्गत राष्ट्रीय महत्व के संस्थान के रूप में गौरव प्राप्त किया है। यह फुटवियर, चमड़ा एवं संबद्ध क्षेत्रों के लिए समर्पित एक प्रमुख संस्थान है, जो प्रतिभाओं को विकसित करने, उद्योग के साथ संबंध बढ़ाने और डिजाइन-आधारित, प्रौद्योगिकी-संचालित विनिर्माण में नवाचार को बढ़ावा देने में एक महत्वपूर्ण राष्ट्रीय संसाधन के रूप में कार्य कर रहा है, जो आधुनिक भारत की उभरती आकांक्षाओं को दर्शाता है।

संस्थान अपने उद्योग-अनुकूल पाठ्यक्रमों, अत्याधुनिक प्रयोगशालाओं, आधुनिक परीक्षण सुविधाओं और उल्कृष्टता केंद्रों के माध्यम से, एफडीडीआई ने नवाचार एवं आगम का एक पारिस्थितिकी तंत्र स्थापित किया है। संस्थान में संचालित कार्यक्रम छात्रों को न केवल शुरू से ही सक्षम पेशेवर बनाने के लिए तैयार करते हैं, बल्कि भविष्य की चुनौतियों का सामना करने में सक्षम नेतृत्वकर्ता भी बनाते हैं। गुणवत्ता, उत्पादकता, स्थिरता और वैश्विक मानकों के प्रति एफडीडीआई की अटूट प्रतिबद्धता—विशेषकर सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों के लिए इसके समर्थन—ने घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय बाजारों में भारत के फुटवियर तथा चमड़ा उद्योगों की प्रतिस्पर्धात्मकता को महत्वपूर्ण रूप से सुदृढ़ किया है।

संस्थान द्वारा अनुसंधान, नवाचार तथा उद्यमिता को प्रदान किया गया विशेष महत्व प्रशंसनीय है। नवीन विचारों को प्रोत्साहित करने एवं प्रौद्योगिकी तथा डिजाइन नवाचार को बढ़ावा देने के माध्यम से एफडीडीआई ने इस क्षेत्र में नई ऊर्जा का संचार किया है, जिससे मूल्य संवर्धन, निर्यात वृद्धि एवं वैश्विक आपूर्ति शृंखलाओं के साथ गहन एकीकरण को साकार करने में सहायता मिली है। उद्योग के वर्तमान एवं भविष्य की आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु कुशल कार्यबल के विकास में संस्थान की भूमिका विशेष रूप से महत्वपूर्ण रही है।

मैं एफडीडीआई के नेतृत्व, संकाय सदस्यगण, कर्मचारियों, छात्रों तथा सहयोगी संस्थाओं के प्रति उनके सतत प्रयासों के लिए औपचारिक रूप से सराहना प्रकट करता हूँ, जिनके माध्यम से कौशल विकास, रोज़गार सृजन, मूल्य सृजन तथा निर्यात वृद्धि के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियाँ प्राप्त हुई हैं। इन सभी की सामूहिक प्रतिबद्धता ने संस्थान को न केवल संबंधित क्षेत्र में, बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर भी गौरवपूर्ण स्थान दिलाया है।

जैसे-जैसे भारत विकसित भारत@2047 की परिकल्पना की ओर अग्रसर हो रहा है, वैसे-वैसे एफडीडीआई जैसे संस्थानों की भूमिका हमारे राष्ट्रीय लक्ष्यों की प्राप्ति में अत्यंत महत्वपूर्ण होती जा रही है। मुझे पूर्ण विश्वास है कि यह संस्थान शिक्षा, अनुसंधान एवं औद्योगिक सेवा के क्षेत्र में निरंतर नए मानक स्थापित करता रहेगा और इस प्रकार भारत को फुटवियर, चमड़ा तथा संबद्ध विनिर्माण क्षेत्रों में वैश्विक केंद्र के रूप में सशक्त बनाने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता रहेगा।

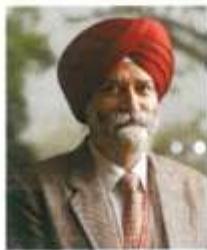
जितिन प्रसाद

# श्री अमरदीप सिंह भाटिया, सचिव, डीपीआईआईटी का संदेश

अमरदीप सिंह भाटिया, भाप्रसे.  
सचिव  
Amardeep S. Bhatia, I.A.S.  
SECRETARY



भारत सरकार  
वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय  
उद्योग संवर्धन और आंतरिक व्यापार विभाग  
GOVERNMENT OF INDIA  
MINISTRY OF COMMERCE & INDUSTRY  
DEPTT. FOR PROMOTION OF INDUSTRY  
AND INTERNAL TRADE



## संदेश

भारत फुटवियर, चमड़े के उत्पादों और फैशन उत्पादों के लिए एक वैश्विक विनिर्माण केंद्र के रूप में उभरने की अनूठी स्थिति में है। अपने अनुकूल जनसांख्यिकीय परिवृश्य, कुशल एवं युवा कार्यबल और सतत आर्थिक विकास के साथ, यह देश इन क्षेत्रों में महत्वपूर्ण घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय निवेश के लिए एक आकर्षक गंतव्य प्रस्तुत करता है।

भारत सरकार के वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के तत्वावधान में 1986 में स्थापित फुटवियर डिज़ाइन एण्ड डेवलपमेंट इंस्टिट्यूट (एफडीडीआई) ने इस विकास को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। राष्ट्र निर्माण और मानव पूँजी विकास में इसके उक्तृष्ट योगदान के सम्मान में, संस्थान को एफडीडीआई अधिनियम, 2017 के तहत 'राष्ट्रीय महत्व के संस्थान' का दर्जा दिया गया। एफडीडीआई फुटवियर, चमड़ा एवं संबद्ध उद्योगों के लिए एक व्यापक समाधान प्रदाता के रूप में कार्य करता रहा है—जिससे उत्पादकता में वृद्धि, गुणवत्ता में सुधार तथा घरेलू एवं वैश्विक बाजारों में प्रतिस्पर्धात्मकता को सुदृढ़ बनाने में निरंतर सहयोग मिल रहा है।

अत्यधुनिक बुनियादी ढाँचे, उन्नत प्रशिक्षण क्षमताओं और मजबूत उद्योग संबंधों से सुसज्जित, एफडीडीआई क्षेत्रीय विकास को गति देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यह कौशल विकास, डिज़ाइन और उत्पाद नवाचार, पर्यावरणीय स्थिरता, प्रौद्योगिकी उन्नयन और उत्तम परीक्षण सेवाओं में केंद्रित प्रयासों के माध्यम से प्रमुख उद्योग प्राथमिकताओं को पूरा करता है। 12 रणनीतिक रूप से स्थित परिसरों—नोएडा, फुरसतगंज, चेन्नई, कोलकाता, रोहतक, छिंदवाड़ा, गुना, जोधपुर, अंकलेश्वर, बनूर, पटना और हैदराबाद—के साथ, यह संस्थान उच्च-गुणवत्ता, उद्योग-प्रासंगिक शिक्षा और प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित करता है।

नवाचार एवं उक्तृष्टता को और गति देने के लिए, भारत सरकार ने उद्योग संवर्धन एवं आंतरिक व्यापार विभाग (डीपीआईआईटी) के माध्यम से चुनिंदा एफडीडीआई परिसरों में सात उक्तृष्टता केंद्रों (सीओई) की स्थापना को समर्थन दिया है। ये केंद्र उद्योग 4.0 सिद्धांतों के अनुरूप हैं जैसा कि नीचे दर्शाया गया है:

- एफडीडीआई नोएडा: अनुसंधान एवं विकास, पाठ्यक्रम विकास और चमड़ा फैशन फुटवियर और उत्पाद नवाचार केंद्र
- एफडीडीआई रोहतक: गैर चमड़ा फुटवियर, उत्पाद एवं सहायक उपकरण केंद्र
- एफडीडीआई जोधपुर: उच्च प्रदर्शन/विशिष्ट फुटवियर, उत्पाद और स्टार्ट-अप केंद्र
- एफडीडीआई कोलकाता: चमड़े के सामान, परिधान और सहायक उपकरण केंद्र

(Contd...p/2)

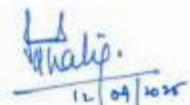
Room No. 223, Vanijya Bhawan, Akbar Road, New Delhi-110 001, Tel.: 23038850, 23038851, E-mail : secy-ipp@nic.in

- एफडीडीआई चेन्नई: डिजाइन, विकास और फैब्रिक इंटरफेस केंद्र
- एफडीडीआई हैदराबाद: चमड़े के उत्पादों एवं सहायक उपकरणों के लिए डिजाइन, विकास और फैब्रिक इंटरफेस के लिए विस्तारित केंद्र
- एफडीडीआई पटना: चमड़ा परिष्करण नवाचार और उत्पाद खुदरा बिक्री केंद्रिशिष्ट क्षेत्रों को सेवाएं प्रदान करते हैं,

इसके अलावा, डीपीआईआईटी के निरंतर सहयोग से, बुनियादी ढाँचे में महत्वपूर्ण सुधार कार्य प्रगति पर हैं। इनमें दो बालिका छात्रावासों, एक अंतर्राष्ट्रीय छात्र छात्रावास, एक समर्पित प्रयोगशाला भवन और विभिन्न परिसरों में गैर-चमड़ा उत्पाद एवं सहायक उपकरण विभाग का निर्माण शामिल है। इन विकास कार्यों से छात्र आवास में सुधार होगा, अंतर्राष्ट्रीय शिक्षार्थियों की ज़रूरतें पूरी होंगी, शोध क्षमता में सुधार होगा और विशिष्ट प्रशिक्षण संभव होगा।

एफडीडीआई रणनीतिक सहयोग, व्यावसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रमों और परामर्श सेवाओं के माध्यम से अपनी राष्ट्रीय उपस्थिति का निरंतर विस्तार कर रहा है। घरेलू और चुनिंदा अंतर्राष्ट्रीय साझेदारों के साथ इसकी बढ़ती भागीदारी संस्थान की तकनीकी दक्षता और उद्योग जगत की ज़रूरतों के प्रति इसकी स्थायी प्रासंगिकता का प्रमाण है।

मैं, एफडीडीआई की पूरी टीम के अधक समर्पण एवं प्रतिबद्धता की सराहना करता हूँ। मुझे विश्वास है कि यह संस्थान शिक्षा, अनुसंधान और उद्योग सहयोग में नए मानक स्थापित करता रहेगा और फुटवियर, चमड़े के सामान और फैशन उत्पादों के निर्माण में वैश्विक अग्रणी बनने की भारत की महत्वाकांक्षा को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।



अमरदीप सिंह भाटिया

# निधि केसरवानी, संयुक्त सचिव, डीपीआईआईटी का संदेश

निधि केसरवानी, भा.प्र.से.  
संयुक्त सचिव  
**NIDHI KESARWANI, IAS**  
JOINT SECRETARY



भारत सरकार  
वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय  
उद्योग संवर्धन एवं आंतरिक व्यापार विभाग  
GOVERNMENT OF INDIA  
MINISTRY OF COMMERCE & INDUSTRY  
DEPARTMENT FOR PROMOTION OF INDUSTRY  
AND INTERNAL TRADE



## संदेश

एफडीडीआई भारत के चमड़ा, फुटवियर एवं संबद्ध क्षेत्रों को मजबूती प्रदान करने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता आ रहा है। उद्योग और अकादमिक जगत के बीच कौशल संबंधी खाइयों को दूर करते हुए तथा सशक्त समन्वय स्थापित करते हुए संस्थान इस क्षेत्र में विकास और नवाचार का प्रमुख प्रेरक बनकर उभरा है।

वर्षों से एफडीडीआई अपनी उल्कृष्टता के प्रति प्रतिबद्ध रहा है। इसके कार्यक्रम लगातार उद्योग की आवश्यकताओं के अनुरूप विकसित होते रहे हैं—जिसके परिणामस्वरूप प्रतिभा विकास पहल तैयार हुई हैं, जो विद्यार्थियों को आज के तीव्र गति से बदलते वैश्विक बाज़ारों के लिए आवश्यक कौशल, दृष्टिकोण एवं अनुकूलन क्षमता प्रदान करती हैं।

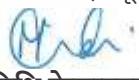
यह वार्षिक प्रतिवेदन संस्थान की प्रगति का एक व्यापक परिवृश्य प्रस्तुत करती है—जिसमें शिक्षा, अनुसंधान और उद्योग सहयोग के क्षेत्रों में इसकी उपलब्धियों को रेखांकित किया गया है। यहाँ उल्लिखित उपलब्धियाँ इस तथ्य की पुष्टि करती हैं कि फुटवियर, चमड़ा, फैशन और रिटेल शिक्षा के क्षेत्र में एफडीडीआई अग्रणी भूमिका निभा रहा है।

यह जानकर खुशी हो रही है कि एफडीडीआई के स्नातक इन क्षेत्रों की प्रतिष्ठित संस्थाओं में लगातार स्थान प्राप्त कर रहे हैं। यह सफलता विद्यार्थियों की निष्ठा और संस्थान द्वारा उद्योग-संबंधी शिक्षा, व्यवहारिक प्रशिक्षण एवं व्यावसायिक विकास पर दिए गए विशेष बल का परिणाम है—जिससे इसके स्नातक गतिशील और प्रतिस्पर्धात्मक बाज़ारों में उल्कृष्टता प्राप्त कर रहे हैं।

यह प्रगति माननीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री और उद्योग संवर्धन एवं आंतरिक व्यापार विभाग (डीपीआईआईटी) के सचिव, मंत्रालय के अधिकारियों और एफडीडीआई की शासी परिषद के विशिष्ट सदस्यों के बहुमूल्य मार्गदर्शन और सहयोग से संभव हुई है। उनके नेतृत्व ने संस्थान की क्षमताओं को बढ़ाने और इसके प्रभाव का विस्तार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

उल्कृष्टता केंद्र (सीओई) अब कार्यशील हो चुका है और अत्याधुनिक अवसंरचना से सुसज्जित है, एफडीडीआई उद्योग की आवश्यकताओं का समर्थन करने, अनुप्रयुक्त अनुसंधान को आगे बढ़ाने और नवाचार को बढ़ावा देने के लिए अच्छी स्थिति में है—इस प्रकार यह क्षेत्र की प्रतिस्पर्धात्मकता में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है।

मैं, इस अवसर पर संस्थान और व्यापक उद्योग के विकास में उनकी समर्पित सेवा और अमूल्य योगदान के लिए संपूर्ण एफडीडीआई टीम के प्रति अपनी हार्दिक प्रशंसा व्यक्त करती हूँ।

  
(निधि केसरवानी)

Room No. 236, Vanijya Bhawan, New Delhi-110 011, Tel. : 011-23038885, E-mail : jointsecy-nk@gov.in

# प्रबंध निदेशक, एफडीडीआई का संदेश

विवेक शर्मा, आईआरएस

प्रबंध निदेशक

**VIVEK SHARMA, IRS**

Managing Director

फोन नं. /Phone No. : 0120 - 2970087

ई-मेल /E-mail : [md@fddiindia.com](mailto:md@fddiindia.com)



फुटवियर डिजाइन एण्ड डेवलपमेंट इंस्टिट्यूट

(राष्ट्रीय महत्व का संस्थान)

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

भारत सरकार

Footwear Design & Developement Institute

(An Institution of National Importance)

Ministry of Commerce & Industry

Government of India

मुझे वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए फुटवियर डिजाइन एण्ड डेवलपमेंट इंस्टिट्यूट (एफडीडीआई) की वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए अत्यंत हर्ष एवं गर्व हो रहा है। फुटवियर, चमड़ा उत्पाद तथा संबद्ध क्षेत्रों में राष्ट्रीय महत्व के संस्थान के रूप में, एफडीडीआई शैक्षणिक उत्कृष्टता, नवाचार एवं उद्योग से प्रासंगिकता के प्रति निरंतर प्रतिबद्ध है।

'सक्षम भारत' के मार्गदर्शन में तथा 'विकसित भारत 2047' के लक्ष्य के अनुरूप, इस वर्ष शैक्षणिक गतिविधियों, अनुसंधान तथा उद्योग सहयोग के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति हुई है। आधुनिक पाठ्यक्रम, उन्नत अवसंरचना एवं समर्पित संकाय के माध्यम से एफडीडीआई कुशल, आत्मविश्वासी एवं सामाजिक रूप से उत्तरदायी पेशेवरों का विकास निरंतर करता आ रहा है।

सीआईपीईटी हैदराबाद, आईसीएआर-एनआईएनएफईटी, वॉक्सेन विश्वविद्यालय, वीआईटी चेन्नई और ईडीआईआई गांधीनगर जैसे संस्थानों के साथ कई रणनीतिक समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए गए, जिससे नवाचार एवं उद्यमिता पर हमारा ध्यान और मजबूत हुआ। उत्कृष्टता केंद्र (सीआई) ने कई पेटेट हासिल किए, जिनमें शीशुओं के लिए एक्सपेंडेबल शू इंटरलॉकिं फुटवियर और मल्टीजैकस्टर जैकेट शामिल हैं, जो शोध-संचालित डिजाइन और स्पिरिटों को उजागर करते हैं।

नोएडा एवं चेन्नई स्थित हमारे अंतरराष्ट्रीय परीक्षण केंद्र (आईटीसी) ने प्रमुख ब्रांडों, रक्षा प्रतिष्ठानों तथा सार्वजनिक उपकरणों के लिए गुणवत्ताप्रमाणन में वैश्विक मानकों को कायम रखा है। संस्थान ने कैंपस मैनेजमेंट सॉल्यूशन (सीएमएस), गूगल वर्कस्पेस एवं एआई-संचालित उपकरणों के माध्यम से अपनी डिजिटल परिवर्तन प्रक्रिया को भी आगे बढ़ाया है, जिसके परिणामस्वरूप कार्यक्षमता एवं पारदर्शिता में उल्लेखनीय सुधार हुआ है।

डीपीआईआईटी की आईटीएलएस योजना के अंतर्गत एफडीडीआई द्वारा कुल ₹163.60 करोड़ की अनुदान राशि सहित 220 आवेदनों को निष्पादित किया गया, जिससे क्षेत्र के आधुनिकीकरण एवं क्षमता निर्माण को महत्वपूर्ण समर्थन मिला। सतत विकास को प्रोत्साहित करने हेतु छह परिसरों में नॉन-लेदर विभागों की स्थापना की गई है, जो पर्यावरण-अनुकूल नवाचार के प्रति हमारी प्रतिबद्धता का स्पष्ट प्रतिफल है।

हमारे छात्रों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन जारी रखा, जिसके परिणामस्वरूप 100 से अधिक प्रमुख कंपनियों—जैसे स्केचर्स साउथ एशिया, यूनिक्लो, जारा, एबीएफआरएल, टाटा ट्रेट, वॉकअरू एवं मेट्रो ब्रांड्स—की भागीदारी के साथ 82% एक्सेस में प्राप्त हुआ। साथ ही, गतिशील जनसंपर्क प्रयासों तथा शिक्षा मेलों एवं डिजिटल प्लेटफॉर्मों में सक्रिय सहभागिता के कारण प्रवेश में 22% की वृद्धि दर्ज की गई, जिससे एफडीडीआई की राष्ट्रीय उपस्थिति एवं प्रतिष्ठा और अधिक मजबूत हुई है।

जैसे ही हम 'विजन 2030' के मार्गदर्शन में आगे बढ़ रहे हैं, हमारा ध्यान शैक्षणिक उत्कृष्टता, वैश्विक साझेदारियों तथा सतत नवाचार पर केंद्रित है। मैं अपने संकाय सदस्यों, कर्मचारियों, विद्यार्थियों, पूर्व विद्यार्थियों, उद्योग सहयोगियों तथा डीपीआईआईटी, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय, एफडीडीआई की शासी परिषद एवं अन्य संबंधित प्राधिकरणों का उनके मार्गदर्शन एवं समर्थन के लिए हृदय से आभार व्यक्त करता हूँ। हमारे सामने संभावनाओं से भरा विस्तृत मार्ग है। सामूहिक प्रयास एवं साझा दृष्टि के साथ मुझे पूर्ण विश्वास है कि एफडीडीआई निरंतर नई ऊँचाइयों को प्राप्त करता रहेगा तथा राष्ट्र की विकास गाथा में सार्थक योगदान देता रहेगा।

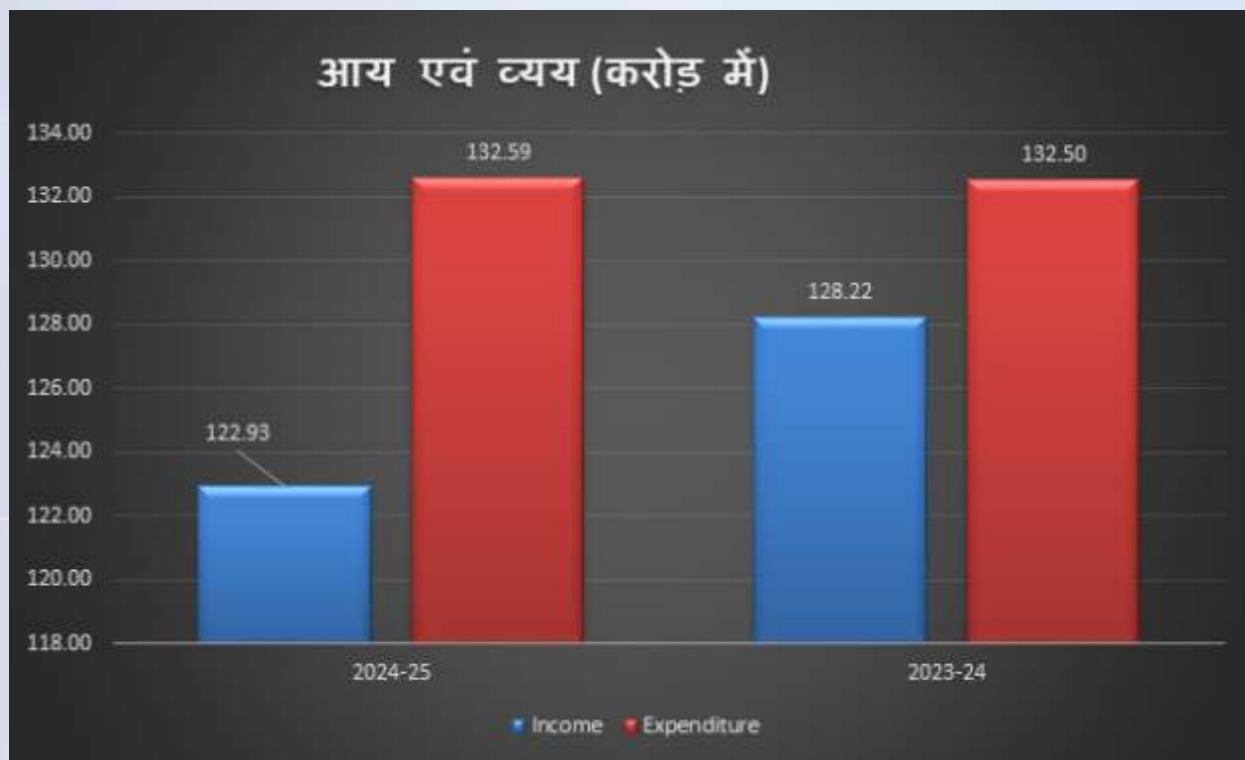
विवेक शर्मा, आई.आर.एस.  
प्रबंध निदेशक, एफडीडीआई

ए-10/ए, सैक्टर-24, नौएडा-201301 जिला : गौतमबुद्ध नगर (उत्तर प्रदेश) भारत  
A-10/A, SECTOR-24, NOIDA-201301 DISTT. : GAUTAM BUDHA NAGAR (U.P.) INDIA  
Website : [www.fddiindia.com](http://www.fddiindia.com)

# प्रदर्शन की मुख्य विशेषताएं

## राजस्व और व्यय:

वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए, एफडीडीआई ने कुल आय ₹122.93 करोड़ दर्ज की, जो 2023-24 में ₹128.22 करोड़ थी, जिससे लगभग 4.13% की मामूली गिरावट दर्ज हुई। जहाँ शुल्क/सदस्यता (₹47.75 करोड़, +1.85%) और बिक्री/सेवाएँ (₹9.92 करोड़, +6.66%) से प्राप्त आय में स्थिर वृद्धि देखी गई, वहीं अनुदान/सब्सिडी (₹60.58 करोड़, -8.02%), ब्याज (₹2.49 करोड़, -9.34%) और अन्य आय (₹1.63 करोड़, -45.47%) में पिछले वर्ष की तुलना में गिरावट आई। उल्लेखनीय है कि ₹3.76 करोड़ की पूर्व अवधि की आय दर्ज की गई, जिसने वर्ष की कुल आय में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

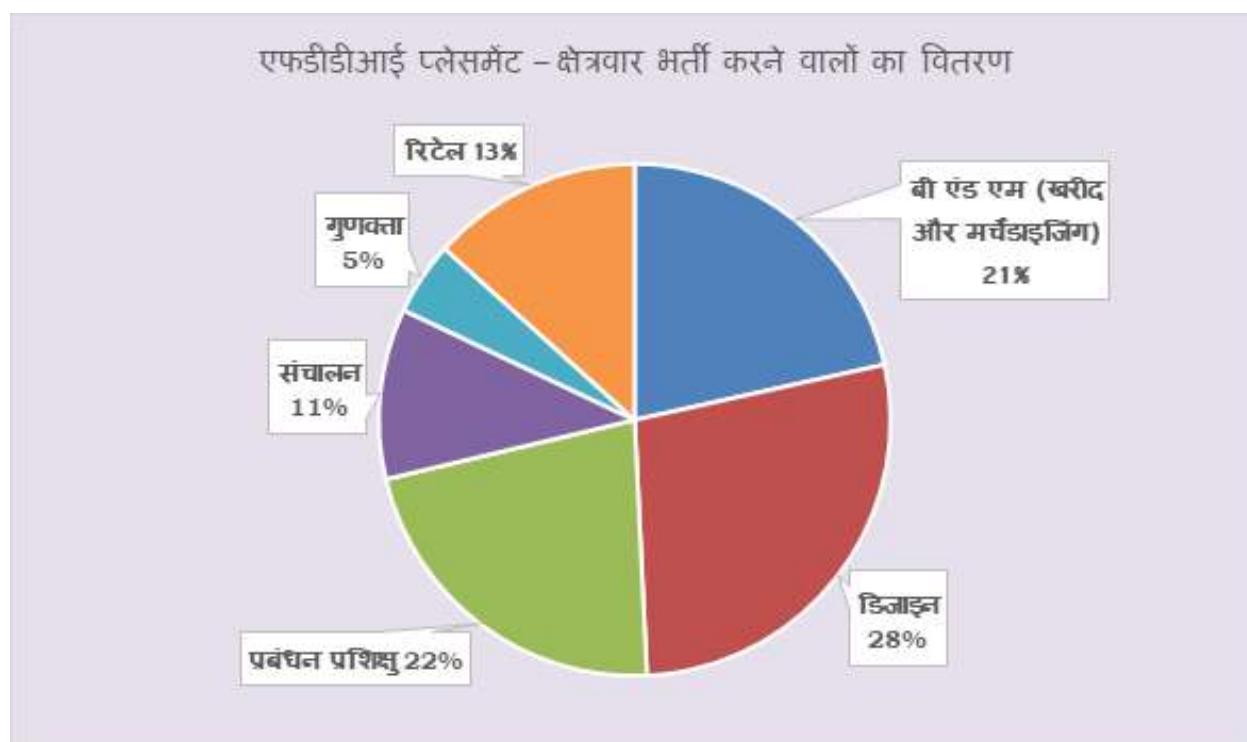


व्यय के संबंध में, संस्थान ने वर्ष 2024-25 में ₹132.59 करोड़ व्यय किए, जो 2023-24 में ₹132.50 करोड़ थे, जिससे 0.07% की मामूली वृद्धि परिलक्षित होती है। यह वृद्धि मुख्यतः अधिक स्थापना व्यय (₹34.77 करोड़, +13.76%) और प्रशासनिक लागत (₹34.36 करोड़, +4%) के कारण हुई, जबकि मूल्यहास (₹2.88 करोड़) और वितरित अनुदान (₹60.58 करोड़) में कमी दर्ज की गई। ₹1.24 करोड़ की पूर्व अवधि व्यय को दर्ज किए जाने के साथ, संस्थान ने वर्ष का समापन ₹7.14 करोड़ के घाटे के साथ किया, जो 2023-24 में दर्ज ₹4.27 करोड़ के घाटे से अधिक है। ये परिणाम बढ़ती परिचालन लागतों के प्रबंधन और दीर्घकालिक वित्तीय स्थिरता के लिए अनुदानों पर निर्भरता कम करने की आवश्यकता को रेखांकित करते हैं।

संस्थान के सामने प्रमुख चुनौतियों में से एक यह है कि एफडीडीआई को भारत सरकार की योजना के अंतर्गत डीपीआईआईटी (तथा पूर्व में वाणिज्य विभाग) से पूंजीगत निधि प्राप्त होती है। वर्तमान में इसे पूंजी, वेतन अथवा सामान्य राजस्व शीर्षों के अंतर्गत कोई राजस्व अनुदान प्राप्त नहीं होता। एफडीडीआई की वार्षिक आय का 90% से अधिक भाग स्नातक एवं स्नातकोत्तर कार्यक्रमों की छात्र-शुल्क से उत्पन्न होता है, जिसके कारण परिचालन संबंधी समस्याएँ उत्पन्न होती हैं। सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन शुल्क तथा सतत शिक्षा कार्यक्रम हमारे वार्षिक व्यय को पूरा करने में केवल एक छोटे हिस्से का योगदान करते हैं।

### छात्रों का स्थानन:

30 जुलाई 2025 तक, एफडीडीआई ने सभी परिसरों में 82% का समेकित प्लेसमेंट दर दर्ज किया। औसत सीटीसी ₹4.01 लाख प्रति वर्ष रही, जो उद्योग में एफडीडीआई स्नातकों की मजबूत मांग को दर्शाती है। इस दौरान 100 से अधिक कंपनियों ने ऑन-कैपस, ऑनलाइन एवं ऑफ-साइट ड्राइव्स के माध्यम से भाग लिया और 60 से अधिक विशिष्ट प्रोफ़ाइल्स की पेशकश की। ये अवसर विनिर्माण, रिटेल, डिज़ाइन, परिधान, चमड़ा एवं लाइफस्टाइल उत्पाद, संचालन, डिजिटल तथा गुणवत्ता आश्वासन जैसे प्रमुख क्षेत्रों में उपलब्ध कराए गए।



प्रमुख भूमिकाओं में जीएमटी, पीजीएमटी, एग्जीक्यूटिव मर्चेंडाइज़र, बी एंड एम एग्जीक्यूटिव, ग्राफ़िक डिज़ाइनर, विजुअल मर्चेंडाइज़र, सोर्सिंग एग्जीक्यूटिव, टेक्निकल एग्जीक्यूटिव, ट्रेनी डिज़ाइनर, रिटेल ऑपरेशंस एग्जीक्यूटिव तथा ई-कॉर्मर्स मर्चेंडाइज़र शामिल थे।

प्रमुख भर्ती करने वालों में वैश्विक बहुराष्ट्रीय कंपनियाँ जैसे स्केचर्स साउथ एशिया, यूनिक्लो, ज़ारा और अमेज़न, अग्रणी भारतीय समूह जैसे एबीएफआरएल और टाटा ट्रेंट, फुटवियर क्षेत्र की प्रमुख कंपनियाँ वॉकर्स और मेट्रो ब्रांड्स, बड़े खुदरा विक्रेता शॉपर स्टॉप और वी-मार्ट, विविधीकृत समूह एचएफएल ग्रुप और ऑफिज़नेस ग्रुप, लाइफस्टाइल ब्रांड्स हाइड डिज़ाइन और रेडटेप, तथा प्रसिद्ध डिज़ाइनर दिव्या कोचर, ध्रुव कपूर और अनु पेल्लाकुरु शामिल रहे।

## उत्कृष्टता केंद्र (सीओई):

एफडीडीआई के उत्कृष्टता केंद्र (सीओई) ने वर्ष के दौरान महत्वपूर्ण उपलब्धियाँ हासिल कीं, और अभूतपूर्व नवाचारों के लिए कई पेटेंट हासिल किए, जिनमें मल्टीजैकस्टर (पेशेवरों के लिए एक बहुमुखी चमड़े की जैकेट), टॉडलर्स के लिए एक्सपेंडेबल शू (बढ़ते पैरों के अनुकूल डिज़ाइन), इंटरलॉकिंग फुटवियर (सिलाई रहित, पर्यावरण-अनुकूल डिज़ाइन), और एक उन्नत बास्केटबॉल शू सोल (बेहतर पकड़ और चोट से बचाव के लिए डिज़ाइन किया गया) शामिल हैं। ये पेटेंट फुटवियर एवं परिधान डिज़ाइन में नवाचार, स्थिरता और उपभोक्ता-केंद्रित समाधानों को बढ़ावा देने में एफडीडीआई के नेतृत्व को दर्शाते हैं।



उत्कृष्टता केंद्र (सीओई) ने वर्ष के दौरान अपनी शैक्षणिक एवं औद्योगिक पहुँच को भी सुवृद्ध किया। चतुर्थ अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन ऑन प्लूचर टेक्नोलॉजीज (आईसीओएफटी मेड 4.0) में अनुसंधान कार्य प्रस्तुत किया गया, जिसमें फुटवियर डिज़ाइन और विनिर्माण की उन्नत विधियों पर प्रकाश डाला गया। इसके अतिरिक्त, नेशनल टेस्टिंग हाउस (एनटीएच) के वैज्ञानिकों के लिए जोधपुर परिसर में एक विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिससे अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप फुटवियर परीक्षण संबंधी कौशलों में वृद्धि हुई। साथ ही, छात्रों को सीओई प्रयोगशालाओं में इंटर्नशिप के अवसर प्राप्त हुए, जिनके माध्यम से उन्हें अत्याधुनिक अनुसंधान, बायोमैकेनिक्स, सतत सामग्री और नवोन्मेषी डिज़ाइन परियोजनाओं का व्यावहारिक अनुभव मिला। इनमें से अनेक परियोजनाएँ फुटवियर और फैशन टेक्नोलॉजी क्षेत्र की वास्तविक चुनौतियों का समाधान करने पर केंद्रित थीं।

## ई-गवर्नेंस में परिवर्तन गतिविधियाँ:

ई-गवर्नेंस के प्रति अपनी प्रतिबद्धता के अनुरूप, एफडीडीआई ने सभी परिसरों में कैम्पस मैनेजमेंट सॉल्यूशन (सीएमएस), एक शैक्षणिक ईआरपी अनुप्रयोग, लागू किया है। यह पहल पेपरलेस कार्यालय वातावरण को प्रोत्साहित करती है, शैक्षणिक एवं प्रशासनिक डेटा का केंद्रीकरण करती है तथा जानकारी को शीघ्र निर्णय-निर्माण, कार्यप्रवाह स्वचालन और बेहतर पारदर्शिता हेतु सुलभ बनाती है।

कैम्पस मैनेजमेंट सॉल्यूशन (सीएमएस) के परिपूरक रूप में, एफडीडीआई ने संपूर्ण संगठन में गूगल वर्कस्पेस भी लागू किया है। इसके माध्यम से संकाय, स्टाफ एवं छात्रों को जीमेल, गूगल ड्राइव, डॉक्स, शीट्स और मीट सहित क्लाउड-आधारित सहयोगी उपकरणों का सशक्त समूह उपलब्ध कराया गया है। इस परिवर्तन ने सुगम संचार, वास्तविक समय में दस्तावेज़ सहयोग तथा सुरक्षित क्लाउड स्टोरेज को संभव बनाया है, जिससे परिचालन क्षमता और भी सुदृढ़ हुई है।

ज्ञान तक पहुँच और नवाचार को सुदृढ़ करने हेतु, एफडीडीआई ने अपने डिजिटल पारिस्थितिकी तंत्र में गूगल जेमिनी, एक उन्नत एआई-संचालित सहायक, को एकीकृत किया है। जेमिनी त्वरित जानकारी प्राप्ति, शैक्षणिक अनुसंधान और स्मार्ट टास्क ऑटोमेशन में सहयोग प्रदान करता है — जिससे विद्यार्थी और स्टाफ अधिक स्मार्ट, तेज़ और रचनात्मक ढंग से कार्यकर पारहे हैं।

इन सभी डिजिटल पहलों ने एफडीडीआई को एक भविष्य-उन्मुख संस्थान के रूप में स्थापित किया है, जहाँ शैक्षणिक उल्कृष्टता का संगम प्रौद्योगिकी-संचालित सुशासन से होता है।

## उत्तीर्ण विद्यार्थियों के लिए दीक्षांत समारोह:

एफडीडीआई के विभिन्न परिसरों से उत्तीर्ण हुए कुल 581 विद्यार्थियों को उपाधि प्रदान करने हेतु दीक्षांत समारोह का आयोजन किया गया।

क्र. सं.	एफडीडीआई परिसर	उत्तीर्ण बैच	कुल विद्यार्थी	दीक्षांत समारोह की तारीख
1	गुना	2022	16	04.05.2024
2	जोधपुर	2022	70	04.05.2024
		2023	67	04.05.2024
4	छिंदवाड़ा	2023	29	04.10.2024
5	हेदराबाद	2024	108	14.10.2024
6	चेन्नई	2024	82	08.01.2025
7	चंडीगढ़	2023	76	10.01.2025
		2024	52	10.01.2025
8	कोलकाता	2024	81	17.02.2025
कुल			581	

यह कार्यक्रम स्नातक छात्रों के जीवन में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित हुआ, जिसमें उनकी कड़ी मेहनत, दृढ़ता और उपलब्धियों का जश्न मनाया गया।



यह संस्थान की फुटवियर, फैशन, चमड़ा और खुदरा क्षेत्र में उक्तिष्ठा प्राप्त करने के लिए ज्ञान, कौशल और आत्मविश्वास से लैस उद्योग-तैयार पेशेवरों को विकसित करने की प्रतिबद्धता को भी दर्शाता है।



उपर्युक्त 581 छात्रों का डेटा राष्ट्रीय शैक्षणिक डिपॉजिटरी (एनएडी) पोर्टल पर सफलतापूर्वक ऑनलाइन अपलोड किया गया है।

## एफडीडीआई परिसरों में से 6 में गैर-चमड़े के बुनियादी ढांचे का निर्माण:

गैर-चमड़े के फुटवियर एवं उत्पाद क्षेत्र एक तेज़ी से बढ़ती श्रेणी के रूप में उभरा है, जिसने वैश्विक ब्रांडों को आकर्षित किया है और घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय दोनों बाजारों में प्रमुखता प्राप्त की है। फुटवियर, गृह समग्री, सामान, पर्स, जैकेट और बेल्ट में व्यापक रूप से उपयोग किए जाने वाले इस क्षेत्र को टिकाऊ, किफायती और नवीन समाधानों की बढ़ती उपभोक्ता माँग से बढ़ावा मिल रहा है।



इस अवसर को स्वीकार करते हुए, एफडीडीआई ने नोएडा, कोलकाता, चेन्नई, हैदराबाद, बनूर और छिंदवाड़ा के छह परिसरों में समर्पित गैर-चमड़ा विभागों की स्थापना की, जहां प्रशिक्षण कार्यक्रम पहले ही शुरू हो चुके हैं।



प्रशिक्षुओं को टिकाऊ गैर-चमड़ा उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए डिजाइन, विनिर्माण और व्यावसायिक कौशल से लैस किया जा रहा है, जिससे इस उभरते क्षेत्र में एक प्रतिस्पर्धी वैश्विक खिलाड़ी के रूप में भारत की स्थिति मजबूत होगी।

## प्रवेश 2024-25:

सत्र 2024 के लिए प्रवेश को सुदृढ़ करने हेतु, एफडीडीआई ने मुख्यालय में केंद्रीकृत प्रवेश टीम की स्थापना की। इस पहल ने सभी परिसरों में प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित और मानकीकृत किया, जिससे अधिक कुशलता, पारदर्शिता और बेहतर छात्र समर्थन सुनिश्चित किया जा सका।

एफडीडीआई ने स्कूल सेमिनार, करियर मेले, कोचिंग केन्द्रों के सहयोग, निःशुल्क परामर्श कार्यशालाएँ आयोजित कर और उत्तर प्रदेश अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेला 2024 तथा भारत अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेला 2024 में सक्रिय भागीदारी के माध्यम से अपनी जागरूकता और पहुँच को व्यापक रूप से बढ़ाया। इस पहल ने छात्रों और माता-पिता के बीच संस्थान की वृश्यता और पहचान को महत्वपूर्ण रूप से सुदृढ़ किया।

एफडीडीआई ने एक मजबूत बहु-चैनल विपणन रणनीति लागू की, जिसमें डिजिटल प्लेटफॉर्म जैसे गूगल ऐड्स, फेसबुक, इंस्टाग्राम, यूट्यूब, लिंकडइन और एक्स का उपयोग किया गया, और इसे लक्षित सामग्री अभियान द्वारा समर्थित किया गया। रणनीतिक साझेदारियों के माध्यम से कॉलेज देखो और कॉलेज दुनिया के साथ संस्थान की विस्तृत सूची प्रस्तुत की गई और छात्रों के साथ प्रत्यक्ष संवाद को सुगम बनाया गया। इसके अतिरिक्त, एफडीडीआई का सीयूईटी, यूसीईईडी और आइमा के साथ पंजीकरण होने से स्नातक (यूजी) और स्नातकोत्तर (पीजी) उम्मीदवारों के व्यापक समूह तक पहुँच संभव हुई।

एफडीडीआई ने व्यक्तिगत संचार चैनलों—एसएमएस, व्हाट्सएप और ईमेल अभियानों—के माध्यम से सहभागिता बनाए रखी। साथ ही, वेबिनार, वर्चुअल ओपन हाउस और एक-से-एक परामर्श सत्र आयोजित करके छात्रों और अभिभावकों के साथ मजबूत संवाद स्थापित किया गया।

एफडीडीआई ने कनरा बैंक की विद्या तुरन्त एजुकेशन लोन योजना के माध्यम से वित्तीय पहुँच को प्रोत्साहित किया। साथ ही, कैरियर मार्गदर्शन कार्यशालाएँ, छात्र सफलता कहानियाँ और कैंपस शोकेस वीडियो एफडीडीआई के मूल्य प्रस्ताव को मजबूत करने में सहायक रहे। इसके अतिरिक्त, इन्फ्लुएंसर सहयोग, एलुमनी सहभागिता कार्यक्रम और मीडिया कवरेज ने संस्थान की विश्वसनीयता और प्रतिष्ठा को और सुदृढ़ किया।

### अतिरिक्त पहलों में शामिल हैं:

प्रभावी लीड ट्रैकिंग और रूपांतरण के लिए सीआरएम एकीकरण।

टियर-2 और टियर-3 शहरों में क्षेत्रीय जागरूकता अभियान।

शिक्षा प्रदर्शनियों और बोर्ड परामर्श सत्रों में भागीदारी।

डिज़ाइन, फैशन और रिटेल में करियर अवसरों को उजागर करने के लिए अभिभावक संवाद सत्र।

इन व्यापक पहलों के परिणामस्वरूप, एफडीडीआई ने 2023 की तुलना में 22% की प्रभावशाली वृद्धि दर्ज की, जो छात्रों के आधार के विस्तार और राष्ट्रीय स्तर पर संस्थान की पहचान सुदृढ़ करने में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित हुई।

### कार्यशालाएं, सेमिनार, वेबिनार, अतिथि व्याख्यान और औद्योगिक दौरे:

उद्योग की अपेक्षाओं के अनुरूप और छात्रों को वर्तमान ज्ञान एवं व्यावहारिक कौशल से सुसज्जित करने हेतु, एफडीडीआई ने वर्ष भर वर्कशॉप, सेमिनार और वेबिनार की एक श्रृंखला आयोजित की गई।



इन ज्ञान-साझाकरण प्लेटफॉर्मों ने डिज़ाइन नवाचार, सतत प्रथाएँ, वित्तीय साक्षरता, बाजार गतिशीलता और उद्यमशीलता रणनीतियाँ जैसे विविध क्षेत्रों को शामिल किया। प्रत्येक सत्र में सैद्धांतिक शिक्षा और व्यावहारिक अनुभव का सम्मिश्रण था, जिसमें उद्योग के नेताओं, उद्यमियों और विशेषज्ञों के विचार साझा किए गए।



वास्तविक दुनिया के विशेषज्ञों के साथ प्रत्यक्ष संवाद को प्रोत्साहित करके, एफडीडीआई ने शैक्षणिक संस्थान और उद्योग के बीच संबंध को सुदृढ़ किया, जिससे उसके छात्र भविष्य-उन्मुख और अपने पेशेवर करियर में उल्कृष्टता प्राप्त करने के लिए तैयार रहे।

## चमड़ा क्षेत्र का एकीकृत विकास (आईडीएलएस) योजना का कार्यान्वयन:

उद्योग संवर्धन एवं आंतरिक व्यापार विभाग (डीपीआईआईटी) के अंतर्गत कार्यरत एफडीडीआई और सीएलआरआई, चमड़ा क्षेत्र के एकीकृत विकास (आईडीएलएस) योजना के अंतर्गत उत्पाद क्षेत्र के लिए परियोजना कार्यान्वयन इकाइयों (पीआईयू) के रूप में कार्य करते हैं।

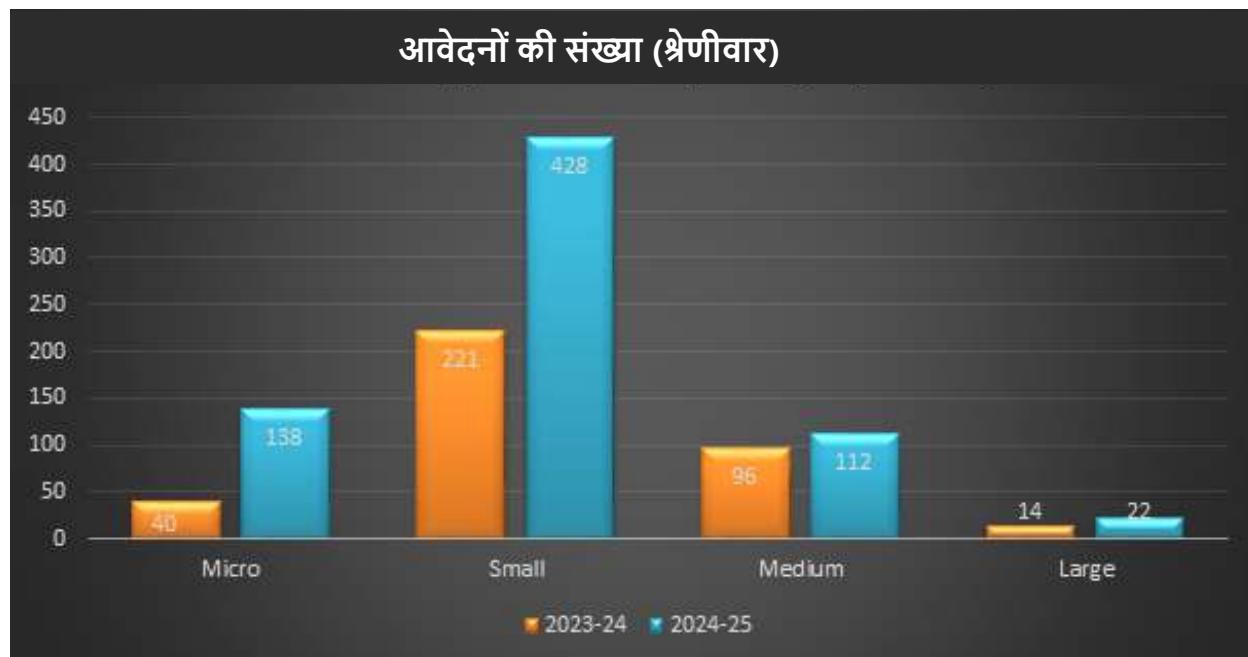
प्राप्त आवेदन - उत्पाद श्रेणी		
	आवेदनों की संख्या (2023-24)	आवेदनों की संख्या (2024-25)
फुटवियर कंपोनेन्ट	133	284
हार्नेस और सैडलरी	5	13
लेदर फुटवियर	58	101
चमड़ा उत्पाद और सहायक उपकरण	27	47
गैर-चमड़े के फुटवियर	148	255

आवेदक इकाई श्रेणी		
	आवेदनों की संख्या (2023-24)	आवेदनों की संख्या (2024-25)
सूक्ष्म इकाई	40	138
लघु इकाई	221	428
मध्यम इकाई	96	112
बड़ी इकाई	14	22

इस योजना का कार्यान्वयन माननीय प्रधानमंत्री के 'अमृत काल में भारत' के दृष्टिकोण के अनुरूप है। यह योजना न केवल चमड़ा और संबद्ध क्षेत्र के आर्थिक विकास को गति दे रही है बल्कि इस क्षेत्र की विनिर्माण और उत्पादन क्षमताओं को भी बढ़ा रही है।



वर्ष 2024-25 के दौरान कुल 700 आईडीएलएस आवेदन प्राप्त हुए थे। पीआईयूने 239 आवेदनों को संसाधित किया और 163.60 करोड़ के कुल आईडीएलएस अनुदान के साथ 220 आवेदनों को मंजूरी दी गई।



यह योजना अत्याधुनिक अवसंरचना सुविधाओं के सूजन से लेकर रोजगार सृजन तक के 360-डिग्री हस्तक्षेप दृष्टिकोण के माध्यम से इस क्षेत्र को लाभ पहुँचा रही है, जिससे उत्पादन क्षमता में वृद्धि हो रही है और क्षेत्र की समग्र आर्थिक वृद्धि को प्रोत्साहन मिल रहा है।

### एफडीडीआई में सशस्त्र बलों के कर्मियों के लिए पुनर्वास पाठ्यक्रम:

सेना, नौसेना और वायु सेना के जूनियर कमीशंड अधिकारियों (जेसीओ) और अन्य रैंकों (ओआर) को नागरिक करियर/उद्यमी उपक्रमों में सुचारू रूप से परिवर्तन के लिए आवश्यक कौशल से लैस करने के लिए, महानिदेशक पुनर्वास (डीजीआर) द्वारा प्रायोजित फुटवियर विनिर्माण एवं खुदरा बिक्री में सर्टिफिकेट कोर्स एफडीडीआई परिसरों में शुरू हो गया है/शुरू होने की संभावना है।



टीआरजी वर्ष 2025-26 के लिए पाठ्यक्रमों की अनंतिम सूची के अनुसार: जेसीओ/ ओआर और उनके समकक्ष रैंक, पाठ्यक्रम एफडीडीआई के नोएडा, चेन्नई, गुना, जोधपुर, बानूर, पटना और हैदराबाद परिसरों में शुरू/निर्धारित किए गए हैं।

एफडीडीआई के विशेषज्ञों द्वारा संचालित यह सावधानीपूर्वक डिज़ाइन किया गया पाठ्यक्रम सशस्त्र बलों के कर्मियों को के लिए



फुटवियर निर्माण और खुदरा व्यापार के क्षेत्र में सहजता से आगे बढ़ने आवश्यक कौशल एवं जानकारी प्रदान करता है, जिससे उन्हें सेवानिवृत्ति के बाद नए करियर के अवसर तलाशने में मदद मिल सके। व्यावहारिक शिक्षण अनुभव के एक भाग के रूप में, इन प्रशिक्षुओं को चमड़ा एवं फुटवियर निर्माण प्रक्रियाओं की व्यावहारिक समझ हासिल करने में मदद करने के लिए औद्योगिक दौरे का आयोजन किया गया।

## उद्योग सहयोग और समझौता ज्ञापन:

एफडीडीआई ने सीआईपीईटी हैदराबाद, आईसीएआर-एनआईएनएफईटी, वॉक्सेन विश्वविद्यालय, वीआईटी चेन्नई, केआईआईटी भुवनेश्वर, टीएनपीईएसयू चेन्नई, तेलंगाना हथकरघा और वस्त्र संगठन, पीडीयूएनआईपीपीडी, ईडीआईआई गांधीनगर और वेस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड सहित प्रमुख अनुसंधान, शैक्षणिक और उद्योग निकायों के साथ कई समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर करके उद्योग-अकादमिक सहयोग को मजबूत किया। ये साझेदारियां सहयोगी अनुसंधान, उत्पाद विकास, उद्यमिता, कौशल प्रशिक्षण, प्रौद्योगिकी हस्तांतरण और विशेष कार्यक्रमों पर केंद्रित हैं - जो छात्रों, एमएसएमई और फुटवियर, चमड़ा और संबद्ध क्षेत्रों को लाभान्वित करते हैं।

## एफडीडीआई का अंतर्राष्ट्रीय परीक्षण केंद्र (आईटीसी):

एफडीडीआई नोएडा (उत्तर भारत) और चेन्नई (दक्षिण भारत) में स्थित दो अंतर्राष्ट्रीय परीक्षण केंद्रों (आईटीसी) का संचालन करता है। दोनों केंद्रों को साट्रा, यूके द्वारा मान्यता प्राप्त है, और नोएडा स्थित सुविधा को आईएसओ 17025: 2017 के लिए एनएबीएल द्वारा मान्यता प्राप्त है और यह क्यूसीओ (गुणवत्ता नियंत्रण आदेश) सहित फुटवियर के अधिकांश बीआईएस विनिर्देशों के लिए बीआईएस द्वारा अनुमोदित प्रयोगशाला है। ये केंद्र चमड़ा, फुटवियर (सुरक्षा, फैशन और खेल), कंपोनेन्टों, वस्त्रों और प्लास्टिक के परीक्षण में विशेषज्ञता रखते हैं, और उद्योग को विश्वसनीय, समय पर और विश्वस्तरीय गुणवत्ता आश्वासन सेवाएँ प्रदान करते हैं।



नोएडा आईटीसी को राइट्स और सभी अर्धसैनिक बलों द्वारा अनुमोदित किया गया है और यह एडिडास, नाइकी, प्यूमा, रीबॉक, ज़ारा, जिमी सू जैसे प्रमुख राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय ब्रांडों को उत्पाद प्रदान करता है। यह भारतीय सेना, वायु सेना, नौसेना, तटरक्षक बल, सीआरपीएफ, बीएसएफ, आईटीबीपी, एसएसबी, सीआईएसएफ और एनटीपीसी, ओएनजीसी और आईओसी सहित सार्वजनिक उपक्रमों को आपूर्ति किए जाने वाले सामरिक और प्रदर्शनकारी फुटवियर के लिए गुणवत्ता आश्वासन भी प्रदान करता है। भारत के अलावा, एफडीडीआई की परीक्षण सेवाएँ सऊदी अरब, यूएई, बांगलादेश, नेपाल और श्रीलंका तक फैली हुई हैं।

उद्योग हितधारकों की पहुँच को और बेहतर बनाने के लिए, 1 सितंबर 2025 से सभी एफडीडीआई परिसरों में आईटीसी भौतिक प्रयोगशाला संग्रह केंद्र (फिज़िकल लैब कलेक्शन सेंटर) चालू हो जाएँगे। ये केंद्र परीक्षण, विश्लेषण और प्रमाणन की आवश्यकता वाले कच्चे माल और तैयार उत्पाद के नमूनों के लिए आधिकारिक ड्रॉप-ऑफ पॉइंट के रूप में कार्य करेंगे। इस पहल का उद्देश्य हितधारकों पर लॉजिस्टिक बोझ को कम करना और परिसर-से-प्रयोगशाला एकीकरण के माध्यम से तेज़ सेवा वितरण सुनिश्चित करना है। इसके अतिरिक्त, 1 अक्टूबर 2025 से चुनिंदा उद्योग समूहों और स्थानों पर पिकअप सेवा सुविधाएँ शुरू की जाएँगी, जिनका विवरण आधिकारिक वेबसाइट ([www.fddiindia.com](http://www.fddiindia.com)) पर उपलब्ध है।

एफडीडीआई के नोएडा स्थित आईटीसी ने कट रेजिस्टेंस, मेटाटार्सल प्रोटेक्शन, एंकल प्रोटेक्शन और शॉक एब्जॉर्प्शन सहित नए उन्नत परीक्षण भी शुरू किए हैं। इसके अलावा, आईटीसी ने डायर और लुई वुइट्टन (इटली) जैसे वैश्विक लक्ज़री ब्रांडों को अंतर्राष्ट्रीय परामर्श सेवाएँ प्रदान की हैं, जिससे गुणवत्ता आश्वासन एवं नवाचार के लिए एक विश्वसनीय वैश्विक भागीदार के रूप में इसकी स्थिति मज़बूत हुई है।



### राजभाषा पहल:

एफडीडीआई ने 14 से 28 सितंबर 2024 तक सभी परिसरों में हिंदी पखवाड़ा मनाया, जिसमें संकाय, कर्मचारियों और छात्रों के लिए प्रतियोगिताओं के माध्यम से राजभाषा हिंदी को बढ़ावा दिया गया।



कार्यक्रम का समापन नोएडा परिसर में एक समारोह के साथ हुआ, जिसमें गृह मंत्रालय की सहायक निदेशक (राजभाषा) सुश्री सुनीता यादव ने भी भाग लिया और सरकारी कामकाज में हिंदी के अधिकाधिक प्रयोग का आग्रह किया।

एफडीडीआई को नराकास-नोएडा की 'हिंदी प्रतिभा पुरस्कार' योजना के अंतर्गत उपलब्धि प्राप्त करने वालों को भी सम्मानित किया तथा हिंदी दक्षता बढ़ाने और राजभाषा नीति के कार्यान्वयन के लिए कई कार्यशालाओं का आयोजन किया।



# शासी परिषद के सदस्य

क्र.सं.	नाम	परिषद में पद पर
01	श्री आशीष दीक्षित, प्रबंध निदेशक, आदित्य बिड़ला फैशन एंड रिटेल लिमिटेड	अध्यक्ष (केंद्र सरकार द्वारा नामित)
02	श्री विवेक शर्मा, आईआरएस प्रबंध निदेशक, एफडीडीआई	सदस्य (पदेन)
03	सुश्री निधि केसरवानी, आईएएस संयुक्त सचिव, डीपीआईआईटी (चमड़ा एवं फुटवियर)	सदस्य (पदेन)
04	श्री विमल आनंद, आईएएस संयुक्त सचिव, वाणिज्य विभाग (ईपीएलएसजी प्रभाग के प्रभारी)	सदस्य (पदेन)
05	श्री सी. एस. राव उप सचिव, वित्त शाखा, डीपीआईआईटी	सदस्य (पदेन)
06	श्री राजेंद्र कुमार जालान अध्यक्ष, चमड़ा निर्यात परिषद (सीएलई)	सदस्य (केंद्र सरकार द्वारा नामित)
07	श्री मोतीलाल सेठी अध्यक्ष, इंडियन लेदर गारमेंट्स एसोसिएशन (आईएलजीए)	सदस्य (केंद्र सरकार द्वारा नामित)
08	श्री संजय गुप्ता, अध्यक्ष, इंडियन फुटवियर कंपोनेंट मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन (इफकोमा)	सदस्य (केंद्र सरकार द्वारा नामित)
09	श्री गौतम नायर, भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई), फुटवियर और चमड़ा उत्पादों पर राष्ट्रीय समिति के अध्यक्ष और सीईओ, टैंजेरीन डिजाइन्स प्राइवेट लिमिटेड	सदस्य (केंद्र सरकार द्वारा नामित)
10	डॉ. शिंजू महाजन नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी (मिपट), नई दिल्ली	सदस्य (केंद्र सरकार द्वारा नामित)
11	श्री प्रवीण नाहर निदेशक, एनआईडी, अहमदाबाद	सदस्य (केंद्र सरकार द्वारा नामित)
12	श्री के. जे. श्रीराम निदेशक, केंद्रीय चमड़ा अनुसंधान संस्थान (सीएलआरआई), चेन्नई	सदस्य (केंद्र सरकार द्वारा नामित)
13	प्रो. सुमेर सिंह डिजाइन विभाग, आईआईटी दिल्ली	सदस्य (केंद्र सरकार द्वारा नामित)
14	प्रो. आलोक कुमार सिंह इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, नागपुर	सदस्य (केंद्र सरकार द्वारा नामित)



# सीनेट के सदस्य

क्र.सं.	नाम	सीनेट में पद पर
01	श्री विवेक शर्मा, आईआरएस प्रबंध निदेशक, एफडीडीआई	अध्यक्ष
02	कर्नल पंकज कुमार सिंह सचिव, एफडीडीआई	पदेन सदस्य सचिव
03	सुश्री प्रज्ञा सिंह, आईआरएस कार्यकारी निदेशक, एफडीडीआई बानूर	पदेन
04	डॉ. नरसिंहुगरी तेज लोहित रेडी, आईएस कार्यकारी निदेशक, एफडीडीआई हैदराबाद	पदेन
05	श्री अनिल कुमार, एएफएचक्यूसीएस कार्यकारी निदेशक, एफडीडीआई जोधपुर	पदेन
06	सुश्री मंजू मन कार्यकारी निदेशक, एफडीडीआई नोएडा	पदेन
07	श्री सुनील कुमार द्विवेदी कार्यकारी निदेशक, एफडीडीआई फुरसतांज	पदेन
08	सुश्री सरिता दुहान कार्यकारी निदेशक, एफडीडीआई रोहतक	पदेन
09	श्री ललित प्रकाश कार्यकारी निदेशक, एफडीडीआई अंकलेश्वर	पदेन
10	श्री नीरज कुमार कार्यकारी निदेशक, एफडीडीआई पटना	पदेन
11	श्री एम सुंदरेसन कार्यकारी निदेशक, एफडीडीआई चेन्नई	पदेन
12	सुश्री रमणीक कौर मजीठिया निदेशक एनआईडी, कुरुक्षेत्र	सदस्य
13	डॉ. आर. चट्टोपाध्याय आईआईटी दिल्ली में एमेरिटस प्रोफेसर	सदस्य
14	डॉ. शीबा कपिल, प्रोफेसर और विभागाध्यक्ष -वित्त, एडिटर इन चीफ आईआईएफटी-आईबीएमआर	सदस्य
15	श्री निरेन आनंद पूर्व छात्र एफडीडीआई	सदस्य
16	श्री नीरज शर्मा मुख्य संकाय/एचओएस, स्कूल ऑफ एफडीपी, एफडीडीआई	सदस्य

क्र.सं.	नाम	सीनेट में पद पर
17	<b>डॉ. रेनू शर्मा</b> मुख्य संकाय, आरएफएम स्कूल, एफडीडीआई	सदस्य
18	<b>श्री अनूप सिंह राणा</b> वरिष्ठ संकाय ग्रेड-1/एचओएस, स्कूल ऑफ एलजीएडी, एफडीडीआई	सदस्य
19	<b>श्री शरद श्रीवास्तव</b> मुख्य संकाय/संयुक्त निदेशक (सीओई) - अतिरिक्त प्रभार, एफडीडीआई	सदस्य
20	<b>श्री अमित वर्मा</b> वरिष्ठ प्रबंधक, प्लेसमेंट विभाग, एफडीडीआई	सदस्य
21	<b>सुश्री सारिका टंडन</b> वरिष्ठ प्रबंधक, एडमीशन एवं प्रमोशन, एफडीडीआई	सदस्य

# एफडीडीआई प्रोफाइल

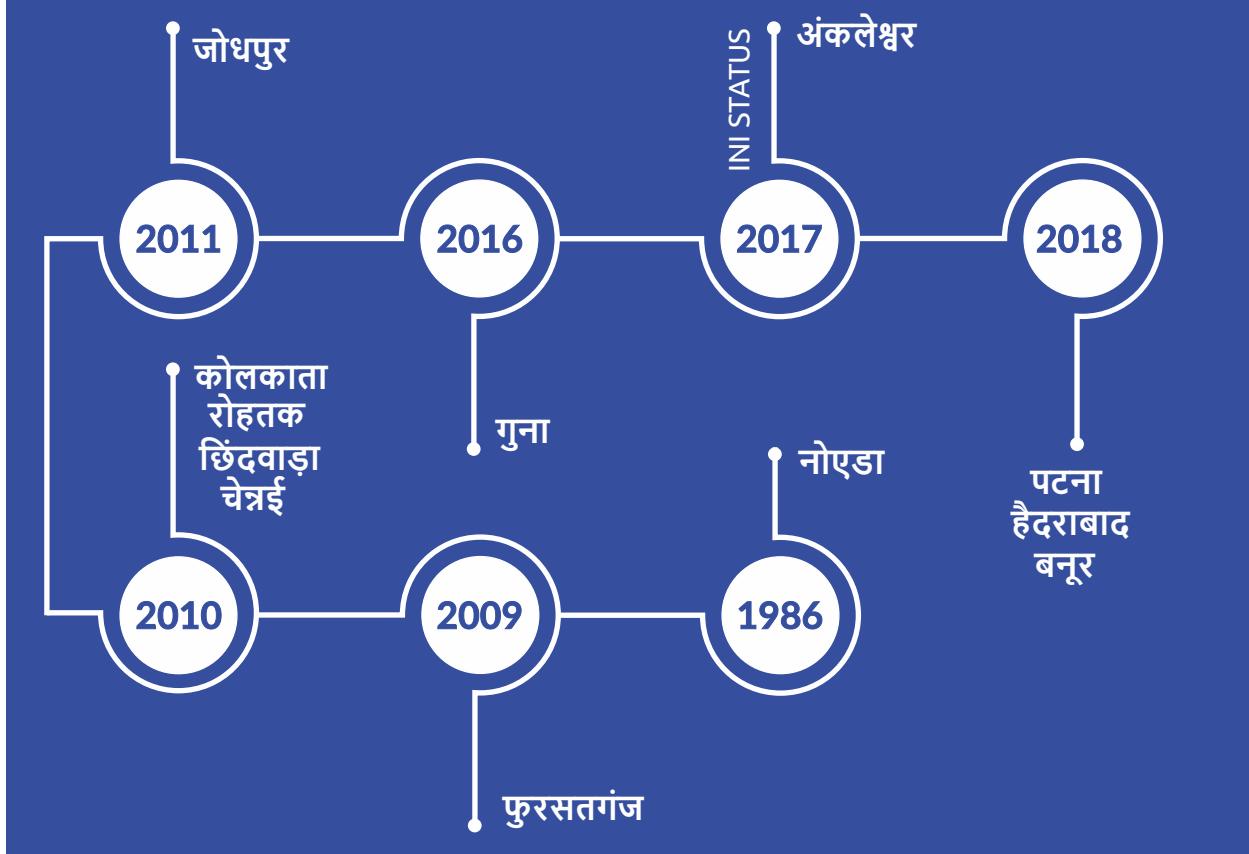
फुटवियर डिजाइन एंड डेवलपमेंट इंस्टिट्यूट (एफडीडीआई) की स्थापना 1986 में वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार के अधीन फुटवियर एवं संबद्ध उत्पाद उद्योगों को बढ़ावा देने एवं विकसित करने के उद्देश्य से की गई थी।

पिछले कुछ वर्षों में, एफडीडीआई ने अपने शैक्षणिक क्षेत्र का विस्तार करते हुए फैशन, चमड़े के सामान, रिटेल एवं फैशन मर्चेंडाइजिंग को भी इसमें शामिल किया है। इसने फुटवियर, चमड़ा, फैशन, रिटेल और प्रबंधन क्षेत्रों में महत्वपूर्ण कौशल अंतराल को पाटकर भारतीय उद्योग को मज़बूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।



भारत सरकार—विशेषकर उद्योग संवर्धन एवं आंतरिक व्यापार विभाग (डीपीआईआईटी), वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय—से प्राप्त अमूल्य मार्गदर्शन और अट्रूट समर्थन, राज्य सरकारों और अन्य संबंधित प्राधिकरणों एवं एजेंसियों के साथ मिलकर, एफडीडीआई को भारत में फुटवियर नीति की पैरवी के लिए एक रणनीतिक थिंक-टैंक और नोडल संस्थान के रूप में विकसित करने में सहायक रहा है। इस समर्थन ने "इनोवेट टू एम्पावर: विकसित भारत 2047" मिशन को आगे बढ़ाने में एफडीडीआई की भूमिका को और मज़बूत किया है, साथ ही माननीय प्रधानमंत्री की प्रमुख पहलों—वोकल फ़ॉर लोकल, मेक इन इंडिया, स्किल इंडिया और आत्मनिर्भर भारत—में सार्थक योगदान दिया है।

## एफडीडीआई-पैन इंडिया का विस्तार और आईएनआई बनने की यात्रा



एफडीडीआई कुशल जनशक्ति की मांग को लगातार पूरा करके अप्रयुक्त प्रतिभा तथा उद्योग के साथ-साथ अपने वैश्विक समकक्षों के बीच एक महत्वपूर्ण सेतु के रूप में काम कर रहा है। अपने विशेष पाठ्यक्रम के माध्यम से, संस्थान यह सुनिश्चित करता है कि छात्र संवर्ग-विशिष्ट ज्ञान, तकनीकी विशेषज्ञता और रचनात्मक समस्या सुलझाने के कौशल से लैस हों जो वर्तमान और उभरती उद्योग आवश्यकताओं को पूरा करते हैं।

इसकी अत्याधुनिक प्रयोगशालाएं उन्नत प्रौद्योगिकियों और आधुनिक विनिर्माण प्रक्रियाओं

का व्यावहारिक अनुभव प्रदान करती हैं, जिससे शिक्षार्थी सैद्धांतिक अवधारणाओं को व्यावहारिक अनुप्रयोगों में परिवर्तित करने में सक्षम होते हैं।





एफडीडीआई का विश्वस्तरीय बुनियादी ढाँचा इसके पूरक के रूप में कार्य करता है, जो नवाचार, अनुसंधान और व्यावसायिक विकास के लिए अनुकूल वातावरण प्रदान करता है। इसके अलावा, संस्थान के अनुभवी संकाय—जिनमें शिक्षाविद, शोधकर्ता और उद्योग जगत के विशेषज्ञ शामिल हैं—छात्रों को न केवल तकनीकी दक्षता प्राप्त करने में, बल्कि एक वैश्विक दृष्टिकोण प्राप्त करने में भी सहायता एवं मार्गदर्शन प्रदान करते हैं। ये सभी तत्व मिलकर एफडीडीआई को एक उच्च कुशल कार्यबल तैयार करने में सक्षम बनाते हैं जो घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय दोनों बाजारों में सार्थक योगदान देता है।



उद्योगों के लिए तैयार पेशेवरों का सृजन करके राष्ट्र निर्माण में इसके महत्वपूर्ण योगदान को मान्यता देते हुए, संस्थान को एफडीडीआई अधिनियम, 2017 के तहत 'राष्ट्रीय महत्व के संस्थान' का दर्जा दिया गया। आज, संस्थान फुटवियर, चमड़ा एवं संबद्ध उद्योगों के लिए एक व्यापक समाधान प्रदाता के रूप में कार्य करता है।



एफडीडीआई अपने चार विशेष स्कूलों जैसे- स्कूल ऑफ फुटवियर डिजाइन एंड प्रोडक्शन (एफडीपी), स्कूल ऑफ फैशन डिजाइन (एफडी), स्कूल ऑफ लेदर गुड्स एंड एक्सेसरीज डिजाइन (एलजीएडी), और स्कूल ऑफ रिटेल एंड फैशन मर्चेंडाइज (आरएफएम) के माध्यम से कौशल-आधारित शिक्षा और प्रशिक्षण प्रदान करता है।



## स्कूल ऑफ फुटवियर डिजाइन एंड प्रोडक्शन:

1986 में स्थापित स्कूल ऑफ फुटवियर डिजाइन एंड प्रोडक्शन (एफडीपी), एफडीडीआई का सबसे पुराना स्कूल है। यह कौशल-आधारित तकनीकी शिक्षा और विशेषज्ञता प्रदान करने में अग्रणी रहा है तथा भारत को दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा फुटवियर उत्पादक बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभारहा है।



यह स्कूल भारत एवं अन्य स्थानों पर फुटवियर क्षेत्र के विकास में सक्रिय रूप से योगदान देता है, तथा इसमें योग्यता विकास पर विशेष ध्यान दिया जाता है।



अत्याधुनिक बुनियादी ढांचे द्वारा डिजाइन, अनुसंधान और नवाचार पर अत्यधिक फोकस किया जाता है, जिसमें उन्नत डिजाइन सॉफ्टवेयर, सीएडी सिस्टम, 3 डी प्रिंटिंग और अन्य एकीकृत प्रौद्योगिकियां शामिल हैं, जो रचनात्मकता एवं तकनीकी उल्कृष्टता के लिए आदर्श वातावरण बनाती हैं।

## स्कूल ऑफ रिटेल एंड फैशन मर्चेंडाइज़:

स्कूल ऑफ रिटेल एंड फैशन मर्चेंडाइज़ (आरएफएम) 2005 में स्थापित किया गया जो रिटेल परिचालन और समग्र प्रदर्शन को बढ़ाने के लिए डिज़ाइन किए गए कार्यक्रम प्रदान करता है।

पाठ्यक्रम को रिटेल प्रबंधन के मुख्य पहलुओं को शामिल करने के लिए सावधानीपूर्वक तैयार किया गया है, जिसमें आपूर्ति शृंखला संचालन, ग्राहक संबंध प्रबंधन, व्यापारिक रणनीतियाँ, सुविधाएँ और स्टोर प्रबंधन, और विक्रेता विकास शामिल हैं। यह न केवल सैद्धांतिक ज्ञान प्रदान करता है, बल्कि तेज़ी से विकसित हो रहे रिटेल परिवृश्य में आगे बढ़ने के लिए आवश्यक विश्लेषणात्मक और प्रबंधकीय दक्षताओं का भी निर्माण करता है।



यह स्कूल औपचारिक कक्षा शिक्षा के अलावा, व्यावहारिक, उद्योग-उन्मुख प्रशिक्षण पर ज़ोर देता है। छात्रों को इंटर्नशिप, लाइव प्रोजेक्ट्स, केस स्टडीज़ और उद्योग विशेषज्ञों द्वारा आयोजित कार्यशालाओं के माध्यम से वास्तविक दुनिया के रिटेल वातावरण से परिचित कराया जाता है। यह दृष्टिकोण उन्हें व्यावहारिक, नौकरी के लिए तैयार कौशल प्रदान करता है—यह सुनिश्चित करते हुए कि वे रिटेल क्षेत्र में अपने पहले दिन से ही उत्पादक और प्रभावी योगदान देने के लिए तैयार हों।

## स्कूल ऑफ लेदर गुड्स एंड एक्सेसरीज डिजाइन:

स्कूल ऑफ लेदर गुड्स एंड एक्सेसरीज डिजाइन (एलजीएडी) 2006 में स्थापित किया गया जो चमड़ा उद्योग की विविध मानव संसाधन आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रदान करता है।



चमड़े के सामान और परिधानों की वैश्विक मांग सर्वकालिक उच्च स्तर पर होने के कारण, स्कूल मौजूदा कौशल अंतराल को पाटने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है - उत्पाद की गुणवत्ता में वृद्धि, अपव्यय को न्यूनतम करना, तथा प्रक्रिया दक्षता और व्यवसाय विकास को बढ़ावा देना।



इसका पाठ्यक्रम मुख्य डिजाइन विषयों को अंतःविषयक पाठ्यक्रमों के साथ एकीकृत करता है, जिससे छात्रों को डिजाइन एवं तकनीकी दोनों में विशेषज्ञता प्राप्त करने में मदद मिलती है, और उन्हें उद्योग की गतिशील मांगों को पूरा करने के लिए तैयार किया जाता है।

## स्कूल ऑफ फैशन डिजाइन:



एफडीडीआई में 2012 में स्थापित स्कूल ऑफ फैशन डिज़ाइन (एफडी), गतिशील और तेज़-तर्रर फैशन एवं परिधान उद्योग के लिए कुशल पेशेवरों का विकास करता है। इसके कार्यक्रम रचनात्मकता को पोषित करते हैं और साथ ही करियर में सफलता के लिए आवश्यक व्यावहारिक और तकनीकी कौशल का एक मज़बूत आधार प्रदान करते हैं। इसके कार्यक्रम रचनात्मकता को पोषित करते हैं।

यह स्कूल मज़बूत उद्योग संबंधों के साथ, स्कूल छात्रों को उभरते रुझानों एवं बाजार की मांगों के साथ जोड़ता है, तथा उन्हें फैशन उद्योग की वास्तविक दुनिया की चुनौतियों का आत्मविश्वास से सामना करने के लिए तैयार करता है।

इन स्कूलों के माध्यम से, एफडीडीआई नोएडा, फुरसतगंज, चेन्नई, कोलकाता, रोहतक, छिंदवाड़ा, गुना, जोधपुर, अंकलेश्वर, बनूर, पटना और हैदराबाद में स्थित अपने 12 सुसज्जित परिसरों में निम्नलिखित दीर्घकालिक कार्यक्रम संचालित करता है:



मास्टर डिग्री कार्यक्रम (पीजी कार्यक्रम)		
क्र.सं.	कार्यक्रम का नाम	अवधि
1.	मास्टर ऑफ डिज़ाइन - फुटवियर डिज़ाइन एण्ड प्रोडक्शन - (एम.डेस.- एफडीपी)	2 वर्ष (4 सेमेस्टर)
2.	मास्टर ऑफ डिज़ाइन - फैशन डिज़ाइन - (एम.डेस.-एफडी)	2 वर्ष (4 सेमेस्टर)
3.	मास्टर ऑफ बिज़नेस एडमिनिस्ट्रेशन - रिटेल एण्ड फैशन मर्चेंडाइज (एमबीए-आरएफएम)	2 वर्ष (4 सेमेस्टर)
बैचलर डिग्री कार्यक्रम (यूजी कार्यक्रम)		
क्र.सं.	बैचलर ऑफ डिज़ाइन - फुटवियर डिज़ाइन एण्ड प्रोडक्शन - (बी.डेस.- एफडीपी)	4 वर्ष (8 सेमेस्टर)
2.	बैचलर ऑफ डिज़ाइन - लेदर लाइफस्टाइल एण्ड प्रोडक्ट डिज़ाइन - (बी.डेस.- एलएलपीडी)	4 वर्ष (8 सेमेस्टर)
3.	बैचलर ऑफ डिज़ाइन - फैशन डिज़ाइन- (बी.डेस.- एफडी)	4 वर्ष (8 सेमेस्टर)
4.	बैचलर ऑफ बिज़नेस एडमिनिस्ट्रेशन - रिटेल एण्ड फैशन मर्चेंडाइज- (बीबीए-आरएफएम)	4 वर्ष (8 सेमेस्टर)

एफडीडीआई अपने प्रमुख दीर्घकालिक कार्यक्रमों के साथ-साथ, अल्पकालिक, उद्योग-विशिष्ट प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम भी संचालित किए, जिनसे तकनीकी कौशल सुदृढ़ हुए और व्यावसायिक क्षमता में वृद्धि हुई। उद्योग की मांग के अनुरूप, संस्थान ने कौशल अंतराल को पाटने तथा फुटवियर, चमड़ा, फैशन और खुदरा उद्योगों के लिए भविष्य के लिए प्रशिक्षित कार्यबल तैयार करने हेतु विशिष्ट पर्यवेक्षक-स्तरीय डिप्लोमा कार्यक्रम शुरू किए। ये डिप्लोमा कार्यक्रम इस प्रकार हैं:

## फुटवियर टेक्नोलॉजी में डिप्लोमा कार्यक्रम

शीर्षक	फोकस क्षेत्र
मॉड्यूल 1 (फुटवियर निर्माण तकनीकी)	<ul style="list-style-type: none"> <li>फुटवियर विनिर्माण तकनीकी - I</li> <li>संबद्ध मॉड्यूल के मूल सिद्धांत (पीपीसी, परीक्षण, उत्पाद लागत और व्यावसायिक स्वास्थ्य एवं सुरक्षा) - I</li> <li>मूल डिज़ाइन अवधारणा - I</li> <li>रोजगार कौशल - I (नैतिकता, स्थिरता, अंग्रेजी संचार, वित्तीय साक्षरता, कानूनी जागरूकता, डिजिटल साक्षरता, टीम वर्क)</li> </ul>
मॉड्यूल 2 (फुटवियर डिज़ाइन एण्ड डेवलपमेंट)	<ul style="list-style-type: none"> <li>फुटवियर विनिर्माण तकनीकी – II</li> <li>संबद्ध मॉड्यूल – II (पीपीसी, परीक्षण, उत्पाद लागत और व्यावसायिक स्वास्थ्य और सुरक्षा)</li> <li>डिज़ाइन अवधारणा – II</li> <li>एआई और आईटी का परिचय</li> <li>रोजगार कौशल – II</li> </ul>

## फैशन डिजाइन में डिप्लोमा

शीर्षक	फोकस क्षेत्र
मॉड्यूल 1 (परिधान डिजाइन)	<ul style="list-style-type: none"> <li>डिजाइन की मूल बातें • फैशन चित्रण • वस्त्र अध्ययन • पैटर्न निर्माण</li> <li>परिधान निर्माण • फैशन डिजाइन में कृत्रिम बुद्धिमत्ता</li> </ul>
मॉड्यूल 2 (परिधान निर्माण)	<ul style="list-style-type: none"> <li>फैशन मॉडल ग्राफ़िक्स • सतह अलंकरण</li> <li>वस्त्र विज्ञान • परिधान पैटर्न निर्माण • परिधान निर्माण</li> <li>उद्यमिता • स्थायी फैशन का परिचय</li> </ul>

## रिटेल फैशन मैनेजमेंट में डिप्लोमा

शीर्षक	फोकस क्षेत्र
मॉड्यूल- 1 (रिटेल फैशन स्टोर बिजनेस)	<ul style="list-style-type: none"> <li>व्यवसाय के मूल सिद्धांत • व्यावसायिक संचार और करियर कौशल</li> <li>फैशन चक्र, रंग सिद्धांत और डिजाइन सोच • खुदरा प्रारूप और संचालन</li> <li>विपणन की नींव • लेखांकन की मूल बातें • स्टोर संचालन एलं इन्वेंट्री नियंत्रण</li> </ul>
मॉड्यूल- 2 (रिटेल फैशन डिजिटल व्यवसाय)	<ul style="list-style-type: none"> <li>रिटेल प्रबंधन और मर्चेंडाइजिंग • फैशन जीवनचक्र और निजी लेबल रणनीतियाँ • डिजिटल उपकरण: एक्सेल, वर्ड, पावरपॉइंट, इंटरनेट, एआई • डिजिटल मार्केटिंग: एसईओ, सोशल मीडिया, विज्ञापन, एनालिटिक्स • ब्रांडिंग, सीआरएम एवं मार्केटिंग संचार</li> </ul>

## लेदर गुड्स एण्ड बैग डेवलपमेंट में डिप्लोमा

शीर्षक	फोकस क्षेत्र
मॉड्यूल 1 (चमड़े के सामान विकास)	<ul style="list-style-type: none"> <li>सामग्री • उपकरण • सिलाई • पैटर्न बनाना • चमड़े के सामान (वॉलेट, कार्डधारक, आदि) का निर्माण • लागत और खपत</li> </ul>
मॉड्यूल 2 (लेदर बैग डेवलपमेंट)	<ul style="list-style-type: none"> <li>बैग के लिए सामग्री • काटने और सिलाई की तकनीक • बैग पैटर्न विकास • संरचित और असंरचित बैग निर्माण • लागत निर्धारण</li> </ul>

एफडीडीआई एक सुविचारित, उद्योग-उन्मुख पाठ्यक्रम का पालन करता है जिसे बाजार की बदलती माँगों के अनुरूप नियमित रूप से अद्यतन किया जाता है। यह दृष्टिकोण छात्रों को उन्नत शिक्षण संसाधनों, इंटर्नशिप के माध्यम से व्यावहारिक अनुभव, करियर परामर्श, प्लेसमेंट सहायता और समग्र प्रशिक्षण के माध्यम से एक पेशेवर वातावरण में अपने कौशल एवं महत्वाकांक्षाओं को निखारने में सक्षम बनाता है ताकि वे भविष्य के उद्योग जगत के अग्रणी बन सकें।



एफडीडीआई उत्पाद संवर्धन, डिजाइन एवं तकनीकी के साथ-साथ आवश्यक कौशल विकास एवं प्रशिक्षण में सहायता प्रदान करके फुटवियर, हस्तशिल्प, हथकरघा और चमड़ा उद्योगों के कारीगरों को व्यापक समर्थन देने के लिए प्रतिबद्ध है।

एफडीडीआई ने पिछले 39 प्रभावशाली वर्षों में, डिजाइन, तकनीकी प्रबंधन में अपने शैक्षणिक कार्यक्रमों के माध्यम से फुटवियर, चमड़ा एवं संबद्ध क्षेत्रों में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। इसने वैश्विक मानकों को पूरा करने के लिए कौशल उन्नयन द्वारा उद्योग की क्षमता को मजबूत किया है और उत्पाद विकास, गुणवत्ता आश्वासन, तकनीकी उन्नयन और प्रबंधकीय, पर्यावरणीय और व्यावसायिक पहलुओं को शामिल करते हुए समग्र समाधानों में तकनीकी सहायता प्रदान की है।

जमीनी स्तर पर, विशेष रूप से असंगठित क्षेत्र में, कौशल उन्नयन के लिए, एफडीडीआई ने चमड़ा और फुटवियर उद्योग से जुड़े दूरदराज के गांवों और एसएमई समूहों में कारीगरों को प्रशिक्षित करने की पहल की है - जिससे इस क्षेत्र में तकनीकी-संचालित संस्कृति का प्रसार और उसे बनाए रखा जा सके।

इन प्रयासों के माध्यम से, एफडीडीआई ने सहारनपुर, जयपुर, अलवर, पटियाला, अबोहर, फाजिल्का, मुक्तसर और मलोट सहित क्षेत्रों के 20,000 से अधिक कारीगरों और एसएमई को सफलतापूर्वक प्रशिक्षित किया है।

## मूल कार्यनिर्वाह क्षेत्र



एफडीडीआई अपने शैक्षणिक कार्यक्रमों के माध्यम से उच्च प्रशिक्षित, विशिष्ट पेशेवरों को तैयार करने के लिए जाना जाता है। संस्थान के पास एक मज़बूत पूर्व छात्र नेटवर्क और मज़बूत उद्योग संबंध हैं, और देश भर की अग्रणी कंपनियाँ इसके साथ सक्रिय रूप से जुड़ी हुई हैं। उनकी भागीदारी कार्यक्रम डिज़ाइन, पाठ्यक्रम उन्नयन, विशेषज्ञ व्याख्यान और अन्य शैक्षणिक सहयोगों तक फैली हुई है।

राष्ट्रीय महत्व के संस्थान (आईएनआई) का दर्जा प्राप्त होने के साथ, एफडीडीआई को उद्योग की आवश्यकताओं के अनुरूप स्नातक, स्नातकोत्तर, डॉक्टरेट और पोस्ट-डॉक्टरेट डिग्री प्रदान करने वाले कार्यक्रमों को डिज़ाइन और संचालित करने की स्वायत्तता प्राप्त हो गई है। यह विकास छात्रों को न केवल उच्च शिक्षा प्राप्त करने में सक्षम बनाता है, बल्कि केंद्र और राज्य सरकार की सेवाओं में अवसरों के लिए भी पात्र बनाता है।

राष्ट्रीय महत्व के संस्थान के रूप में, एफडीडीआई ने चमड़ा, फुटवियर, कम्पोनेन्ट, चमड़े के सामान और परिधानों के क्षेत्र में व्यापक परामर्श एवं क्षमता निर्माण सेवाएं प्रदान करके विश्व स्तर पर एक विशिष्ट स्थान बनाया है।

एफडीडीआई शीर्ष भारतीय निर्यातिकों, बहुराष्ट्रीय रिटेल विक्रेताओं और सरकारी निकायों के साथ साझेदारी करता है और अनुकूलित प्रशिक्षण एवं औद्योगिक परामर्श के माध्यम से उनकी कार्यबल विकास आवश्यकताओं का समर्थन करता है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपना प्रभाव बढ़ाते हुए, एफडीडीआई ने इथियोपिया, दक्षिण अफ्रीका, श्रीलंका, बांग्लादेश, बोत्सवाना, नेपाल और फिलीपींस जैसे देशों में कई सफल परियोजनाओं का नेतृत्व किया है।



एफडीडीआई अपने छात्रों, संकाय और कर्मचारियों को नई क्षमताएं हासिल करने, कौशल बढ़ाने और एक बुद्धिमान मानव संसाधन पूल बनाने के लिए, सम्मेलनों, प्रशिक्षण कार्यक्रमों और अन्य ज्ञान-निर्माण पहलों में भाग लेने के लिए सक्रिय रूप से प्रोत्साहित करता है।

## एफडीडीआई विज़न 2030: भारत के फुटवियर और डिज़ाइन के भविष्य को पुनर्परिभाषित करना आज को सशक्त बनाना, कल को बदलना

एफडीडीआई ने विजन 2030 की दिशा में एक महत्वाकांक्षी यात्रा शुरू की है - एक साहसिक और परिवर्तनकारी रोडमैप जो संस्थान को डिजाइन शिक्षा, नवाचार, स्थिरता एवं क्षेत्रीय नेतृत्व में वैश्विक अग्रणी के रूप में स्थापित करता है।

"आज को सशक्त बनाना, कल को बदलना" के मार्गदर्शक आदर्श वाक्य के तहत, विजन 2030 एक योजना से कहीं बढ़कर है - यह एक आंदोलन है। यह छात्रों, शिक्षकों, पूर्व छात्रों, उद्योग जगत के नेताओं और नीति निर्माताओं को एक एकीकृत मिशन के तहत एक साथ लाता है: एक ऐसा संस्थान बनाना जो न केवल कुशल पेशेवरों को, बल्कि बदलाव के अग्रदूतों को भी आकार दे।

एफडीडीआई का विजन 2030 भविष्य की ओर एक साहसिक कदम है - एक ऐसा भविष्य जहां संस्थान न केवल फुटवियर डिजाइन एवं विकास में अग्रणी शक्ति बनेगा, बल्कि वैश्विक डिजाइन अर्थव्यवस्था के लिए नवाचार, उद्यमशीलता और सामाजिक प्रभाव का प्रतीक भी बनेगा।

दस रणनीतिक प्रमुख क्षेत्रों पर आधारित, विजन 2030 छात्रों, उद्योग, सरकार तथा समाज की उभरती आकांक्षाओं को दर्शाता है। ये केंद्रित क्षेत्र आपस में जुड़े हुए हैं और आने वाले दशक के लिए एक समग्र परिवर्तन का खाका तैयार करते हैं।



### \* अकादमिक नेतृत्व और नवाचार

एफडीडीआई ने विजन 2030 की दिशा में एक महत्वाकांक्षी यात्रा शुरू की है - एक साहसिक और परिवर्तनकारी रोडमैप जो संस्थान को डिजाइन शिक्षा, नवाचार, स्थिरता एवं क्षेत्रीय नेतृत्व में वैश्विक अग्रणी के रूप में स्थापित करता है।

### \* इनक्यूबेशन और स्टार्टअप

रोज़गार सृजनकर्ताओं को प्रोत्साहित करने के लिए एफडीडीआई स्टार्टअप हब, फुटवियर इनोवेशन लैब और पूर्व छात्र उद्यमिता पाइपलाइन का निर्माण। लक्ष्य: 2030 तक 50 से ज्यादा सफल स्टार्टअप तैयार करना।

### \* अंतर्राष्ट्रीयकरण

विनिमय कार्यक्रमों, संयुक्त डिग्री, विदेशी प्रवेश और अंतर्राष्ट्रीय सहयोग के माध्यम से छात्रों और संकाय के लिए वैश्विक मार्ग प्रस्तुत करना।

### \* अनुसंधान, परीक्षण और प्रौद्योगिकी

अत्याधुनिक अनुसंधान, नवाचारों और प्रमाणपत्रों का समर्थन करने के लिए उल्कृष्टता नेटवर्क, परीक्षण सुविधाओं और आईपीआर रणनीति के केंद्र को मजबूत करना।

### \* स्थिरता एवं सामाजिक प्रभाव

एफडीडीआई ग्रीन लेबल, बायोडिग्रेडेबल डिजाइन, कम प्रभाव वाले उत्पादन और समुदाय से जुड़ी हरित प्रथाओं के माध्यम से स्थिरता को शामिल करना।

### \* शिल्प और क्षेत्रीय विकास

डिजाइन शिक्षा, क्लस्टर एकीकरण और क्षेत्रीय पहचान बढ़ाने के लिए आधुनिक तकनीकों के माध्यम से भारतीय शिल्प विरासत को पुनर्जीवित करना।

### \* वित्तीय स्वतंत्रता

आत्मनिर्भरता प्राप्त करने के लिए परामर्श, परीक्षण, आईपी व्यावसायीकरण, बंदोबस्ती और सतत शिक्षा के माध्यम से आय में विविधता लाना।

### \* शासन एवं व्यावसायीकरण

पारदर्शी, कुशल और उत्तरदायी प्रशासन के लिए सीएफए, रजिस्ट्रार, डीन और ईआरपी समर्थित प्रणालियों के साथ सुधारों को लागू करना।

### \* ब्रांडिंग और आकांक्षात्मक मूल्य

विचार नेतृत्व, आयोजनों और गतिशील डिजिटल ब्रांडिंग के माध्यम से एफडीडीआई को भारतीय फुटवियर क्षेत्र के केंद्र के रूप में स्थापित करना।

### \* उन्नत छात्र अनुभव

फैब्रिलस फ्राइडेज़, ब्रिज प्रोग्राम्स, स्मार्ट क्लासरूम्स और वैश्विक प्रदर्शन के माध्यम से छात्रों को गहन, व्यक्तिगत और भविष्य के लिए तैयार यात्रा प्रदान करना।

## महत्वाकांक्षाओं को मापने योग्य बनाना

विज्ञन 2030 सिर्फ़ आकांक्षापूर्ण नहीं है—यह कार्यान्वयन योग्य भी है। हमारे कुछ साहसिक लक्ष्य इस प्रकार हैं:

- सभी परिसरों में 12,000 छात्र
- एफडीडीआई स्टार्टअप हब के माध्यम से 100 से अधिक स्टार्टअप्स को इनक्यूबेट
- शैक्षणिक एवं व्यवस्थापक कार्यों का 100% डिजिटलीकरण
- 50% गैर-शुल्क स्रोतों से प्राप्त राजस्व से

## मूलभूत सहयोग

एफडीडीआई विज्ञन 2030 उद्योग जगत के दिग्जों, कारीगरों, उद्यमियों, पूर्व छात्रों, वैश्विक संस्थानों एवं सरकार के साथ साझेदारी पर आधारित है। एफडीडीआई ग्रीन लेबल की शुरुआत से लेकर राष्ट्रीय फुटवियर दिवस और क्षेत्रीय पुरस्कारों के प्रस्ताव तक, एफडीडीआई भारतीय और वैश्विक फुटवियर पारिस्थितिकी तंत्र का केंद्र बनना चाहता है।

## अभिप्राय के साथ कार्यान्वयन

एक बहु-स्तरीय कार्यान्वयन तंत्र—जिसमें विज्ञन स्टीयरिंग कमेटी, परियोजना निगरानी इकाई और स्तंभ-वार कार्यबल शामिल हैं—जवाबदेही, चपलता और समावेशिता सुनिश्चित करता है। रीयल-टाइम डैशबोर्ड, त्रैमासिक समीक्षाएं एवं वार्षिक ऑडिट प्रगति की निगरानी और उसे गति प्रदान करेंगे।

आज भविष्य का निर्माण हो रहा है। विज्ञन 2030 हमारा सामूहिक वादा है - हमारे छात्रों से, उद्योग से और राष्ट्र से।

आइए इस पथ पर मिलकर चलें — कदम दर कदम

विवेक शर्मा, आईआरएस  
एमडी एफडीडीआई

## एफडीडीआई परिसरों के बारे में

सभी एफडीडीआई परिसर सुव्यवस्थित और उद्योग-उन्मुख पाठ्यक्रमों पर आधारित व्यावसायिक कार्यक्रम संचालित करते हैं, जिनमें सैद्धांतिक ज्ञान और व्यावहारिक अनुभव का संतुलित समावेश होता है। शिक्षण प्रक्रिया विश्वस्तरीय मशीनरी, उपकरणों और प्रशिक्षण संसाधनों द्वारा समर्थित है, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि छात्र वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी और उद्योग के लिए पूर्णतः तैयार हों।

## एफडीडीआई, नोएडा परिसर

समकालीन भारत के भाग्य को आकार देने में सक्षम प्रशिक्षित पेशेवरों की बढ़ती मांग को देखते हुए, तथा फुटवियर में वैश्विक विकास और उभरते विपणन क्षेत्र के साथ राष्ट्र के हितों को संरेखित करने के लिए, इस परिसर की स्थापना 1996 में की गई थी।



9 एकड़ में फैले इस परिसर की पहचान इसकी प्रतिष्ठित सफेद गुंबदनुमा संरचना है जो चारों ओर हरियाली से घिरी है। शक्तिशाली प्रकाश किरणों और गहरी परछाइयों का परस्पर प्रभाव एक नाटकीय लेकिन शांत वातावरण का निर्माण करता है, जो छात्रों की पीढ़ियों को उत्कृष्टता के लिए प्रयास करने के लिए प्रेरित करता है।

व्यावहारिक शिक्षा के लिए, एफडीडीआई में अत्याधुनिक मशीनरी एवं उपकरणों से सुसज्जित, कटिंग, क्लोजिंग, कंपोनेट निर्माण, लास्टिंग और फिनिशिंग कार्यों के लिए एक पूरी तरह सुसज्जित कार्यशाला है। परिसर में एक उत्पाद विकास केंद्र (पीडीसी), सुसज्जित पुस्तकालय, आधुनिक कक्षाएँ, एक सूचना प्रौद्योगिकी सेवा केंद्र (आईटीएससी) और एक अंतर्राष्ट्रीय परीक्षण केंद्र (आईटीसी) भी हैं, जो शैक्षणिक और व्यावसायिक विकास के लिए एक समग्र वातावरण प्रदान करते हैं।

## एफडीडीआई, चेन्नई परिसर

यह परिसर इरुंगटुकोट्टुई में, सीपकोट फुटवियर एवं कंपोनेंट पार्क के पास, चेन्नई से केवल 40 मिनट की ड्राइव पर स्थित है। 15 एकड़ में फैला यह परिसर, कांचीपुरम, तिरुवल्लूर और श्रीपेरंबदूर जैसे ऐतिहासिक शहरों से घिरा हुआ, एक मनोरम झील के दृश्य के साथ एक शांत और निर्मल वातावरण प्रदान करता है।



यह परिसर 4 लाख वर्ग फुट से अधिक निर्मित क्षेत्रफल वाले इस परिसर में प्रशासनिक खंड, कार्यशाला भवन, रिटेल खंड, संसाधन केंद्र, बालकों और बालिकाओं के छात्रावास, और कर्मचारी आवास शामिल हैं। इसका उल्कृष्ट बुनियादी ढाँचा और आधुनिक सुविधाएँ विविध शैक्षणिक कार्यक्रमों के संचालन में सहायक हैं। परिसर में एक उच्च तकनीक वाली कंप्यूटर लैब, एक अत्याधुनिक डिज़ाइन स्टूडियो, केंद्रीय रूप से वातानुकूलित कक्षाएँ और व्याख्यान कक्ष, उन्नत मल्टीमीडिया और दृश्य-श्रव्य शिक्षण सहायक सामग्री, और एक पूरी तरह सुसज्जित सभागार भी है - जो छात्रों के लिए एक विश्वस्तरीय शिक्षण वातावरण प्रदान करता है।

## एफडीडीआई, जोधपुर परिसर

एफडीडीआई जोधपुर परिसर रणनीतिक रूप से स्थित है, जिसके दो तरफ कृषि विश्वविद्यालय और अंबेडकर स्कूल हैं, जिसके सामने राष्ट्रीय राजमार्ग 65 है, जो जोधपुर को नागौर और बीकानेर से जोड़ता है। 15 एकड़ भूमि में फैला, परिसर एक जीवंत और सुलभ सीखने का माहौल प्रदान करता है।



अत्याधुनिक मशीनरी और विश्वस्तरीय बुनियादी ढांचे से सुसज्जित इस परिसर में स्मार्ट कक्षाएं, आधुनिक मशीनों और उपकरणों से सुसज्जित उन्नत कार्यशालाएं, एक उच्च तकनीक वाली आईटी प्रयोगशाला, एक सुसज्जित पुस्तकालय और लड़कों और लड़कियों के लिए अलग-अलग छात्रावास हैं - जो छात्रों के लिए समग्र शैक्षणिक और आवासीय सुविधाएं सुनिश्चित करते हैं।

## एफडीडीआई, रोहतक परिसर

एफडीडीआई रोहतक परिसर, जो 15 एकड़ में फैला है, उद्योग की डिज़ाइन और फैशन संबंधी ज़रूरतों को पूरा करने पर केंद्रित है। बहादुरगढ़, फरीदाबाद, करनाल और अंबाला में स्थित प्रमुख चमड़ा और फुटवियर क्लस्टरों के साथ, हरियाणा में विकास की अपार संभावनाएँ हैं और यह संस्थान इस विकास में उत्प्रेरक के रूप में योगदान दे रहा है।

यह परिसर डिज़ाइन, फैशन एवं रुझान पूर्वानुमान, प्रौद्योगिकी और प्रबंधन के क्षेत्रों में उद्योग को महत्वपूर्ण सहायता प्रदान करता है। इन हस्तक्षेपों का उद्देश्य डिज़ाइन, लागत, गुणवत्ता और समय-सीमा के संदर्भ में भारतीय उद्योगों की वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ाना है।



### एफडीडीआई, कोलकाता परिसर

भारत में चमड़ा उद्योग के समग्र विकास को समर्थन देने के लिए प्रशिक्षित पेशेवरों एवं तकनीकी सेवाओं की बढ़ती मांग को देखते हुए, कोलकाता के कलकत्ता लेदर कॉम्प्लेक्स में एफडीडीआई का एक केंद्र स्थापित किया गया है।



कोलकाता अपनी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के लिए प्रसिद्ध कोलकाता, लंबे समय से फैशन और जीवनशैली का केंद्र रहा है—जिसमें कांथा सिलाई जैसे पारंपरिक शिल्पों का चमड़े के डिज़ाइन और निर्यात के साथ मेल है। भारत के चमड़े के सामान और सहायक उपकरण क्षेत्र के केंद्र में स्थित, एफडीडीआई कोलकाता परिसर, चमड़े के सामान और सहायक उपकरणों के डिज़ाइन पर गहन ध्यान केंद्रित करके, फुटवियर डिज़ाइन, खुदरा और व्यापारिक कार्यक्रमों के साथ, इस पारिस्थितिकी तंत्र को मज़बूत करने के लिए समर्पित है।

परिसर 15 एकड़ में फैला यह परिसर उद्योग की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए कुशल जनशक्ति तैयार करने तथा इसके विकास में योगदान देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

### एफडीडीआई, फुरसतगंज परिसर

एफडीडीआई-फुरसतगंज परिसर इंदिरा गांधी उड़ान अकादमी, फुरसतगंज, अमेठी, उत्तर प्रदेश के बगल में 9.4 एकड़ भूमि के क्षेत्र में, लखनऊ से 80 मिनट की ड्राइव पर स्थित है।



अत्याधुनिक एफडीडीआई परिसर अंतर्राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप प्रशिक्षण प्रदान करता है और फुटवियर और चमड़े के सामान के उत्पाद डिजाइन, खुदरा प्रबंधन और फैशन मर्चेंडाइजिंग में उद्योग को उन्नत सहायता सेवाएं प्रदान करता है।

यह परिसर कानपुर और उन्नाव के चमड़ा उत्पादों और फुटवियर क्लस्टरों के निकट रणनीतिक रूप से स्थित, इस परिसर को मज़बूत औद्योगिक संबंधों का लाभ मिलता है। लखनऊ-कानपुर क्षेत्र में खुदरा क्षेत्र के तेज़ी से विस्तार के साथ, यह संस्थान गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और वैश्विक करियर के अवसरों की तलाश में इच्छुक युवाओं के लिए एक पसंदीदा गंतव्य के रूप में उभरा है।

## एफडीडीआई, छिंदवाड़ा परिसर

छिंदवाड़ा स्थित एफडीडीआई परिसर मध्य प्रदेश में छिंदवाड़ा-नागपुर रोड पर इमलीखेड़ा में 20 एकड़ भूमि पर फैला हुआ है।



संस्थान अपने स्वयं के उद्यमों को स्थापित करने में इच्छुक उद्यमियों का समर्थन करने और प्रशिक्षित जनशक्ति, तकनीकी विशेषज्ञता और पेशेवर मार्गदर्शन के माध्यम से अपने व्यवसायों का विस्तार करने में संगठनों की सहायता करने के लिए अच्छी तरह से सुसज्जित है।

## एफडीडीआई, गुना परिसर

गुना में एफडीडीआई परिसर ग्राम महाराजपुरा पंचायत, हरिपुर, ग्राम पुरापोसर रोड, जिला गुना, मध्य प्रदेश में 20 एकड़ भूमि पर निर्मित है।



उद्योग में कुशल जनशक्ति की तीव्र कमी को संबोधित करने के उद्देश्य से कल्पना की गई, परिसर इस क्षेत्र की बढ़ती मांगों को पूरा करने के लिए प्रशिक्षण प्रबंधकों, डिजाइनरों, पर्यवेक्षकों और खुदरा पेशेवरों को समर्पित है।

## एफडीडीआई, पटना परिसर

पटना स्थित एफडीडीआई परिसर प्लॉट संख्या बी-6 (पी), मेगा औद्योगिक पार्क, बिहार में 10 एकड़ भूमि पर फैला हुआ है, जो भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, पटना के निकट है, तथा शहर से केवल 30 मिनट की ड्राइव पर है।



परिसर में फुटवियर प्रौद्योगिकी और प्रबंधन, चमड़े के सामान और सहायक उपकरण डिजाइन, विनिर्माण और खुदरा प्रबंधन में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के लिए समर्पित अत्याधुनिक केंद्र हैं - इन क्षेत्रों में प्रशिक्षित पेशेवरों की बढ़ती आवश्यकता में योगदान करते हैं।

## एफडीडीआई, अंकलेश्वर परिसर

अंकलेश्वर में एफडीडीआई परिसर गुजरात के भरुच जिले में एनएच-8 मुंबई-अहमदाबाद राजमार्ग के निकट, ईएसआईसी अस्पताल, जीआईडीसी, अंकलेश्वर औद्योगिक एस्टेट के पास प्लॉट संख्या एच-3301 पर स्थित है।



10 एकड़ में फैले इस परिसर में फुटवियर तकनीक और प्रबंधन, चमड़े के सामान एवं सहायक उपकरण डिज़ाइन, विनिर्माण और खुदरा प्रबंधन के अत्याधुनिक केंद्र हैं। विनिर्माण तकनीक के प्रत्येक क्षेत्र के लिए स्मार्ट कक्षाओं और समर्पित कार्यशालाओं से सुसज्जित, यह परिसर इंटरैक्टिव और अभ्यास-उन्मुख प्रशिक्षण पर ज़ोर देता है, जिससे उद्योग के लिए तैयार पेशेवरों को बढ़ावा मिलता है।

### **एफडीडीआई, हैदराबाद परिसर**

हैदराबाद में एफडीडीआई परिसर बीदर-हैदराबाद रोड पर एचएस दरगाह, गाचीबोवली में तेलंगाना राज्य चमड़ा उद्योग संवर्धन निगम (टीएसएलआईपीसी) नीलेक्स परिसर के भीतर 14 एकड़ में फैला हुआ है।



यह परिसर शहर के मध्य में रणनीतिक रूप से स्थित यह परिसर अग्रणी आईटी केन्द्रों, प्रमुख शैक्षणिक संस्थानों जैसे इंडियन स्कूल ऑफ बिजनेस (आईएसबी) और हैदराबाद सेंट्रल यूनिवर्सिटी (एचसीयू), गाचीबोवली स्टेडियम और फिल्म नगर, बंजारा हिल्स और जुबली हिल्स जैसे प्रमुख आवासीय क्षेत्रों से घिरा हुआ है।

यह परिसर पूर्ण विकसित, अत्याधुनिक प्रशिक्षण अवसंरचना और सहायता सुविधाओं से सुसज्जित है, जो फुटवियर और संबद्ध उत्पाद उद्योगों के विकास और संवर्धन के लिए शिक्षा एवं सेवाओं के अंतर्राष्ट्रीय मानकों को सुनिश्चित करता है।

### **एफडीडीआई, बनूर (चंडीगढ़) परिसर**

बनूर स्थित एफडीडीआई परिसर, पंजाब के मोहाली (चंडीगढ़) के एस.ए.एस. नगर ज़िले में राष्ट्रीय राजमार्ग 07, चंडीगढ़-पटियाला राजमार्ग पर स्थित है। 7.2 एकड़ में फैला यह परिसर, चंडीगढ़-मोहाली संस्थागत क्षेत्र के मध्य में स्थित है और आधुनिक बुनियादी ढाँचे और अत्याधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित है।



परिसर में पर्याप्त वातानुकूलित कक्षाएं, उन्नत मशीनरी के साथ तकनीकी कार्यशालाएं, सम्मेलन और सेमिनार हॉल, एक सभागार, एक सूचना प्रौद्योगिकी सेवा केंद्र (आईटीएससी), एक डिजाइन स्टूडियो, एक सीएडी-सीएएम प्रयोगशाला और एक डिजिटल ई-लाइब्रेरी हैं - जो शैक्षणिक और व्यावसायिक प्रशिक्षण के लिए एक व्यापक वातावरण प्रदान करता है।

## संकाय

एफडीडीआई के संकाय में उच्च योग्यता प्राप्त विषय-वस्तु विशेषज्ञ शामिल हैं, जिन्हें फुटवियर, फैशन डिजाइन, प्रौद्योगिकी, प्रबंधन और खुदरा क्षेत्र में व्यापक विशेषज्ञता प्राप्त है, और इनमें से कई ने भारत और विदेश के अग्रणी संस्थानों से उन्नत प्रशिक्षण प्राप्त किया है। समृद्ध शैक्षणिक साख और उद्योग जगत के गहन अनुभव के साथ, वे कक्षा में बहुमूल्य जानकारी प्रदान करते हैं।



शिक्षण के अलावा, संकाय सदस्यों ने भारत भर के उद्योगों के साथ-साथ भारतीय उपमहाद्वीप और दक्षिण-पूर्व एशिया में परामर्श कार्य किया है, उत्पादकता बढ़ाने, उत्पाद विकास को चलाने और तकनीकी और परिचालन चुनौतियों का समाधान करने में फुटवियर क्षेत्र की सहायता की है।

एफडीडीआई प्रतिष्ठित विजिटिंग फैकल्टी के ज्ञान का भी लाभ उठाता है, जिसमें फैशन डिज़ाइन, फुटवियर डिज़ाइन एण्ड प्रोडक्शन मैनेजमेंट, विजुअल मर्चेंडाइजिंग और रिटेल के क्षेत्रों के शीर्ष पेशेवर शामिल हैं। संस्थान एक इंटरैक्टिव शिक्षण पद्धति पर ज़ोर देता है, जिससे छात्रों को शैक्षणिक ज्ञान, व्यावहारिक विशेषज्ञता और वास्तविक दुनिया के उद्योग वृष्टिकोणों के गतिशील मिश्रण का लाभ मिलता है।

## शिक्षण कक्ष

एफडीडीआई परिसरों की कक्षाएँ न केवल शिक्षण के लिए एक अनुकूल वातावरण प्रदान करने के लिए डिज़ाइन की गई हैं, बल्कि छात्रों में सहज जिज्ञासा एवं ज्ञान की खोज को पोषित और प्रेरित करने के लिए भी डिज़ाइन की गई हैं। आधुनिक शिक्षण सहायक सामग्री, आरामदायक बैठने की व्यवस्था एवं तकनीक-सक्षम शिक्षण उपकरणों से सुसज्जित, ये कक्षाएँ एक ऐसा वातावरण बनाती हैं जो संवादात्मक शिक्षण, आलोचनात्मक चिंतन और रचनात्मकता को बढ़ावा देता है। यहाँ ऐसे वातावरण बनाने पर ध्यान केंद्रित किया जाता है जो संवाद, नवाचार और समग्र विकास को प्रोत्साहित करें, जिससे यह सुनिश्चित हो सके कि छात्रों को उनके व्यावसायिक विकास के लिए आवश्यक शैक्षणिक ज्ञान और व्यावहारिक जानकारी दोनों प्राप्त हों।



## अंतर्राष्ट्रीय परीक्षण केंद्र (आईटीसी)

एफडीडीआई नोएडा (उत्तर भारत) और चेन्नई (दक्षिण भारत) में स्थित दो अंतर्राष्ट्रीय परीक्षण केंद्रों (आईटीसी) का संचालन करता है। दोनों केंद्रों को एसएटीआरए, यूनाइटेड किंगडम (यूके) द्वारा मान्यता प्राप्त है, और नोएडा स्थित सुविधा को एनएबीएल द्वारा आईएसओ 17025: 2017 के लिए मान्यता प्राप्त है और यह क्यूसीओ (गुणवत्ता नियंत्रण आदेश) सहित फुटवियर के अधिकांश बीआईएस विनिर्देशों के लिए बीआईएस द्वारा अनुमोदित प्रयोगशाला है।

ये केंद्र चमड़ा, फुटवियर (सुरक्षा, फैशन और खेल), कंपोनेन्ट, वस्त्र और प्लास्टिक के परीक्षण में विशेषज्ञ हैं, तथा उद्योग को विश्वसनीय, समय पर और विश्व स्तरीय गुणवत्ता आश्वासन सेवाएं प्रदान करते हैं।



इन केन्द्रों को भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस), डीजीएक्यूए और राइट्स द्वारा भी अनुमोदित किया गया है।

अत्याधुनिक रासायनिक एवं भौतिक प्रयोगशालाओं से सुसज्जित, ये केंद्र निर्धारित समय सीमा के भीतर एजेडओ, पीसीपी फॉर्मेलिहाइड, स्लिप रेजिस्टेंस, हाइड्रोलिसिस आदि जैसे कई प्रकार के परीक्षण करते हैं। भौतिक प्रयोगशाला की स्थापना यूएनडीपी की सहायता से स्विट्जरलैंड की बल्ली के सहयोग से की गई थी, जबकि जर्मनी की PFI के तकनीकी सहयोग से विकसित रासायनिक प्रयोगशाला को एशिया की अग्रणी परीक्षण सुविधाओं में से एक माना जाता है।

दोनों प्रयोगशालाओं में उच्च प्रदर्शन तरल क्रोमैटोग्राफी (एचपीएलसी), यूवी-विजिबल स्पेक्ट्रोमीटर, मास स्पेक्ट्रोमीटर (जीसी-एमएस) के साथ गैस क्रोमैटोग्राफी, मास स्पेक्ट्रोमीटर (आईसीपी-एमएस) के साथ इंडक्टिवली कपल्ड प्लाज्मा, ईसीडी के साथ गैस क्रोमैटोग्राफी, और उन्नत नमूना प्रसंस्करण उपकरण सहित परिष्कृत उपकरण



हैं। परीक्षण अंतरराष्ट्रीय और ग्राहक-विशिष्ट मानकों के अनुरूप सख्ती से किए जाते हैं, सटीकता, विश्वसनीयता और प्रामाणिकता सुनिश्चित करते हैं।



इन सुविधाओं के माध्यम से, एफडीडीआई वैश्विक एवं भारतीय ब्रांडों जैसे रीबॉक, नाइके, एडिडास, प्यूमा, फिला, बाटा, लिबर्टी, रेड चीफ, खादिम, पैरागॉन, सुपरहाउस, स्केचर्स और कई अन्य को परीक्षण सेवाएं प्रदान करता है। इसके अलावा, यह भारतीय सेना, वायु सेना, नौसेना, तटरक्षक बल, अर्धसैनिक बलों (सीआरपीएफ, बीएसएफ, आईटीबीपी, एसएसबी, सीआईएसएफ) के साथ-साथ एनटीपीसी, ओएनजीसी और आईओसी जैसे पीएसयू के लिए सुरक्षित और विश्वसनीय फुटवियर सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

एफडीडीआई की परीक्षण सेवाएं राष्ट्रीय सीमाओं से परे फैली हुई हैं, तथा इसके ग्राहक सऊदी अरब, बांग्लादेश, नेपाल, श्रीलंका और संयुक्त अरब अमीरात में हैं, जिससे एक विश्वसनीय अंतरराष्ट्रीय परीक्षण प्राधिकरण के रूप में इसकी स्थिति मजबूत हुई है।

### **सूचना प्रौद्योगिकी सेवा केंद्र (आईटीएससी)**

एफडीडीआई स्थित आईटी सेवा केंद्र (आईटीएससी) सभी परिसरों में डिजिटल परिवर्तन लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। अत्याधुनिक बुनियादी ढाँचे और एक समर्पित टीम के साथ, आईटीएससी यह सुनिश्चित करता है कि संस्थान के शैक्षणिक, प्रशासनिक एवं अनुसंधान कार्य आज के तकनीक-संचालित परिवेश में निर्बाध रूप से चलते रहें।

केंद्रीकृत संचार सेवाएँ - एफडीडीआई अपनी सभी शाखाओं के सभी संकाय सदस्यों और कर्मचारियों को एनआईसी-होस्टेड ईमेल सेवाएँ प्रदान करता है, जिससे सुरक्षित एवं एकीकृत संचार संभव होता है।

यह केंद्रीकृत प्लेटफॉर्म संस्थान के भीतर दक्षता, जवाबदेही और विश्वसनीय सूचना आदान-प्रदान को बढ़ावा देता है।

ई-गवर्नेंस पहल - कागज रहित और डिजिटल रूप से सशक्त कार्यालय वातावरण की खोज में, एफडीडीआई ने सफलतापूर्वक कार्यान्वित किया है:

ई-ऑफिस - सुव्यवस्थित कार्यप्रवाह एवं अनुमोदन हेतु।

कैम्पस ईआरपी (शैक्षणिक प्रबंधन प्रणाली) - बेहतर निर्णय लेने और संसाधन नियोजन के लिए वास्तविक समय डेटा तक पहुंच सुनिश्चित करना।

इन पहलों से सभी कार्यों में पारदर्शिता, जवाबदेही और दक्षता मजबूत हुई है।

मजबूत कनेक्टिविटी अवसंरचना - अपने डिजिटल पारिस्थितिकी तंत्र का समर्थन करने के लिए, प्रत्येक परिसर निम्नलिखित से सुसज्जित है:

- निर्बाध इंटरनेट अभिगम के लिए उच्च उपलब्धता (एचए) मोड में दोहरे समर्पित लीज्ड लाइन कनेक्शन (100 एमबीपीएस और 50 एमबीपीएस) प्रचालित किए जा रहे हैं।
- दूरस्थ शिक्षण प्लेटफार्म, डिजिटल कक्षाओं और ऑनलाइन सहयोग उपकरणों का समर्थन करने वाला विश्वसनीय बैंडविड्थ।

इससे यह सुनिश्चित होता है कि छात्रों एवं कर्मचारियों को हर समय शैक्षणिक और प्रशासनिक संसाधनों तक निर्बाध पहुंच प्राप्त हो।

डिजिटल कक्षाएँ और दूरस्थ शिक्षा - सभी एफडीडीआई परिसरों में वास्तविक समय, दो-तरफा कॉन्फ्रेंसिंग प्रणालियों वाले डिजिटल कक्षाएँ उपलब्ध हैं। यह नवाचार निम्नलिखित की अनुमति देता है:



- लाइव व्याख्यान के लिए दूरस्थ पहुंच।
- परिसरों के बीच आभासी सहयोग।
- इंटरैक्टिव डिजिटल उपकरणों के माध्यम से शिक्षण-अधिगम अनुभव में वृद्धि।

कैंपस-व्यापी आईटी लैब और वाई-फाई - प्रत्येक एफडीडीआई कैंपस में 50 से ज्यादा कंप्यूटर नोड्स वाली एक समर्पित आईटी प्रयोगशाला है, जो शैक्षणिक और शोध गतिविधियों को सहयोग देने के लिए नवीनतम हार्डवेयर और लाइसेंस प्राप्त सॉफ्टवेयर से सुसज्जित है। कैंपस-व्यापी वाई-फाई की सुविधा सुनिश्चित करती है कि छात्र और कर्मचारी हर समय जुड़े रहें, जिससे एक गतिशील और इंटरैक्टिव शिक्षण वातावरण बनता है।

इन पहलों के माध्यम से, आईटीएससी तकनीकी उल्कृष्टता के प्रति एफडीडीआई की प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है, तथा भविष्य के लिए तैयार, डिजिटल रूप से सक्षम परिसर पारिस्थितिकी तंत्र सुनिश्चित करता है जो सीखने और प्रशासन दोनों को बढ़ाता है।

### कार्यशालाएं

छात्रों को व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए, एफडीडीआई परिसरों में पर्याप्त संख्या में उन्नत मशीनों और उपकरणों से युक्त आधुनिक कार्यशालाएं उपलब्ध हैं।



कटिंग, क्लोजिंग, कंपोनेंट, लास्टिंग और फिनिशिंग वर्कशॉप में अत्याधुनिक मशीनें उपलब्ध हैं।



एफडीडीआई में अंतर्राष्ट्रीय डिजाइन स्टूडियो सबसे आधुनिक एवं परिष्कृत मशीनरी और सीएडी/सीएएम से सुसज्जित है, जो उत्पाद विकसित करने और अवधारणा, रचनात्मकता को एक आभासी उत्पाद में परिवर्तित करने और आगे प्रोटोटाइप और अंतिम उत्पाद में परिवर्तित करने के लिए उद्योग के लिए विश्व स्तरीय डिजाइनरों को विकसित करता है।

### पुस्तकालय

सभी एफडीडीआई परिसर पूरी तरह से सुसज्जित, वातानुकूलित पुस्तकालयों से सुसज्जित हैं जो छात्रों को एक शांत और केंद्रित वातावरण प्रदान करते हैं। ये पुस्तकालय फैशन, डिज़ाइन, प्रौद्योगिकी, रिटेल एवं प्रबंधन के क्षेत्रों के लिए संसाधनों और सूचनाओं का एक व्यापक और विशिष्ट संग्रह प्रदान करते हैं, जिससे शैक्षणिक शिक्षा और अनुसंधान दोनों को बढ़ावा मिलता है।



## कैंपस लाइफ

समग्र विकास को बढ़ावा देने के एफडीडीआई के अधिदेश के अनुरूप, आधुनिक बुनियादी ढांचे और प्राकृतिक वातावरण के बीच संतुलन बनाने के लिए परिसरों को भली-भाँति विकसित किया गया है।

जिस उत्साह के साथ त्योहार और सामाजिक कार्यक्रम मनाए जाते हैं, वह एफडीडीआई समुदाय के भीतर जुड़ाव की



मजबूत भावना को दर्शाता है। संस्थान द्वारा आयोजित फैशन शो इसके सबसे लोकप्रिय और प्रशंसित कार्यक्रमों में से हैं।



एफडीडीआई के सभी परिसरों में खेलकूद और सांस्कृतिक गतिविधियाँ छात्र जीवन का अभिन्न अंग हैं। ये गतिविधियाँ न केवल मनोरंजन प्रदान करती हैं, बल्कि टीम वर्क, नेतृत्व, रचनात्मकता और अनुशासन को भी बढ़ावा देती हैं। सक्रिय भागीदारी को प्रोत्साहित करके, संस्थान अपने छात्रों के समग्र विकास और सर्वांगीण विकास को सुनिश्चित करता है।

## सभागार

सभी एफडीडीआई परिसर पूरी तरह से वातानुकूलित, विश्वस्तरीय सभागारों से सुसज्जित हैं। इन सभागारों में अत्याधुनिक पेशेवर स्तर की प्रकाश व्यवस्था और ध्वनि प्रणालियाँ, ओवरहेड एलसीडी प्रोजेक्टर, रिकॉर्डिंग सुविधाएँ, विशाल मंच और सौर प्रकाश व्यवस्था है। ये व्याख्यानों, सम्मेलनों, कंपनी बैठकों, शैक्षिक सत्रों, साथ ही सांस्कृतिक और मनोरंजक गतिविधियों के लिए बहुमुखी स्थल के रूप में कार्य करते हैं।



### छात्रावास

एफडीडीआई लड़कों और लड़कियों के लिए अलग-अलग आवासों के साथ विशाल, स्वच्छ और सुरक्षित छात्रावास सुविधाएँ प्रदान करता है। छात्रावास हवादार हैं और पंखे, प्रकाश व्यवस्था और आवश्यक फर्नीचर सहित आवश्यक सुविधाओं से सुसज्जित हैं, जिससे आरामदायक आवास सुनिश्चित होता है और शैक्षणिक एकाग्रता में वृद्धि होती है।



## परिसर में मेस और कैफेटेरिया

छात्रों की विविध रुचियों को ध्यान में रखते हुए, सभी एफडीडीआई परिसरों में परिसर में ही मेस की सुविधा उपलब्ध है जहाँ उचित दरों पर स्वस्य और स्वच्छ भोजन उपलब्ध कराया जाता है। छात्रों के लिए सुरक्षित और स्वच्छ पेयजल की आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए भी पर्याप्त व्यवस्था की गई है।



## एम्फीथिएटर

एफडीडीआई अपनी अभिनव खुली हवा में बैठने की व्यवस्था के साथ, यह एम्फीथिएटर छात्रों को अपनी कलात्मक और रचनात्मक प्रतिभा दिखाने के लिए एक जीवंत मंच प्रदान करता है। यह सांस्कृतिक प्रस्तुतियों, मनोरंजक कार्यक्रमों और इंटरैक्टिव कार्यक्रमों के लिए एक लोकप्रिय स्थल के रूप में कार्य करता है, जिससे परिसर का जीवन समृद्ध होता है।



इस प्रक्रिया में, उन्हें अपनी सार्वजनिक बोलने की क्षमता में सुधार करने, संचार कौशल को बढ़ाने और अपने समग्र व्यक्तित्व को विकसित करने का अवसर मिलता है।

## उद्योग सहयोगी

एडिडास, अप्रैल सोसिंग बाइंग हाउस, अब्राहम एंड ठाकोर, एक्शन, अपैरल ग्रुप- दुर्बर्द्ध, एवीटी, बाटा इंडिया लिमिटेड, कार्लटन लंदन, क्लार्क्स, दा-मिलानो, फरीदा ग्रुप, प्यूचर ग्रुप, गौरव गुप्ता, जेनेसिस लकड़ी, ग्लोबस, एच एंड एम, हाई-डिज़ाइन, इंडिटेक्स, आइकोनिक, इम्पल्स, इम्पैक्टिवा, खादिम्स, लैंडमार्क, लिबर्टी, लाइफस्टाइल, ली एंड फंग, एम एंड बी, मदुरा गारमेंट्स, मार्क्स एंड स्पेंसर्स, मैक्स लाइफस्टाइल, मिर्जा इंटरनेशनल, प्यूमा, राजेश प्रताप, रईसन्स, रीबॉक, रिलैक्सो, रिलायंस ब्रांड्स लिमिटेड, रिलायंस रिटेल लिमिटेड, सब्यसाची, समर्थ लाइफस्टाइल, सरोज इंटरनेशनल, स्केचर्स, एसएसआईपीएल, स्नैपडील, स्ट्रॉट्स, सुपरहाउस, टैंगरीन डिज़ाइन्स आदि उद्योग सहयोगी हैं।





# उत्कृष्टता केंद्र (सीओई)

एडिटिव मैन्युफैक्चरिंग, डिज़ाइन एवं डेटा विश्लेषण में एआई अनुप्रयोग, नवीनतम सॉफ्टवेयर और संवर्धित वास्तविकता अनुप्रयोग, डिजिटल उद्यम जैसी अत्याधुनिक तकनीकों की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए, एफडीडीआई ने अपने सात मौजूदा परिसरों को 'उत्कृष्टता केंद्र' (सीओई) में उन्नत करके उद्योग 4.0 अनुप्रयोग की प्रक्रिया शुरू की है। ये सीओई सर्वोत्तम उपलब्ध बुनियादी ढाँचे एवं कौशल से युक्त हैं जो न केवल अनुसंधान और विकास में सहायता करते हैं, बल्कि उत्पाद विकास, तकनीकी सहायता और इनक्यूबेशन एवं उद्यमिता विकास केंद्रों जैसी उद्योग संबंधी चिंताओं का समाधान भी करते हैं। ये सीओई निम्नलिखित विषयगत क्षेत्रों में संचालित किए गए हैं:

शीर्षक	'विषयगत क्षेत्र' पर उत्कृष्टता केंद्रों की स्थापना	एफडीडीआई परिसर
1.	डिज़ाइन, विकास और फैब्रिक इंटरफ़ेस के लिए केंद्र	चेन्नई
2.	चमड़ा उत्पादों और सहायक उपकरणों के लिए डिज़ाइन, विकास और फैब्रिक इंटरफ़ेस- विस्तारित	हैदराबाद
3.	चमड़ा परिष्करण नवाचार एवं उत्पाद खुदरा बिक्री के लिए केंद्र	पटना
4.	चमड़े के सामान, परिधन एवं सहायक उपकरण के लिए केंद्र	कोलकाता
5.	उच्च प्रदर्शन/ विशिष्ट फुटवियर एवं उत्पाद और स्टार्ट अप	जोधपुर
6.	अनुसंधान एवं विकास, पाठ्यक्रम विकास और चमड़ा फैशन फुटवियर एवं उत्पाद नवाचार के लिए केंद्र	नोएडा
7.	गैर-चमड़े के फुटवियर, उत्पाद और सहायक उपकरण के लिए केंद्र	रोहतक

ये उत्कृष्टता केंद्र छात्रों, उद्योग, शिक्षाविदों, डिजाइनरों, शोधकर्ताओं एवं शैक्षिक संस्थानों के लिए एक अद्वितीय गतिशील केंद्र के रूप में कार्य करते हैं, जो फुटवियर, फैशन, चमड़े के उत्पादों और रिटेल एवं फैशन माल से संबंधित विशेषज्ञता के विशेष विषयगत क्षेत्र को संबोधित करने के लिए विशेष रूप से सुसज्जित सुविधा प्रदान करते हैं।

## चेन्नई में डिज़ाइन, विकास एवं फैब्रिक इंटरफ़ेस केंद्र

वर्ष 2023 में चेन्नई में इस उत्कृष्टता केंद्र की स्थापना रणनीतिक महत्व रखती है, क्योंकि भारत का दक्षिणी क्षेत्र देश के कुल फुटवियर निर्यात में लगभग 50% का योगदान देता है।

यह क्षेत्र प्रमुख विनिर्माण केंद्रों एवं निर्यात समूहों का घर है, जिनमें वेल्लोर, रानीपेट, श्री सिटी एसईज़ेड, चेन्नई, अम्बुर और पांडिचेरी शामिल हैं, जो मिलकर देश के सबसे गतिशील फुटवियर उत्पादन क्षेत्रों में से एक हैं। यह उद्योग जगत के अग्रणी, निर्यातकों और सहायक इकाइयों के साथ अपनी निकटता का लाभ उठाकर मज़बूत साझेदारियाँ विकसित करता है।



यह विशेष उल्कृष्टता केंद्र, फुटवियर डिज़ाइन, शू-लास्ट प्रोटोटाइपिंग और बुने हुए ऊपरी भाग के विकास में अत्याधुनिक प्रगति के लिए समर्पित है, जो पारंपरिक शिल्प कौशल को भविष्य की तकनीकों के साथ जोड़ता है। अपने मज़बूत उल्कृष्टता केंद्र -उद्योग-स्टूडियो संपर्क के माध्यम से, यह तेज़ प्रोटोटाइपिंग, अनुकूलित समाधान और अनुसंधान को व्यावसायिक रूप से व्यवहार्य उत्पादों में बदलने के लिए एक निर्बाध पाइपलाइन की सुविधा प्रदान करता है, जिससे वैश्विक बाज़ारों में इस क्षेत्र और भारत की प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त मज़बूत होती है।

### **हैदराबाद में चमड़ा उत्पादों एवं सहायक उपकरणों के लिए डिज़ाइन, विकास और फैब्रिक इंटरफ़ेस**

वर्ष 2023 में स्थापित हैदराबाद सीओई सजावट, अलंकरण एवं एप्लिक कार्य में उपयोग के लिए चमड़े के साथ-साथ विभिन्न कपड़ों के एकीकरण को बढ़ावा देता है, जिससे अपर डिजाइन के रचनात्मक दायरे को समृद्ध किया जाता है।



इस प्रक्रिया को उन्नत सीएडी सिस्टम का उपयोग करके उच्च दक्षता के साथ निष्पादित किया जाता है, जो सटीक पैटर्न विकास, जटिल विवरण और सामग्री के निर्बाध सम्मिश्रण की अनुमति देता है। आधुनिक डिजिटल डिजाइन टूल के साथ पारंपरिक सजावटी तकनीकों को जोड़कर, सीओई सौदर्य अपील और कार्यात्मक गुणवत्ता दोनों को बढ़ाता है, विविध बाजार मांगों और फैशन रुझानों को पूरा करता है।

### **पटना में चमड़ा परिष्करण नवाचार एवं उत्पाद खुदरा बिक्री केंद्र**

इस क्षेत्र में एफडीडीआई के उल्कृष्टता केंद्र (सीओई) की महत्वपूर्ण आवश्यकता भारत में फुटवियर खुदरा क्षेत्र के लिए समर्पित मज़बूत संस्थागत समर्थन के लंबे समय से अभाव के कारण उत्पन्न हुई है। यह कमी उद्योग की आधुनिक खुदरा प्रथाओं, उन्नत चमड़ा परिष्करण तकनीकों और विश्व स्तर पर मानकीकृत गुणवत्ता मानकों को अपनाने की क्षमता को सीमित करती है।



इसके सदर्भ में, वर्ष 2023 में स्थापित सीओई रिटेल परिचालन, व्यापारिक वस्तुओं की बिक्री, आपूर्ति शृंखला प्रबंधन एवं चमड़ा परिष्करण में विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से क्षेत्रीय क्षमता निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

ये पहल पूर्वी भारत में उद्योग एवं एमएसएमई के सामने आने वाली विशिष्ट चुनौतियों का समाधान करने के लिए तैयार की गई हैं, ताकि वे कौशल उन्नयन कर सकें, नवाचार अपना सकें और घरेलू तथा अंतर्राष्ट्रीय दोनों बाजारों में प्रभावी रूप से प्रतिस्पर्धा कर सकें।

### **कोलकाता में चमड़े के सामान, परिधान एवं सहायक उपकरण के लिए केंद्र**

चमड़ा आधारित उद्योग, विशेषकर चमड़े के परिधान और चमड़े के सामान का क्षेत्र, अत्यधिक फैशन-उन्मुख है। इस क्षेत्र में कुछ बड़े उद्यम शामिल हैं, लेकिन इसका प्रमुख हिस्सा छोटे और मध्यम स्तर के उद्योगों पर आधारित है। इन इकाइयों को प्रायः समकालीन डिजाइन जानकारी तक सीमित पहुँच, उत्पाद विकास में विशेषज्ञता की कमी, आधुनिक गुणवत्ता आक्षासन पद्धतियों और उत्तर उत्पादन तकनीकों में प्रशिक्षित कुशल जनशक्ति के अभाव जैसी चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। सेवाओं, तकनीकी सहयोग और व्यावसायिक प्रशिक्षण के स्तर पर संस्थागत समर्थन भी पर्याप्त नहीं है, जिसके कारण इन उद्योगों की प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता और दीर्घकालिक व्यावसायिक स्थिरता प्रभावित हो रही है।



भारत की वर्कवियर राजधानी के रूप में पहचाना जाने वाला कोलकाता, वर्ष 2023 में एफडीडीआई द्वारा स्थापित उल्कृष्टता केंद्र (सीओई) के माध्यम से पारंपरिक विनिर्माण सोच से आगे बढ़ रहा है। यह केंद्र चमड़े के सामान, परिधान और सहायक उपकरणों के लिए एक प्रमुख हब के रूप में कार्य करता है, जो डिजाइन, प्रोटोटाइपिंग, अनुसंधान तथा शिक्षा-उद्योग सहयोग जैसी एकीकृत क्षमताओं की पेशकश कर नवाचार को प्रोत्साहित करता है और वैश्विक प्रतिस्पर्धा को सशक्त बनाता है।

## जोधपुर में उच्च प्रदर्शन/विशिष्ट फुटवियर एवं उत्पाद और स्टार्ट अप केन्द्र

उच्च-प्रदर्शन एवं विशेषीकृत फुटवियर, उत्पादों और स्टार्ट-अप्स को प्रोत्साहित करने हेतु वर्ष 2023 में इस उल्कृष्टता केंद्र (सीओई) की स्थापना की गई। इसका प्रमुख कारण तकनीक-उन्मुख किन्तु आरामदायक फुटवियर की बढ़ती मांग तथा व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरण (पीपीई) क्षेत्र में अनुसंधान और विकास की तीव्र प्रगति है—विशेष रूप से सुरक्षा फुटवियर, अर्धसैनिक बलों के लिए उपकरणों और अन्य विशिष्ट अनुप्रयोगों के संदर्भ में। ये पहले फुटवियर बाजार में विकास और विस्तार के लिए महत्वपूर्ण अवसर उत्पन्न कर रही हैं।



जोधपुर स्थित उल्कृष्टता केन्द्र विविध क्षेत्रों में विशेषज्ञता रखता है, जिसमें व्यावसायिक और सुरक्षा फुटवियर, बायोमैकेनिकल और पुनर्वास समाधान, तथा पारंपरिक भारतीय फुटवियर का पुनरुद्धार और आधुनिकीकरण शामिल हैं।

यह उद्योग की उभरती ज़रूरतों को पूरा करने के लिए डिज़ाइन और सामग्री नवाचार के साथ-साथ मानव गतिविधि में प्रदर्शन को बेहतर बनाने पर भी काम करता है। इसके अलावा, उल्कृष्टता केंद्र प्रौद्योगिकी हस्तांतरण और स्वदेशी उत्पाद विकास में भी सक्रिय रूप से संलग्न है, यह सुनिश्चित करते हुए कि इसकी विशेषज्ञता विरासत के संरक्षण तथा फुटवियर क्षेत्र में अत्याधुनिक प्रगति को आगे बढ़ाने में योगदान दें।

## नोएडा में अनुसंधान एवं विकास, पाठ्यक्रम विकास और चमड़ा फैशन फुटवियर एवं उत्पाद नवाचार के लिए केंद्र

वर्ष 2023 में स्थापित यह उत्कृष्टता केंद्र अत्याधुनिक बुनियादी ढाँचे से सुसज्जित है, जो अनुसंधान को प्रोत्साहित करने, उन्नत ज्ञान सृजन, नवाचार को बढ़ावा देने और तकनीकी उत्कृष्टता को सशक्त बनाने के लिए समर्पित है। यह विशिष्ट सुविधा भारत सरकार की उस दूरदर्शी पहल का सक्रिय समर्थन करती है, जिसका उद्देश्य विनिर्माण क्षेत्र में आत्मनिर्भरता प्राप्त करना और सेवा क्षेत्र को सुदृढ़ बनाकर महत्वाकांक्षी दोहरे अंकों की वृद्धि सुनिश्चित करना है।



उन्नत प्रयोगशालाओं, डिज़ाइन स्टूडियो, प्रोटोटाइपिंग इकाइयों, उत्पाद परीक्षण सुविधाओं और सहयोगी कार्यस्थलों से सुसज्जित यह केंद्र उद्योग, एमएसएमई और स्टार्टअप्स के लिए अगली पीढ़ी के चमड़ा-आधारित फैशन, फुटवियर और उत्पादों के विकास का एक गतिशील मंच प्रदान करता है। यह न केवल उत्पाद नवाचार को गति देता है, बल्कि डिज़ाइन क्षमताओं को सशक्त बनाता है, प्रौद्योगिकी हस्तांतरण को प्रोत्साहित करता है और वैश्विक स्तर पर प्रासंगिक शैक्षणिक कार्यक्रम विकसित करता है। रचनात्मक प्रतिभाओं को पोषित करते हुए तथा मज़बूत उद्योग-अकादमिक साझेदारियों को बढ़ावा देकर, यह केंद्र भारत को प्रीमियम लेदर फैशन, फुटवियर और लाइफस्टाइल उत्पाद नवाचार में एक वैश्विक अग्रणी के रूप में स्थापित कर रहा है।

## रोहतक में गैर-चमड़े के फुटवियर, उत्पाद और सहायक उपकरण के लिए केंद्र

इस क्षेत्र में एफडीडीआई के उत्कृष्टता केंद्र (सीओई) की स्थापना की आवश्यकता इसलिए उत्पन्न हुई क्योंकि भारत में गैर-चमड़ा उत्पाद क्षेत्र के लिए विशेष रूप से समर्पित संस्थागत समर्थन का अभाव रहा है। गैर-चमड़ा उद्योग की प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ाने के लिए, यह केंद्र रणनीतिक हस्तक्षेप प्रदान करता है, जो संपूर्ण मूल्य शृंखला में नवाचार, डिज़ाइन और विनिर्माण क्षमताओं को सुदृढ़ बनाता है।



वर्ष 2023 में एफडीडीआई रोहतक परिसर में स्थापित यह उत्कृष्टता केंद्र हरियाणा के प्रमुख गैर-चमड़ा उत्पादन केंद्रों—करनाल, फरीदाबाद, बहादुरगढ़, गुड़गांव, मानेसर,

सोनीपत, कोंडली, अंबाला और चंडीगढ़—के निकट रणनीतिक रूप से स्थित है। ये सभी क्षेत्र अपनी विशिष्ट उत्पाद विशेषज्ञता के लिए प्रसिद्ध हैं। एनसीआर, बहादुरगढ़ गैर-चमड़ा पार्क तथा दिल्ली-एनसीआर के प्रमुख अनुसंधान संगठनों से निकटता इस केंद्र की क्षमता को और सशक्त बनाती है, जिससे यह गैर-चमड़ा क्षेत्र में नवाचार, सहयोग और उद्योग विकास का प्रमुख केंद्र बनता है।

उत्कृष्टता केंद्र (सीओई) गैर-चमड़ा सामग्रियों और उत्पादों में उन्नत अनुसंधान पर केंद्रित है। यह स्टार्टअप्स और नवोन्मेषी उद्यमों को प्रोत्साहित करने के लिए इनक्यूबेशन केंद्र संचालित करता है तथा उद्योग और शिक्षा जगत के बीच की खाई को पाटने हेतु प्रौद्योगिकी हस्तांतरण प्रकोष्ठ का संचालन करता है। पूँजी-प्रधान और प्रौद्योगिकी-संवेदी क्षेत्रों के लिए अत्याधुनिक सुविधाएँ और लक्षित सहायता प्रदान कर यह एक सशक्त अनुसंधान परिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा देता है। इसके प्रमुख परिणामों में गैर-चमड़ा और खेल के फुटवियर पर विशेष पाठ्यक्रमों की शुरुआत, आंतरिक एवं कंपनी-विशिष्ट प्रशिक्षण कार्यक्रमों का संचालन, लघु, मध्यम और बड़े उद्यमों के लिए परामर्श सेवाएँ, तथा गैर-चमड़ा फुटवियर और उत्पाद डिज़ाइन एवं विनिर्माण तकनीकों पर राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठियों का आयोजन शामिल हैं।

ये केंद्र सेवाओं का एक व्यापक पोर्टफोलियो प्रदान करते हैं, जिसमें अनुसंधान विचार, संस्थान-उद्योग साझेदारी, उत्पाद विकास, उत्पाद परीक्षण, मानव प्रदर्शन मूल्यांकन और संवर्द्धन, इनक्यूबेशन और स्टार्ट-अप समर्थन, शिक्षा और प्रशिक्षण, तथा अनुकूलित ऑन-डिमांड समाधान शामिल हैं - जो उन्हें पूरे क्षेत्र में विकास, प्रतिस्पर्धात्मकता एवं उत्कृष्टता के लिए उत्प्रेरक के रूप में स्थापित करते हैं।

# नया इंफ्रास्ट्रक्चर और सुविधाएं

## एफडीडीआई परिसरों में से 6 में गैर-चमड़े के बुनियादी ढांचे का निर्माण:

गैर-चमड़े के फुटवियर एवं उत्पाद उप-श्रेणी एक उभरता हुआ क्षेत्र है और इसमें तेज़ी से वृद्धि हो रही है तथा यह वैश्विक ब्रांडों को आकर्षित कर रहा है। इसका व्यापक रूप से फुटवियर, गृह सामग्री, लगेज बैग, पर्स, जैकेट और बेल्ट जैसे उत्पादों में उपयोग किया जाता है। फुटवियर गैर-चमड़े की सामग्री से बने प्रमुख उत्पादों में से एक हैं, जिसके बाद गृह सामग्री का स्थान आता है।



एफडीडीआई, नोएडा में गैर-चमड़ा प्रयोगशाला

टिकाऊ, किफायती और नवीन समाधानों के लिए बढ़ती उपभोक्ता मांग से प्रेरित होकर, यह क्षेत्र अब घरेलू बाजारों और अंतर्राष्ट्रीय निर्यात दोनों में महत्वपूर्ण स्थान रखता है।



एफडीडीआई बनूर परिसर में प्रदर्शन



एफडीडीआई हैदराबाद परिसर में प्रदर्शन

यह सामग्री तकनीकी और डिजाइन में प्रगति के साथ, गैर-चमड़े के जूते नई सामग्री, टिकाऊ प्रथाओं और नवीन विनिर्माण तकनीकों पर केंद्रित अद्यतन प्रशिक्षण कार्यक्रमों की आवश्यकता पर प्रकाश डाल रहे हैं।



एफडीडीआई छिंदवाड़ा में प्रदर्शन



एफडीडीआई, कोलकाता में गैर-चमड़ा प्रयोगशाला

फुटवियर और सहायक उपकरण क्षेत्र में प्रशिक्षण एवं शिक्षा के दायरे में विविधता लाने और विस्तार करने के रणनीतिक कदम के तहत, नोएडा, कोलकाता, चेन्नई, हैदराबाद, बन्दर और छिंदवाड़ा स्थित एफडीडीआई के छह परिसरों में गैर-चमड़ा विभाग स्थापित किए गए हैं। ये विभाग स्थापित हो चुके हैं और छात्रों का प्रशिक्षण शुरू हो गया है।



एफडीडीआई, चेन्नई में प्रदर्शन

प्रशिक्षुओं को डिजाइन, विनिर्माण और व्यावसायिक कौशल से लैस किया जा रहा है, ताकि वे टिकाऊ गैर-चमड़े के फुटवियर विकसित और प्रोत्साहित कर सकें, ताकि भारत को घरेलू और वैश्विक दोनों बाजारों में एक प्रतिस्पर्धी देश के रूप में स्थापित किया जा सके।

# कौशल विकास और आउटरीच

एफडीडीआई, रोहतक ने केवीआईसी के लिए 'कौशल विकास' प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया

एफडीडीआई, रोहतक परिसर ने अपने परिसर में ग्रामोद्योग विकास योजना (जीवीवाई) के अंतर्गत खादी और ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी) के प्रतिभागियों के लिए 25 दिवसीय 'कौशल विकास' प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफलतापूर्वक आयोजन किया।

क्र. सं.	विषय	दिनांक	प्रतिभागियों की संख्या
1	"चमड़े का पूरा जूता बनाने की प्रक्रिया"	3/2/2025 से 8/3/2025	30
2		3/3/2025 से 28/3/2025	30

प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य प्रतिभागियों को उच्च गुणवत्ता वाले चमड़े के जूते बनाने में व्यापक कौशल से लैस करना था, जिसमें डिजाइन से लेकर फिनिशिंग तक जूता उत्पादन के हर पहलू को शामिल किया गया।

एफडीडीआई के प्रबंध निदेशक, आईआरएस, श्री विवेक शर्मा ने 28 मार्च 2025 को दूसरे बैच के प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र से सम्मानित किया, जबकि सुश्री भारती डबास,



प्रबंध निदेशक-एफडीडीआई द्वारा प्रमाण पत्र प्राप्त करते हुए एक प्रशिक्षक

आईपीएस, पुलिस अधीक्षक (एचपीएस) ने 8 मार्च 2025 को पहले बैच को सम्मानित किया। समारोह में एफडीडीआई, रोहतक परिसर की कार्यकारी निदेशक (ईडी) सुश्री सरिता दुहान भी उपस्थित थीं।



प्रशिक्षु अपने प्रमाण पत्र के साथ

कार्यक्रम के दौरान, स्कूल ऑफ फुटवियर डिजाइन एंड प्रोडक्शन (एफडीपी) के विशेषज्ञ प्रशिक्षकों ने प्रतिभागियों को व्यावहारिक मॉड्यूल के माध्यम से मार्गदर्शन दिया, जिसमें फुटवियर मास्किंग और पैटर्न विकास, फुटवियर कंपोनेन्ट और सीट कटिंग, जूते की सिलाई, अपर, सिलाई, और जूते की लास्टिंग एवं फिनिशिंग तकनीक शामिल थी।



'कौशल विकास' प्रशिक्षण जारी

प्रशिक्षण के एक भाग के रूप में, प्रतिभागियों ने हरियाणा के बहादुरगढ़, आगरा और दिल्ली के मादीपुर जूता बाजार जैसे प्रमुख फुटवियर क्लस्टरों का भी दौरा किया, जहां उन्हें उद्योग के बारे में बहुमूल्य जानकारी और व्यावहारिक जानकारी प्राप्त हुई।

### एफडीडीआई, कोलकाता परिसर में एकेवीआईसी कारीगरों के लिए 'फुटवियर निर्माण' पर प्रशिक्षण कार्यक्रम

ग्रामोद्योग विकास योजना के अंतर्गत, वर्ष 2024-25 के लिए राज्य के विभिन्न क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व करने वाले असम खादी और ग्रामोद्योग आयोग (एकेवीआईसी) के आठ कारीगरों ने 3 से 27 मार्च 2025 तक एफडीडीआई, कोलकाता परिसर में 'फुटवियर निर्माण' पर 25 दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया।

एफडीडीआई कोलकाता के स्कूल ऑफ फुटवियर डिजाइन एंड प्रोडक्शन (एफडीपी) के विशेषज्ञों ने फुटवियर उत्पादन में कारीगरों के तकनीकी कौशल और समग्र शिल्प कौशल को बढ़ाने के उद्देश्य से एक गहन प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया।

इस प्रशिक्षण में नवीन डिजाइन तकनीक, विभिन्न फुटवियर घटकों के लिए सटीक पैटर्न कटिंग, और मानक आकार और



लास्टिंग विभाग में कौशल प्राप्त करते कारीगर



एफडीपी के स्टाफ सदस्यों के साथ कारीगर

उचित फिटिंग सुनिश्चित करने के लिए प्रभावी स्थायी तरीके जैसे प्रमुख क्षेत्र शामिल थे।

“इस पहल का उद्देश्य प्रतिभागियों को उच्च गुणवत्ता वाले, बाजार-उपयुक्त जूते बनाने हेतु आवश्यक ज्ञान और कौशल प्रदान करना था, ताकि उनकी उत्पादकता बढ़े, प्रतिस्पर्धी बाजारों में उनके उत्पाद की आकर्षण क्षमता सुवृद्ध हो और अंततः वे आर्थिक आत्मनिर्भरता एवं स्थायी आजीविका प्राप्त कर सकें।”

### एफडीडीआई, जोधपुर परिसर द्वारा आयोजित मास्टर कारीगर प्रशिक्षण कार्यक्रम

एफडीडीआई, जोधपुर परिसर द्वारा 20 और 21 मार्च 2025 को कौशल विकास एवं ज्ञान साझाकरण के माध्यम से कारीगरों को सशक्त बनाने के उद्देश्य से, दो दिवसीय मास्टर कारीगर प्रशिक्षण प्रशिक्षक कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

मुख्य भाषण देते हुए, एफडीडीआई के प्रबंध निदेशक (एमडी) श्री विवेक शर्मा, आईआरएस ने कहा कि संस्थान कारीगरों की विकास एवं उल्कृष्टता की यात्रा में निरंतर सहयोग प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है।



प्रबंध निदेशक, एफडीडीआई 'मुख्य भाषण' देते हुए

इस कार्यक्रम में जोधपुर मोजरी, कालीन बुनाई, वस्त्र, चर्म शिल्प, काष्ठ कला, कढाई आदि विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े कारीगरों ने भाग लिया। उन्हें विशेषज्ञों द्वारा नवीन डिज़ाइन प्रक्रियाओं, उत्पाद परिष्करण, लागत निर्धारण, वार्तालाप कौशल तथा डिजिटल विपणन रणनीतियों पर मार्गदर्शन प्रदान किया गया।



'डिजाइन थिंकिंग' कक्षा जारी

आईआईटी जोधपुर के निदेशक प्रोफेसर (डॉ.) अविनाश कुमार अग्रवाल 20 मार्च 2025 को मुख्य अतिथि के रूप में उद्घाटन समारोह में उपस्थित रहे, उनके साथ आईआईटी जोधपुर के प्रोफेसर भबानी के सत्यपथी भी उपस्थित थे।

इस पहल ने कारीगरों को अपने कौशल को निखारने, सुविधादाता एवं परिवर्तनकर्ता के रूप में सेवा करने की अपनी क्षमता बढ़ाने तथा विकास के नए रास्ते तलाशने के लिए एक मूल्यवान मंच प्रदान किया।

एफडीडीआई के सचिव कर्नल पंकज कुमार सिंहा और जोधपुर क्लब के अध्यक्ष श्री अशोक मोदी 21 मार्च को समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए तथा इस पहल के लिए अपना समर्थन और प्रशंसा व्यक्त की।

## एनजेबी के सहयोग से जूट बैग निर्माण का प्रशिक्षण कार्यक्रम, एफडीडीआई, हैदराबाद परिसर के संकाय द्वारा आयोजित

एफडीडीआई, हैदराबाद परिसर में स्कूल ऑफ लेदर गुड्स एंड एक्सेसरीज डिजाइन (एलजीएडी) के डिजाइन संकाय डॉ. रामबाबू मुप्पीदी ने 10 से 24 मार्च 2025 तक जूट बैग डिजाइन करने एवं बनाने पर कौशल-आधारित प्रशिक्षण आयोजित किया।

## कारीगरों ने सीखे नवाचार और निखारा अपना कला-कौशल

पत्रिका पत्रिका न्यूज नेटवर्क  
patrika.com

जोधपुर, एफडीडीआई में चल रहे थे दिवसीय मास्टर आर्टिजन प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन शुभकार बोहुआ। प्रशिक्षण में जोधपुरी मोजड़ी, कर्जीलकरी, रख्यां नकाशी, चमड़ी के जूते, जूट, लेदर ब्राफ़र, बुड़न आर्ट, एंड्रोइडरी व हाँन एंड बोन प्रॉडक्ट जैसे विभिन्न कला व हस्तशिल्प के क्षेत्रों से जुड़े मास्टर आर्टिजनों को अपनी प्रतिभा की अनुसंधान एवं नवाचार के साथ निखारने का अवसर मिला।

ये दिवसीय कार्यक्रम में



आर्टिजन के प्रशिक्षण कार्यक्रम को संबोधित करते थे।

डिजाइन प्रोसेस एंड थिंकिंग संस्कार के सचिव कर्नल पंकज कुमार सिंहा और जोधपुर क्लब स्कूल बाइंग एंड नेशनल एजन में के अध्यक्ष अशोक मोदी विश्वास एंड एआई के इसमाल इयाद विद्यों को समझने व सीखने का मौका एक्सीडीआई ने दिया।

समापन समारोह पर इस प्रशिक्षण की महता एवं

एफडीडीआई के प्रबंध निदेशक विवेक शर्मा मुख्य अतिथि थे। इन्वाइट डॉ. जगदीश भाट्ट ने दिया

मीडिया कवरेज

यह प्रशिक्षण, राष्ट्रीय जूट बोर्ड (एनजेबी), कोलकाता के सहयोग से, भारत सरकार के वस्त्र मंत्रालय द्वारा केंद्र सरकार की पहल के तहत, तेलंगाना के निर्मल जिले के निर्मल गांव में सीआरएस स्किलवर्सिटी में आयोजित किया गया था।



डॉ. रामबाबू मुर्पीदी, संकाय, एलजीएडी



डॉ. रामबाबू मुर्पीदी जूट बैग बनाने का प्रशिक्षण देते हुए

एनजेबी द्वारा मान्यता प्राप्त प्रमाणित पैनल डिज़ाइनर डॉ. मुर्पीदी ने प्रतिभागियों को विभिन्न जूट बैग डिज़ाइनों, कच्चे माल के चयन और मार्केटिंग बैग व महिलाओं के बैग जैसी उपयोगी वस्तुओं के निर्माण पर व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया। उन्होंने जूट उत्पादों के आकर्षण को बढ़ाने के लिए पूरक रंगों और नवीन डिज़ाइन तत्वों के उपयोग पर भी ज़ोर दिया।



प्रशिक्षण परिणाम - प्रतिभागियों द्वारा विकसित जूट बैग उत्पाद

इस कार्यक्रम में लगभग 20 स्थानीय महिलाओं ने भाग लिया और प्राकृतिक एवं पर्यावरण-अनुकूल डिज़ाइनों वाले जूट के बैग बनाना सीखा। इस प्रशिक्षण ने उन्हें स्थायी आजीविका के लिए कौशल और ज्ञान प्रदान किया और पर्यावरण के प्रति जागरूक उत्पादों को बढ़ावा दिया।

## एफडीडीआई, हैदराबाद द्वारा केवीआईसी के लिए कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया

ग्रामोद्योग विकास योजना के अंतर्गत, खादी और ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी), एनआई - सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय (एमएसएमई) परिसर, हैदराबाद में एक परिचयात्मक और पांच दिवसीय कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम सफलतापूर्वक आयोजित किया गया, जिसका नेतृत्व एफडीडीआई, हैदराबाद के संकाय श्री नितीन कुमार सिन्हा ने किया।

क्र. सं.	विषय	कार्यक्रम-स्थल	तिथि	प्रतिभागियों की संख्या
1	फुटवियर गतिविधि पर शोधकर्ता पाठ्यक्रम	राज्य कार्यालय, केवीआईसी, एनआई-एमएसएमई हैदराबाद, परिसर	13 मार्च 2025	10
2	फुटवियर गतिविधि पर पांच दिवसीय शोधकर्ता पाठ्यक्रम		13 - 17 मार्च 2025	50

पांच दिवसीय इस गहन कार्यक्रम का उद्देश्य मास्टर ट्रेनर पहल के तहत कारीगरों को उन्नत फुटवियर निर्माण तकनीकों से लैस करना था, जिसमें टिकाऊ प्रथाओं एवं नवीन सामग्रियों को एकीकृत करते हुए पारंपरिक और समकालीन फुटवियर डिजाइन दोनों में कौशल बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित किया गया।



श्री नितीन कुमार सिन्हा, संकाय - एफडीडीआई, हैदराबाद प्रशिक्षण प्रदान करते हुए

श्री नितीन कुमार सिन्हा ने कारीगरों को सामग्री चयन और प्रसंस्करण तकनीकों पर मार्गदर्शन दिया और फुटवियर कंपोनेन्टों की कटाई, सिलाई तथा संयोजन का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया। उन्होंने आरामदायक, स्टाइलिश और बाजार के लिए तैयार फुटवियर डिजाइन करने के लिए एर्गोनॉमिक और सौंदर्य संबंधी पहलुओं पर भी ज़ोर दिया।

कार्यक्रम ने प्रतिभागियों को नवीनतम उद्योग रुझानों, बाजार-उन्मुख नवाचारों और उद्यमशीलता संबंधी अंतर्दृष्टियों से परिचित कराया, जिससे उन्हें अपने शिल्प को टिकाऊ एवं व्यावसायिक रूप से व्यवहार्य उत्पादों में रूपांतरित करने में सहायता मिली।

## एफडीडीआई, हैदराबाद परिसर में केवीआईसी 'कारीगर प्रशिक्षण कार्यक्रम' 2024-25 का समाप्त

एफडीडीआई, हैदराबाद परिसर ने 03 जनवरी 2025 को, अपने परिसर में एक भव्य 'उत्पाद प्रदर्शन' कार्यक्रम के साथ खादी और ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी) 'कारीगर प्रशिक्षण कार्यक्रम' 2024-25 के सफल समाप्त का जश्न मनाया।

केवीआईसी ग्रामोद्योग विकास योजना 2024-25 के अंतर्गत, एफडीडीआई, हैदराबाद परिसर ने केवीआईसी, तेलंगाना राज्य के सहयोग से 9 दिसंबर 2024 से 2 जनवरी 2025 तक कारीगरों के लिए सावधानीपूर्वक डिजाइन किए गए कौशल विकास कार्यक्रम आयोजित किए। इस पहल का उद्देश्य प्रतिभागियों को सशक्त बनाना और पारंपरिक चमड़ा शिल्प कौशल को बढ़ावा देना था।

क्र. सं.	कार्यक्रम का विवरण	तिथि	प्रतिभागियों की संख्या
1	चमड़े के फुटवियर पर कौशल विकास कार्यक्रम	09 दिसम्बर 2024 से 2 जनवरी 2025	10
2	उन्नत चमड़ा फुटवियर कार्यक्रम	23 – 27 दिसम्बर 2024	10
3	उन्नत चमड़ा फुटवियर कार्यक्रम	16 – 20 दिसम्बर 2024	10
4	उन्नत चमड़ा फुटवियर कार्यक्रम	09 – 13 दिसम्बर 2024	10

स्कूल ऑफ फुटवियर डिज़ाइन एंड प्रोडक्शन (एफडीपी) के संकाय ने चमड़े के फुटवियर पर व्यापक प्रशिक्षण प्रदान किया, जिससे कारीगरों के तकनीकी कौशल में वृद्धि हुई, साथ ही उनका आत्मविश्वास बढ़ा और नए अवसरों के द्वारा खुले। इस कार्यक्रम ने एक आत्मनिर्भर और टिकाऊ कारीगर समुदाय को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण योगदान दिया।



उत्पाद प्रदर्शन के दौरान प्रशिक्षकों, डॉ. नरसिंहुगारी तेज लोहित रेडी, आईएएस, ईडी - एफडीडीआई हैदराबाद, केवीआईसी अधिकारियों और टीजीएलआईपीसी अधिकारियों के साथ कारीगरों का एक दृश्य

उत्पाद प्रदर्शन कार्यक्रम में प्रशिक्षण के दौरान कारीगरों द्वारा बनाए गए हस्तनिर्मित चमड़े के जूतों का एक प्रभावशाली संग्रह प्रदर्शित किया गया। प्रत्येक उत्पाद परंपरा और नवीनता के एक सहज मिश्रण को दर्शाता था, जो कार्यक्रम के दौरान अर्जित उन्नत कौशल को दर्शाता था।



कारीगर अपने सीखने के परिणामों के बारे में केवीआईसी के सहायक निदेशक श्री प्रसाद शर्मा और अन्य अधिकारियों को जानकारी देते हुए

इस कार्यक्रम के दौरान, कारीगरों ने अपने प्रशिक्षकों, कार्यक्रम आयोजकों और प्रतिष्ठित अधिकारियों के साथ अपने परिवर्तनकारी अनुभव साझा किए, जिनमें डॉ. नरसिंहगारी तेज लोहित रेण्डी, आईएएस, कार्यकारी निदेशक (ईडी) - एफडीडीआई, हैदराबाद परिसर तथा केवीआईसी और तेलंगाना राज्य चमड़ा उद्योग संवर्धन निगम लिमिटेड के प्रतिनिधि शामिल थे।

### ओंकार सेवा संस्थान के कारीगरों ने एफडीडीआई, फुरसतगंज परिसर का दौरा किया

01 जुलाई 2024 को, राष्ट्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) के तहत आजीविका और उद्यम विकास कार्यक्रम (एलईडीपी) में भाग लेने वाले ओंकार सेवा संस्थान की 30 महिला कारीगरों के एक समूह ने एफडीडीआई, फुरसतगंज परिसर का दौरा किया।



एफडीडीआई फुरसतगंज परिसर में ओंकार सेवा संस्थान के कारीगर



केले के पेड़ के तने के रेशों का उपयोग करके बनाए गए जूते

अमेठी जिले के ये कारीगर केले के पेड़ों के रेशों से हस्तशिल्प उत्पाद बनाने में दक्ष हैं। उनकी कृतियों में जूते, बैग, डोरमैट, टोपियाँ, योग मैट, महिलाओं के पर्स और घर की सजावट की अन्य वस्तुएँ शामिल हैं।

इस यात्रा के दौरान, प्रतिभागियों को फुटवियर निर्माण में प्रयुक्त उपकरणों और तकनीकों से परिचित कराया गया। साथ ही, उन्हें विभिन्न फैशन डिज़ाइन प्रक्रियाओं, जैसे टाई-एंड-डाई, ब्लॉक प्रिंटिंग और हथकरघा बुनाई, का प्रदर्शन भी देखने को मिला।



केले के पेड़ के तने के रेशों का उपयोग करके बनाए गए एक अन्य प्रकार के जूते



एफडीडीआई के तकनीकी विशेषज्ञ कारीगरों को कौशल उन्नयन प्रशिक्षण कार्यक्रम के बारे में जानकारी देते हुए

एफडीडीआई के तकनीकी विशेषज्ञों ने केले के रेशों की मज़बूती, लचीलेपन एवं जैव-नियन्त्रित गुणों पर प्रकाश डाला और इन रेशों का उपयोग करके नवीन फुटवियर, सहायक उपकरण और परिधान डिज़ाइन तैयार करने हेतु अनुसंधान एवं विकास रणनीतियों पर चर्चा की। इस सत्र में केले के रेशों के प्रसंस्करण और उन्हें समकालीन फैशन अनुप्रयोगों में एकीकृत करने की तकनीकों पर भी चर्चा की गई, जिससे कारीगरों को टिकाऊ डिज़ाइन के नए रास्ते तलाशने की प्रेरणा मिली।

### एनजेबी के सहयोग से जूट बैग बनाने का प्रशिक्षण कार्यक्रम, एफडीडीआई, हैदराबाद परिसर के संकाय द्वारा आयोजित

एफडीडीआई हैदराबाद परिसर के स्कूल ऑफ लेदर गुड्स एंड एक्सेसरीज डिज़ाइन (एलजीएडी) के डिजाइन संकाय डॉ. रामबाबू मुप्पीदी ने आंध्र प्रदेश के अराकू मान्यम जिले के पार्वतीपुरम गांव में जूट बैग डिज़ाइन करने और बनाने पर एक कौशल-आधारित प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया।

यह प्रशिक्षण केन्द्र सरकार की पहल के तहत वस्त्र मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय जूट बोर्ड (एनजेबी), कोलकाता के सहयोग से आयोजित किया गया था।



डॉ. रामबाबू मुर्पीदी जूट बैग बनाने की डिज़ाइन की कक्षा लेते हुए

राष्ट्रीय जूट बोर्ड (एनजेबी) द्वारा प्रमाणित एम्पैनल डिजाइनर डॉ. मुर्पीदी ने लगभग 24 स्थानीय महिला स्नातकों के लिए 16 से 29 जून 2024 तक एक गहन प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया।



प्रतिभागियों द्वारा विकसित जूट बैग

कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य चमड़े से बने जूट बैगों की डिज़ाइनिंग और निर्माण पर केंद्रित था। इसका उद्देश्य प्रतिभागियों को जूट डिज़ाइन और शिल्प कौशल में उन्नत कौशल प्रदान करना, उनकी विपणन योग्य उत्पाद बनाने की क्षमता को बढ़ाना और उन्हें स्थायी आजीविका के लिए आवश्यक ज्ञान से सशक्त बनाना था।

### एफडीडीआई, रोहतक परिसर में केवीआईसी कारीगरों के लिए 'फुटवियर निर्माण' पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया

एफडीडीआई, रोहतक परिसर में खादी और ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी), अंबाला के 30 कारीगरों के एक बैच के लिए 'फुटवियर मेकिंग' पर एक व्यापक 25-दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम 4 मार्च से 10 अप्रैल 2024 तक आयोजित किया गया।

ग्रामोद्योग विकास योजना (जीवीवाई) के सेवा उद्योग कंपोनेन्ट के अंतर्गत, केवीआईसी अंबाला कारीगरों के लिए विभिन्न कौशल विकास कार्यक्रम आयोजित करता है, जिसमें एसी मरम्मत और रखरखाव, मोबाइल मरम्मत, सिलाई मशीन संचालन और फुटवियर निर्माण शामिल हैं।

एफडीडीआई रोहतक स्थित स्कूल ऑफ फुटवियर डिज़ाइन एंड प्रोडक्शन (एफडीपी) के विशेषज्ञों ने कारीगरों को डिज़ाइनिंग, विभिन्न कम्पोनेन्टों की पैटर्न कटिंग और फुटवियर की टिकाऊपन तकनीकों का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया। कार्यक्रम में आजीविका के अवसरों को बढ़ाने के लिए मानक आकार, उचित फिटिंग और उच्च-गुणवत्ता वाले, बाज़ार-तैयार फुटवियर के उत्पादन पर ज़ोर दिया गया।



केवीआईसी के कारीगरों के साथ एफडीडीआई के संकाय सदस्य



लांसर फुटवियर में केवीआईसी के कारीगर

प्रशिक्षण के अंतर्गत लांसर फुटवियर, बहादुरगढ़ का औद्योगिक भ्रमण आयोजित किया गया, जहाँ कारीगरों को फुटवियर निर्माण इकाई के संचालन का प्रत्यक्ष अनुभव प्राप्त हुआ। कंपनी के तकनीकी विशेषज्ञों ने फुटवियर उत्पादन की संपूर्ण प्रक्रिया को विस्तार से समझाया तथा विभिन्न प्रकार के फुटवियर का प्रदर्शन किया, जिससे प्रतिभागियों की उद्योगगत प्रथाओं की समझ और गहरी हुई।



# एफडीपी का आयोजन

## एफडीडीआई, कोलकाता द्वारा "फैशन डिजाइन एंड सस्टेनेबिलिटी" पर एफडीपी का आयोजन

एफडीडीआई, कोलकाता द्वारा 23-24 सितंबर 2024 को "फैशन डिजाइन एंड सस्टेनेबिलिटी" पर दो दिवसीय वर्चुअल फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम (एफडीपी) का आयोजन किया गया।

इस कार्यक्रम का संचालन ब्रिटेन के लिवरपूल विश्वविद्यालय में पर्यावरण नियोजन और प्रबंधन में वरिष्ठ व्याख्याता (एसोसिएट प्रोफेसर) और उच्च शिक्षा अकादमी (एफएचईए) की फेलो डॉ. उर्मिला झा-ठाकुर ने किया। पर्यावरण नियोजन एवं प्रबंधन में अपनी व्यापक विशेषज्ञता के साथ, डॉ. झा-ठाकुर ने फैशन और डिजाइन शिक्षा में स्थिरता सिद्धांतों को एकीकृत करने पर प्रतिभागियों का मार्गदर्शन किया।



"सतत विकास और फैशन, डिजाइन और स्थिरता का परिचय" शीर्षक वाले सत्र में 23 सितंबर 2024 को प्रतिभागियों को सतत विकास के मूल सिद्धांतों और संयुक्त राष्ट्र सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) से परिचित कराया गया, तथा समाज और पर्यावरण पर उनके प्रभाव पर जोर दिया गया।

24 सितंबर 2024 को, "सर्कुलर इकोनॉमी का परिचय तथा फैशन और डिजाइन में सर्कुलरिटी की सोच" सत्र में सर्कुलर इकोनॉमी के मूल सिद्धांतों की खोज की गई, इसे पारंपरिक रैखिक मॉडल के साथ तुलना की गई तथा फैशन और चमड़ा उद्योगों के लिए इसकी परिवर्तनकारी क्षमता पर प्रकाश डाला गया।

## एफडीडीआईद्वारा आयोजित संसाधन एवं पारिस्थितिकी तंत्र (कोर) संस्थानों के अभिसरण के अंतर्गत एफडीपी का आयोजन

संसाधन एवं पारिस्थितिकी तंत्र (कोर) संस्थानों के अभिसरण के अंतर्गत - एफडीडीआई, भारतीय विदेश व्यापार संस्थान (आईआईएफटी), राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान (एनआईडी) और राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईएफटी) की एक सहयोगी पहल - चमड़ा सामान और सहायक उपकरण डिजाइन स्कूल (एलजीएडी), एफडीडीआई ने "फैशन एवं उत्पादों में डिजिटल उन्नति और स्मार्ट प्रौद्योगिकी" पर एक संकाय विकास कार्यक्रम (एफडीपी) का आयोजन किया।



एफडीपी के प्रतिभागियों का एक दृश्य

यह कार्यक्रम 9 से 12 जुलाई 2024 तक ऑनलाइन मोड में आयोजित किया गया था और इसमें 37 संकाय सदस्योंने भाग लिया, जिससे उभरते तकनीकी रुझानों और उद्योग और शिक्षा दोनों के लिए उनके निहितार्थों के बारे में उनकी समझ वृद्धि हुई।

संसाधन व्यक्ति, श्री अलेख जौहरी, एनीमोई सॉल्यूशन के संस्थापक, एक वेब3-केंद्रित डिजाइन एवं विकास एजेंसी, ने 25 देशों में बहुसांस्कृतिक टीमों के साथ काम करने का 20 से अधिक वर्षों का अनुभव है। उन्होंने मानसिक स्वास्थ्य एवं परामर्श के क्षेत्र में कंपनियों के सलाहकार के रूप में भी काम किया है।

इन चार दिनों के दौरान, श्री जौहरी ने इस बात पर प्रकाश डाला कि कैसे तकनीक वर्चुअल रियलिटी (वीआर), आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), ऑटोमेशन और रोबोटिक्स जैसे अनुप्रयोगों के माध्यम से फैशन परिवर्त्य को नया रूप दे रही है—जिससे उद्योग में परिष्कृत मशीनों का एकीकरण संभव हो रहा है। उन्होंने सामग्री नवाचारों, 3डी प्रिंटिंग, डिजिटल परिधान, सीएडी-टू-मशीन लर्निंग प्रक्रियाओं, एआई-संचालित फैशन तकनीकों सहित प्रगति पर चर्चा की, और तेजी से विकसित हो रहे बाजार में प्रतिस्पर्धी बने रहने के लिए इन परिवर्तनों के साथ तालमेल बिठाने के महत्व पर जोर दिया।

प्रतिभागियों को मेटावर्स प्लेटफॉर्म से भी परिचित कराया गया, जहां उन्होंने व्यक्तिगत 3डी अवतार बनाए तथा एनेमोई सॉल्यूशन वर्चुअल ऑफिस का अन्वेषण किया, जिससे उन्हें इमर्सिव डिजिटल वातावरण में व्यावहारिक अनुभव प्राप्त हुआ।

### एफडीडीआई में 'फैशन में एआई पर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस' पर एफडीपी का आयोजन

स्कूल ऑफ फैशन डिजाइन (एफडी) ने "फैशन में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस" पर 01 से 09 जुलाई 2024 तक, एक संकाय विकास कार्यक्रम (एफडीपी) आयोजित किया, जिसका उद्देश्य संकाय सदस्यों को नवीनतम तकनीकी प्रगति एवं उद्योग और शिक्षा दोनों पर उनके प्रभाव से लैस करना था।

इस सत्र का नेतृत्व मोक्ष मीडिया ग्रुप के क्रिएटिव हेड श्री राज रोहित शुक्ला ने किया, जिन्होंने प्रतिभागियों को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के विभिन्न आयामों, फैशन उद्योग में इसके अनुप्रयोगों और डिजाइन के भविष्य को आकार देने की इसकी क्षमता से परिचित कराया।



सात दिनों के दौरान, संकाय सदस्यों ने फैशन में एआई के विभिन्न कार्यक्षेत्रों एवं व्यावहारिक अनुप्रयोगों का अध्ययन किया। उन्हें परियोजना-आधारित कार्य सौंपे गए, जिससे वे कार्यक्रम के दौरान एआई-संचालित आउटपुट तैयार कर सकें। एफडीपी में इंटरैक्टिव शिक्षण एवं प्रश्नोत्तर सत्र भी शामिल थे, जो शिक्षाविदों एवं शिक्षकों को उद्योग की उभरती ज़रूरतों के अनुरूप अपने ज्ञान और शिक्षण पद्धतियों को बढ़ाने के लिए एक गतिशील मंच प्रदान किया।



# प्रस्तुत शोध पत्र

## एफडीडीआई, छिंदवाड़ा परिसर के वरिष्ठ संकाय का शोध पत्र आईजेएसएटी में प्रकाशित

एफडीडीआई छिंदवाड़ा परिसर के स्कूल ऑफ फैशन डिजाइन के वरिष्ठ संकाय डॉ. प्रदीप कुमार मंडल द्वारा लिखित एक शोध पत्र, इंटरनेशनल जर्नल ऑन साइंस एंड टेक्नोलॉजी (आईजेएसएटी) में प्रकाशित हुआ है - जो एक व्यापक रूप से अनुक्रमित, ओपन-एक्सेस, पीयर-रिव्यूड, मल्टीडिसिप्लिनरी, द्वि-मासिक विद्वतापूर्ण पत्रिका है।

"निटवियर निर्माण का अनुकूलन: लुधियाना में कम्प्यूटरीकृत बुनाई सॉफ्टवेयर का तुलनात्मक अध्ययन" शीर्षक वाला यह शोधपत्र पत्रिका के खंड 16, अंक 1 (जनवरी-मार्च 2025) में प्रकाशित हुआ है। इसका ई-आईएसएन: 2229-7677 है और इसका प्रभाव कारक 9.88 है।



डॉ. प्रदीप कुमार मंडल, वरिष्ठ संकाय - एफडी



प्रकाशन का प्रमाण पत्र



शोध पत्र का कवर पेज

यह शोधपत्र लुधियाना, भारत में निटवियर निर्माण के अनुकूलन में कम्प्यूटरीकृत वेफ्ट निटिंग सॉफ्टवेयर का तुलनात्मक विश्लेषण प्रस्तुत करता है। यह अध्ययन निटवियर उद्योग में कंप्यूटर-सहायता प्राप्त डिज़ाइन (कैड) और कंप्यूटर-सहायता प्राप्त विनिर्माण (कैम) प्रणालियों के अनुप्रयोग का अन्वेषण करता है, जिसका उद्देश्य दक्षता और डिज़ाइन नवाचार को बढ़ाना है। इसका मुख्य उद्देश्य तीन अग्रणी कम्प्यूटरीकृत फ्लैट-बेड वेफ्ट निटिंग सॉफ्टवेयर—हेंग कियांग, शिमा सेकी और स्टॉल एम1—का विश्लेषण करना और निटवियर डिज़ाइन एवं निर्माण प्रक्रियाओं पर उनके प्रभाव का मूल्यांकन करना था।

यही शोध पत्र निम्नलिखित लिंक के माध्यम से देखा जा सकता है: <https://www.ijst.org/research-paper.php?id=2593>

## अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान एफडीडीआई, गुना के संकाय द्वारा प्रस्तुत शोध पत्र

एफडीडीआई गुना परिसर के स्कूल ऑफ फुटवियर डिजाइन एंड प्रोडक्शन (एफडीपी) के कनिष्ठ संकाय श्री नीरज कुमार शर्मा ने 21-22 फरवरी 2025 को ग्रेटर नोएडा के गलगोटिया विश्वविद्यालय में आयोजित "बायोमैकेनिक्स और फुटवियर विकास में नवाचार: शोपिंग द प्लूचर ऑफ मूवमेंट" विषय पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में एक शोध पत्र प्रस्तुत किया।



श्री नीरज कुमार शर्मा, कनिष्ठ संकाय - एफडीपी  
द्वारा आनलाइन प्रस्तुति

श्री नीरज कुमार शर्मा

प्रतिभागिता का प्रमाण-पत्र

उन्होंने "बायोमैकेनिक्स एवं फुटवियर विकास में नवाचार: भविष्य के लिए प्रदर्शन और आराम में सुधार" शीर्षक से अपना शोध पत्र प्रस्तुत किया। यह अध्ययन बायोमैकेनिक्स-संचालित फुटवियर में उभरती हुई तकनीकों—जैसे सेंसर-एकीकृत 3डी-प्रिंटेड मिडसोल और एआई-संचालित चाल विशेषण—के प्रभाव पर केंद्रित है। यह एथलीटों, आर्थिक समस्याओं (प्लांटर फेशिआइटिस और ऑस्टियोआर्थराइटिस सहित) से ग्रस्त व्यक्तियों, और साथ ही आम जनता के लिए उनके अनुप्रयोगों की जाँच करता है।

अनुसंधान का प्राथमिक उद्देश्य यह मूल्यांकन करना है कि ये प्रगतियाँ गतिशीलता दक्षता को बढ़ाने, चोट के जोखिम को कम करने और कथित परिश्रम को कम करने में किस प्रकार योगदान देती हैं, साथ ही अगली पीढ़ी के प्रदर्शन और आराम-उन्मुख जूते को आकार देने में स्मार्ट सामग्री, एआई और डिजिटल डिजाइन उपकरणों की भूमिका का पता लगाना भी है।

### एफडीडीआई, गुना परिसर के संकाय का शोध पत्र आईजेएसआरईएम में प्रकाशित

एफडीडीआई गुना परिसर के स्कूल ऑफ फुटवियर डिजाइन एंड प्रोडक्शन (एफडीपी) के संकाय द्वारा लिखित एक शोध पत्र, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ साइंटिफिक रिसर्च इन इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट (आईजेएसआरईएम) में प्रकाशित हुआ है।

"फुटवियर उद्योग के सिलाई विभाग में उत्पादकता बढ़ाने की रणनीतियाँ: चुनौतियाँ एवं प्रभाव" (आईजेएसएसएन: 2582-3930, खंड 9, अंक 2, फ़रवरी 2025) शीर्षक वाला यह शोधपत्र, फुटवियर निर्माण में सिलाई विभाग



श्री वरुण त्रिपाठी, संकाय -  
एफडीपी



प्रकाशन का प्रमाण पत्र

की महत्वपूर्ण भूमिका की पड़ताल करता है, जहाँ गुणवत्ता, दक्षता एवं लाभप्रदता सीधे तौर पर प्रभावित होती है। यह मौजूदा कौशल अंतराल और प्रशिक्षण आवश्यकताओं पर प्रकाश डालता है, क्योंकि कई श्रमिकों के पास उन्नत सिलाई विशेषज्ञता का अभाव है—जिसके परिणामस्वरूप सिलाई में विसंगतियाँ, धीमी उत्पादन दर और बार-बार काम करने की आवश्यकता बढ़ जाती है।

अध्ययन में सर्वोत्तम तकनीकी तथा रणनीतिक हस्तक्षेपों की पहचान की गई है जो फुटवियर निर्माताओं को उत्पादकता बढ़ाने, दोषों को कम करने और समग्र लागत-प्रभावशीलता में सुधार करने में मदद कर सकते हैं।

इस पेपर की समीक्षा यहां की जा सकती है: <https://ijsrem.com/download/strategies-for-enhancing-productivity-in-the-stitching-department-of-the-footwear-industry-challenges-and-impacts/>

### एफडीडीआई, गुना परिसर के छात्रों और संकाय का संयुक्त शोध पत्र प्रतिष्ठित यूजीसी-अनुमोदित अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं में प्रकाशित

एफडीडीआई गुना परिसर के स्कूल ऑफ फुटवियर डिजाइन एंड प्रोडक्शन (एफडीपी) के संकाय और छात्रों द्वारा संयुक्त रूप से लिखे गए शोध पत्र प्रतिष्ठित यूजीसी-अनुमोदित अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं में प्रकाशित हुए हैं।

ये शोधपत्र फुटवियर उद्योग में बाज़ार अनुसंधान के विविध पहलुओं पर गहन शोध करते हैं, जिसमें कार्यप्रणाली, उभरते रुझान और उनके निहितार्थ शामिल हैं। ये शोधपत्र उपभोक्ता व्यवहार, क्रय निर्णय लेने की प्रक्रियाओं और ग्राहक संतुष्टि एवं निष्ठा को मापने के तरीकों का भी विश्लेषण करते हैं, जिससे शिक्षा जगत और उद्योग जगत, दोनों के लिए बहुमूल्य जानकारी प्राप्त होती है।



श्री नीरज कुमार शर्मा, कनिष्ठ संकाय - एफडीपी



श्री राहुल कुमार पांडेय, वरिष्ठ संकाय- एफडीपी



श्री वरुण त्रिपाठी, संकाय - एफडीपी

"फुटवियर उद्योग में बाजार अनुसंधान का विज्ञान: तकनीक, रुझान और निहितार्थ" (आईएसएसएन: 2582-3930, वॉल्यूम 09, अंक 01, जनवरी 2025) शीर्षक वाला शोध पत्र इंटरनेशनल जर्नल ऑफ साइंटिफिक रिसर्च इन इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट

(आईजेएसआरईएम) में प्रकाशित हुआ है।

सुश्री कृति तोमर, बी.डेस 3 वर्ष (एफडीपी), और श्री नीरज कुमार शर्मा, कनिष्ठ संकाय द्वारा सह-लेखक, लेख फुटवियर उद्योग के भीतर बाजार अनुसंधान में लागू विविध तकनीकों की पढ़ताल करता है, इस क्षेत्र को आकार देने वाले उभरते रुझानों का विश्लेषण करता है, और तेजी से प्रतिस्पर्धी और गतिशील बाजार वातावरण में सफल होने का प्रयास करने वाले व्यवसायों के लिए रणनीतिक निहितार्थों पर चर्चा करता है।

पूरा पेपर यहां देखा जा सकता है: <https://ijsrem.com/volume09issue01january2025/>.

“मध्य प्रदेश के गुना जिले में विपणन अनुसंधान और उपभोक्ता व्यवहार को समझना” (ई-आईएसएसएन: 2582-5208, खंड 07, अंक 02, फरवरी 2025) शीर्षक से शोध पत्र इंटरनेशनल रिसर्च जर्नल ऑफ मॉडर्नाइजेशन इन इंजीनियरिंग टेक्नोलॉजी एंड साइंस (आईआरजेएमईटीएस) में प्रकाशित हुआ है।



सुश्री कृति तोमर बी. डेस  
तृतीय वर्ष – एफडीपी



प्रकाशन का प्रमाण पत्र

श्री राहुल यादव, बी.डेस. तृतीय वर्ष (एफडीपी), और श्री राहुल कुमार पांडे, वरिष्ठ संकाय ग्रेड-1 द्वारा सह-लिखित यह लेख गुना जिले में विपणन अनुसंधान पद्धतियों और उपभोक्ता व्यवहार पैटर्न का गहन वैचारिक विश्लेषण प्रस्तुत करता है। यह स्थानीय बाजार की गतिशीलता को आकार देने वाले प्रमुख निर्धारकों पर प्रकाश डालता है और सैद्धांतिक ढाँचों और प्रासंगिक साहित्य की समीक्षा के माध्यम से, इस बारे में बहुमूल्य जानकारी प्रदान करता है कि व्यवसाय क्षेत्रीय बाजारों में उपभोक्ताओं के साथ प्रभावी ढंग से कैसे जुड़ सकते हैं।

पूरा पेपर यहां देखा जा सकता है: <https://www.doi.org/10.56726/IRJMETS67408>.

एक अन्य शोध पत्र जिसका शीर्षक है “उपभोक्ता विश्वास निर्माण में समीक्षा प्रामाणिकता की भूमिका: उत्पाद समीक्षाओं पर एक अध्ययन” (ई-आईएसएसएन: 2581-5946, खंड 8, अंक 1, जनवरी-फरवरी 2025) इंटरनेशनल जर्नल ऑफ साइंस एंड मैनेजमेंट स्टडीज (आईजेएसएमएस) में प्रकाशित हुआ है।



श्री राहुल यादव, बी. डिजाइन,  
तृतीय वर्ष – एफडीपी



प्रकाशन का प्रमाण पत्र

श्री गीतेश कुमार कोरी, बी.डेस. तृतीय वर्ष (एफडीपी), और श्री नीरज कुमार शर्मा, कनिष्ठ संकाय द्वारा सह-लिखित, यह शोधपत्र उपभोक्ता विश्वास को बढ़ावा देने में प्रामाणिक उत्पाद समीक्षाओं के महत्वपूर्ण महत्व को रेखांकित करता है। यह उपभोक्ता व्यवहार, उद्योग प्रथाओं एवं धोखाधड़ी वाली समीक्षाओं का पता लगाने की तकनीकों का परीक्षण करता है, और इस बात पर प्रकाश डालता है कि वास्तविक प्रतिक्रिया ब्रांड निष्ठा, क्रय निर्णयों और दीर्घकालिक विश्वास को कैसे प्रभावित करती है। यह अध्ययन व्यवसायों और ई-कॉर्मस प्लेटफ़ॉर्म के लिए उनकी समीक्षा प्रणालियों में पारदर्शिता और अखंडता सुनिश्चित करने के व्यापक निहितार्थों का भी पता लगाता है।

पूरा पेपर यहां देखा जा सकता है: <https://www.ijssmsjournal.org/current-issue.html>.

“ग्राहक संतुष्टि एवं निष्ठा को मापना: दृष्टिकोण और अंतर्दृष्टि” (आईएसएसएन: 2581-7175, खंड 8, अंक 1, जनवरी-फरवरी 2025) शीर्षक से शोध पत्र इंटरनेशनल जर्नल ऑफ साइंटिफिक रिसर्च एंड इंजीनियरिंग डेवलपमेंट (आईजेएसआरईडी) में प्रकाशित किया गया है।



श्री गीतेश कुमार कोरी, बी. डिजाइन, तृतीय वर्ष – एफडीपी

श्री गीतेश कुमार कोरी को प्रमाण पत्र जारी

सुश्री निशा यादव, बी.डेस. तृतीय वर्ष (एफडीपी), और श्री वरुण त्रिपाठी, संकाय द्वारा सह-लिखित, यह शोधपत्र ग्राहक संतुष्टि एवं निष्ठा के मूल्यांकन हेतु विभिन्न पद्धतियों का परीक्षण करता है, जिसमें पारंपरिक और समकालीन दोनों दृष्टिकोण शामिल हैं। यह इस बात की जानकारी प्रदान करता है कि व्यवसाय दीर्घकालिक ग्राहक संबंधों का प्रभावी ढंग से आकलन और उन्हें कैसे मज़बूत कर सकते हैं।

पूरा पेपर यहां देखा जा सकता है:

<https://www.ijssred.com/volume-8-issue-1-part13.html>.

एफडीडीआई में प्रशिक्षण पद्धति छात्रों को विश्वसनीय और प्रभावशाली शोध परिणाम के साथ शोध कार्य करने के लिए पर्याप्त अवसर प्रदान करती है।



सुश्री निशा यादव, बी. डिजाइन, तृतीय वर्ष – एफडीपी

प्रकाशन का प्रमाण पत्र

## एफडीडीआई, चेन्नई परिसर के संकाय द्वारा सह-लिखित तकनीकी समीक्षा लेख डब्ल्यूजेएम एंड एचसी में प्रकाशित

डॉ. डी. अनीता राचेल, वरिष्ठ संकाय ग्रेड-II, स्कूल ऑफ फैशन डिजाइन (एफडी), एफडीडीआई चेन्नई परिसर द्वारा सह-लिखित एक तकनीकी समीक्षा लेख, एमके साइंस सेट द्वारा ओपन-एक्सेस प्रकाशन, वर्ल्ड जर्नल ऑफ मेडिसिन एंड हेल्थ केयर (डब्ल्यूजेएम एंड एचसी) में प्रकाशित किया गया है।

“ऑर्थोपेडिक अनुप्रयोगों में वस्त्र सामग्री की भूमिका” (ई-आईएसएसएन: 3065-5145) शीर्षक वाला लेख, ऑर्थोपेडिक स्वास्थ्य देखभाल में वस्त्र-आधारित सामग्रियों के महत्व की पड़ताल करता है, तथा सहायता, सुरक्षा और पुनर्वास में उनके अनुप्रयोगों पर प्रकाश डालता है।

पूरा लेख यहां पर उपलब्ध है  
[https://mkscienceset.com/articles\\_file/583-article1737356204.pdf](https://mkscienceset.com/articles_file/583-article1737356204.pdf)



डॉ. डी. अनीता राचेल, वरिष्ठ संकाय ग्रेड-II, एफडी



लेख का कवर पेज

यह लेख इस बात पर ज़ोर देता है कि बायोमेडिकल टेक्सटाइल्स का उपयोग आम धारणा से कहीं ज्यादा व्यापक है। इन सामग्रियों का व्यापक रूप से मस्कुलोस्केलेटल ऊतकों की मरम्मत या प्रतिस्थापन में उपयोग किया जाता है और इनका उपयोग वाइप्स, स्कैब, धाव की ड्रेसिंग, पट्टियाँ, गॉज़, प्लास्टर, प्रेशर गारमेंट्स और ऑर्थोपेडिक बेल्ट बनाने में किया जाता है। इनका दायरा हृदय वाल्व, संवहनी ग्राफ्ट, कृत्रिम शिराएँ, स्नायुबंधन, जोड़, त्वचा और उपास्थि जैसे उन्नत अनुप्रयोगों तक भी विस्तृत हो गया है।

समीक्षा में बायोमेडिकल टेक्सटाइल्स में आमतौर पर इस्तेमाल होने वाली सामग्रियों का भी उल्लेख किया गया है, जिनमें कपास, नायलॉन, रेशम, अति-उच्च आणविक भार पॉलीएथिलीन, पॉलिएस्टर, पॉलीप्रोपाइलीन, पॉलीट्राफ्लुओरोएथिलीन (पीटीएफई), पॉलीइथर ईथर कीटोन (पीईईके), और पॉलीइथर कीटोन (पीईके) शामिल हैं। इन्हें अंतिम उपयोग की आवश्यकताओं के अनुरूप विशिष्ट अनुपातों में विभिन्न मोनोमर्स से संश्लेषित किया जाता है।

विभिन्न निर्माण तकनीकों—जैसे ब्रेडिंग, निटिंग और वीविंग—का इस्तेमाल विशिष्ट गुणों एवं कार्यात्मकताओं वाली सामग्री बनाने के लिए किया जाता है। इसके अतिरिक्त, डेनियर (मल्टीफिलामेंट रेशों में फिलामेंट की संख्या), दृढ़ता (प्रति डेनियर शक्ति), और ऊष्मा संकुचन (किसी विशिष्ट समय और तापमान पर ऊष्मा के प्रभाव में आयामी परिवर्तन) जैसे महत्वपूर्ण पैरामीटर इन चिकित्सा वस्त्रों के प्रदर्शन एवं उपयुक्तता को निर्धारित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

एफडीडीआई के संकायों का संयुक्त शोध पत्र आईजेए एंड एफसी में प्रकाशित

एफडीडीआई के संकाय द्वारा “एंटीमाइक्रोबियल-फिनिशड कॉटन फैब्रिक के आरामदायक गुणों पर धुलाई का प्रभाव” शीर्षक से एक संयुक्त शोध पत्र इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एग्रीकल्चर एंड फूड साइंस (आईजेएएफसी), वॉल्यूम 7(2): 80–83 (आईएसएसएन: 2664-8458) में प्रकाशित किया गया है।

इस पेपर का सह-लेखन एफडीडीआई के फैशन डिजाइन स्कूल की डॉ. सुशीला और डॉ. सरिता देवी ने किया है, साथ ही डॉ. निशा आर्य, एसोसिएट प्रोफेसर, परिधान और वस्त्र विज्ञान विभाग, सीओसीएस, सीसीएस एचएयू, हिसार, हरियाणा ने भी इसका सह-लेखन किया है।

यह अध्ययन रोगाणुरोधी-तैयार सूती कपड़ों के आरामदायक गुणों पर धुलाई के प्रभाव की जाँच करता है, तथा टिकाऊपन और प्रदर्शन के मूल्यांकन पर केंद्रित है। निष्कर्षों से पता चलता है कि एग्ज़ॉस्ट और पैड-ड्राई-क्योर विधियों का उपयोग करके 5 ग्राम/लीटर नींबू के छिलके के अर्क के साथ सूती कपड़े को तैयार करने से, बिना धुले तैयार नमूनों की तुलना में, धुले हुए तैयार कपड़ों तक यह शोध पत्र इस लिंक पर ऑनलाइन भी उपलब्ध है:

<https://www.agriculturaljournals.com/arch>

## ANSWER

एफटासा-2025 क दारान एफडाइआइ, बनूर क सकाय द्वारा प्रस्तुत शाध पत्र



डॉ. पूजा सिंह, संकाय, एफडीडीआई, बनूर  
परिसर प्रतिभागिता प्रमाण पत्र प्राप्त करते हुए



## प्रतिभागिता का प्रमाण पत्र

एफडीडीआई बनूर परिसर के स्कूल ऑफ फैशन डिजाइन (एफडी) की संकाय सदस्य डॉ. पूजा सिंह ने 31

जनवरी से 2 फरवरी 2025 तक आईआईटी दिल्ली में आयोजित फंक्शनल टेक्सटाइल्स एंड क्लोरिंग (एफटीसी-2025) सम्मेलन में एक शोध पत्र प्रस्तुत किया।

उन्होंने "फाल्कोनेरिया इंसिग्निस: संग्रहालय वस्त्र पुरावशेषों पर टिकाऊ परिष्करण हेतु एक नवीन पादप स्रोत" शीर्षक से अपना शोध पत्र प्रस्तुत किया। यह अध्ययन संग्रहालय वस्त्र कलाकृतियों के संरक्षण हेतु पर्यावरण-अनुकूल वानस्पतिक संसाधन के रूप में फाल्कोनेरिया इंसिग्निस की पड़ताल करता है। रोगाणुरोधी, कवकरोधी और कीटनाशक गुणों से युक्त इस विकसित परिष्करण को संग्रहालय के शोकेस में प्रयुक्त मूल वस्त्रों पर लगाया गया। चूंकि ये मूल वस्त्र प्रदर्शित वस्त्रों के सीधे संपर्क में रहते हैं, इसलिए इस प्रकार के टिकाऊ परिष्करण का प्रयोग विरासत वस्त्रों को कीड़ों एवं सूक्ष्मजीवों से बचाने का एक प्रभावी तरीका प्रदान करता है, जिससे उनके दीर्घकालिक संरक्षण में योगदान मिलता है।

### एफडीडीआई, जोधपुर परिसर के संकाय का संयुक्त शोध पत्र आईजेपीएमई में प्रकाशित

इंटरनेशनल जर्नल ऑफ प्रोडक्शन मैनेजमेंट एंड इंजीनियरिंग में "सतत विकास लक्ष्यों के लिए उद्योग 4.0 प्रौद्योगिकियों की खोज: एक व्यवस्थित साहित्य समीक्षा" शीर्षक से एक संयुक्त शोध पत्र 31 जनवरी 2025 को प्रकाशित किया गया।

शोध पत्र के सह-लेखक डॉ. प्रमोद कुमार, एसोसिएट प्रोफेसर, मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग, विवेकानन्द ग्लोबल यूनिवर्सिटी, जयपुर, डॉ. जय प्रकाश भामू, मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग, इंजीनियरिंग कॉलेज बीकानेर, राजस्थान; डॉ. जगदीश भादू, संकाय, स्कूल ऑफ फुटवियर डिजाइन एंड प्रोडक्शन (एफडीपी), एफडीडीआई जोधपुर परिसर; और श्री प्रवीण सारस्वत, स्वामी केशवानन्द इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, मैनेजमेंट एंड ग्रामोत्थान, जयपुर हैं।



डॉ. जगदीश भादू, संकाय,  
एफडीपी



शोध पत्र का प्रथम पेज

पूरा पेपर यहां उपलब्ध है<https://doi.org/10.4995/ijpme.2025.21155>

यह शोधपत्र उद्योग 4.0 (4.0) के विकास पर एक व्यवस्थित साहित्य समीक्षा प्रस्तुत करता है, जो हाल के वर्षों में वैश्विक विनिर्माण में एक परिवर्तनकारी अवधारणा के रूप में उभरा है। 2011 से 2022 की अवधि को कवर करते हुए, यह अध्ययन परिभाषाओं, शोध पद्धतियों, पत्रिकाओं और योगदान देने वाले लेखकों जैसे मानदंडों पर शोध प्रवृत्तियों का परीक्षण करता है, और सतत विकास लक्ष्यों के समर्थन पर केंद्रित है।

समीक्षा में 4.0 तकनीकों को अपनाने में छोटे उद्योगों के सामने आने वाली चुनौतियों पर प्रकाश डाला गया है, खासकर सीमित संसाधनों के कारण, तथा इस अंतर को पाटने के लिए सरकारी पहलों और विशेषज्ञ सहायता के महत्व पर ज़ोर दिया गया है। यह आगे के शोध के लिए आशाजनक अवसरों की पहचान करते हुए समाप्त होती है, खासकर गणितीय मॉडलिंग, आपूर्ति शृंखला प्रबंधन और उद्योग 4.0 तकनीकों के साथ स्थिरता को एकीकृत करने जैसे क्षेत्रों में कार्य करती है।

### एफडीडीआई के संकाय का शोध लेख 'द साइंस वर्ल्ड' में प्रकाशित हुआ

श्री सौरभ श्रीवास्तव, कनिष्ठ संकाय, स्कूल ऑफ फैशन डिजाइन (एफडी), एफडीडीआई – नोएडा परिसर द्वारा लिखित "अमृता शेरगिल, भारतीय आधुनिक कला की अग्रणी (अमृता शेरगिल, भारतीय आधुनिक कला की पायनियर)" शीर्षक से एक शोध लेख द साइंस वर्ल्ड ई-मैगज़ीन, जनवरी 2025 संस्करण, वॉल्यूम 5 (1), पीपी 6113-6115, आईएसएसएन 2583-2212 में प्रकाशित किया गया है।

यह लेख हंगेरियन-भारतीय चित्रकार अमृता शेरगिल के भारतीय कला पर प्रभाव को स्पष्ट करता है, उनकी विशिष्ट शैली एवं तकनीक पर प्रकाश डालता है, विशेष रूप से महिलाओं के जीवन और अनुभवों पर। आधुनिक भारतीय कला की अग्रदूत के रूप में पहचानी जाने वाली, शेरगिल कई उपन्यासकारों और नाटककारों की विषयवस्तु भी बनीं, जिससे सांस्कृतिक और कलात्मक विमर्श पर उनके प्रभाव की पुष्टि होती है।



श्री सौरभ श्रीवास्तव, कनिष्ठ संकाय,  
एफडी



शोध लेख

इस विषय को एफडीडीआई में फाउंडेशन बैच के छात्रों के लिए कला पाठ्यक्रम के भाग के रूप में चुना गया है, जिससे उन्हें प्रख्यात कलाकारों के जीवन और कार्यों के बारे में बहुमूल्य जानकारी प्राप्त करने में मदद मिलेगी, साथ ही वे कला के क्षेत्र में जीवनी प्रस्तुत करने और विद्वत्तापूर्ण लेख लिखने का तरीका भी सीखेंगे।

यह लेख इस लिंक पर ऑनलाइन उपलब्ध है: <https://zenodo.org/records/14773033>

### एफडीडीआई, चेन्नई परिसर के संकाय और छात्रों का शोध पत्र एजेबीआर में प्रकाशित

एफडीडीआई चेन्नई परिसर के स्कूल ऑफ फुटवियर डिजाइन एंड प्रोडक्शन (एफडीपी) के संकाय और छात्रों द्वारा एक शोध पत्र अफ्रीकी जर्नल ऑफ बायोमेडिकल रिसर्च (एजेबीआर) में प्रकाशित किया गया है।

"ऑप्टिमाइज़ेशन स्टडी एनालिसिस ऑफ वेजिटेबल टैनिंग फिनिशिंग टेक्निक्स इन शूज़: इंट्रोडक्शन ऑफ कलर क्लील मेथडोलॉजी (आईएसएसएन: 1119-5096, वॉल्यूम 28 नंबर 1एस) शीर्षक वाला पेपर 16 जनवरी 2025 को प्रकाशित हुआ था।

श्री विश्व कुमार, वरिष्ठ संकाय ग्रेड-II, एफडीपी, एफडीडीआई चेन्नई परिसर, तथा छात्रों सुश्री निधि आर एस (बी.डेस तृतीय वर्ष - एफडीपी), सुश्री एलिजाबेथ जैकब (बी.डेस तृतीय वर्ष - एफडीपी) और श्री जसवंत नायर (एम.डेस द्वितीय वर्ष - एफडीपी) द्वारा लिखित इस शोधपत्र में टिकाऊ चमड़ा कमाना प्रक्रियाओं में अभूतपूर्व प्रगति पर प्रकाश डाला गया है।

यह शोध वनस्पति टैनिंग पर केंद्रित है, जो चमड़े के प्रसंस्करण की एक प्राचीन विधि है जिसमें पौधों से प्राप्त टैनिन का उपयोग किया जाता है। अपने पर्यावरण-अनुकूल और जैव-नियन्त्रिकरणीय गुणों के लिए प्रसिद्ध, वनस्पति टैनिंग आधुनिक फैशन उद्योग, विशेष रूप से फुटवियर निर्माण में, नई प्रासंगिकता प्राप्त कर रही है। हालाँकि, रंगों की एकरूपता, स्थायित्व और सतह की गुणवत्ता बनाए रखना व्यावसायिक रूप से अपनाने के लिए एक चुनौती बनी हुई है।

### नाम एवं विवरण

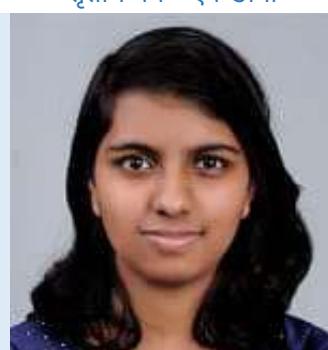
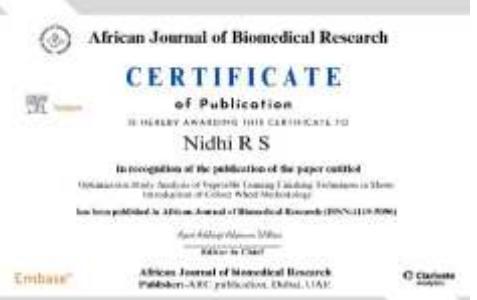


श्री विश्व कुमार, वरिष्ठ संकाय, ग्रेड-II

### प्रकाशन का प्रमाण पत्र



सुश्री निधि आर एस - बी.डेस  
 तृतीय वर्ष - एफडीपी



सुश्री एलिजाबेथ जैकब बी.डेस  
 तृतीय वर्ष - एफडीपी



श्री जसवंत नायर, एम.डिज़ाइन  
 द्वितीय वर्ष - एफडीपी



यह अध्ययन वनस्पति टैनिंग परिष्करण तकनीकों को अनुकूलित करने के लिए कलर व्हील पद्धति का परिचय देता है, जो टिकाऊ फुटवियर अनुप्रयोगों के लिए चमड़े के सौंदर्य एवं कार्यात्मक गुणों को बढ़ाने के लिए एक वैज्ञानिक दृष्टिकोण प्रदान करता है।

यह शोधपत्र कलर व्हील पद्धति के अनुप्रयोग को स्पष्ट करता है, जो उन्नत परिष्करण तकनीक, बेहतर रंग स्थिरता, स्थायित्व और अधिक स्थिरता को सक्षम बनाता है, जिससे उद्योग में वनस्पति-टैच चमड़े की व्यावसायिक व्यवहार्यता को बढ़ावा मिलता है।

यह शोध आधुनिक फुटवियर निर्माण की चुनौतियों का समाधान करने के लिए पारंपरिक शिल्प कौशल को वैज्ञानिक उपकरणों के साथ एकीकृत करने की क्षमता पर ज़ोर देता है। रंग परिवर्तनशीलता, टिकाऊपन और सौंदर्यपरक आकर्षण को बढ़ाकर, यह अध्ययन वनस्पति-रंगीन चमड़े को वैश्विक फैशन उद्योग के लिए व्यावसायिक रूप से व्यवहार्य और टिकाऊ सामग्री के रूप में स्थापित करता है।

शोध पत्र का अवलोकन यहां किया जा सकता है:

<https://africanjournalofbiomedicalresearch.com/index.php/AJBR/article/view/6221>

## एफडीडीआई के संकाय का शोध लेख 'द साइंस वर्ल्ड' में प्रकाशित हुआ

श्री सौरभ श्रीवास्तव, कनिष्ठ संकाय, स्कूल ऑफ फैशन डिजाइन (एफडी), एफडीडीआई नोएडा परिसर द्वारा लिखित 'भीमबेटका चित्रकला तकनीकी एवं इतिहास' शीर्षक से एक शोध लेख, द साइंस वर्ल्ड ई-पत्रिका, जनवरी 2025 संस्करण, खंड 5 (1), आईएसएसएन: 2583-2212 में प्रकाशित किया गया है।

यह लेख भीमबेटका के कला इतिहास की खोज करता है, सदियों से चली आ रही अद्भुत कलात्मक विरासत पर प्रकाश डालता है और उसे समकालीन दर्शकों के सामने प्रस्तुत करता है। यह भीमबेटका के इतिहास, मानव सभ्यता के विभिन्न पहलुओं को दर्शाने वाले गुफा चित्रों, और इन कलाकृतियों को बनाने में प्रयुक्त तकनीकों और रंगों पर प्रकाश डालता है। यह लेख दृश्य कथाओं के माध्यम से प्रारंभिक मानव अभिव्यक्ति के विकास पर बहुमूल्य जानकारी प्रदान करता है।

यह लेख इस लिंक पर ऑनलाइन उपलब्ध है: <https://doi.org/10.5281/zenodo.14629504>



श्री सौरभ श्रीवास्तव, कनिष्ठ संकाय, एफडी

शोध लेख का एक दृश्य

## एनआईएसटीआई-आईआईटी दिल्ली सम्मेलन के दौरान एफडीडीआई, नोएडा के संकाय द्वारा प्रस्तुत शोध पत्र



श्रीमती श्वेता कुमारी, वरिष्ठ संकाय,  
एलजीएडी, एफडीडीआई - नोएडा

प्रतिभागिता का प्रमाण पत्र

एफडीडीआई का प्रतिनिधित्व करते हुए, स्कूल ऑफ लेदर गुड्स एंड एक्सेसरीज डिज़ाइन (एलजीएडी) की वरिष्ठ संकाय सदस्य श्रीमती श्वेता कुमारी ने 14 दिसंबर 2024 को आईआईटी दिल्ली में आयोजित नॉर्थ इंडिया सेक्शन ऑफ द

टेक्सटाइल इंस्टिट्यूट (एनआईएसटीआई) सम्मेलन में "सस्टेनेबिलिटी इन टेक्सटाइल एंड क्लोदिंग" विषय पर एक शोध पत्र प्रस्तुत किया। इस सम्मेलन का उद्देश्य उद्योग, उद्यमिता तथा संपूर्ण आपूर्ति शृंखला के परिप्रेक्ष्य में बहुआयामी स्तरों पर स्थिरता (सस्टेनेबिलिटी) पर विचार-विमर्श के लिए एक सक्रिय मंच तैयार करना था।

एफडीडीआई का प्रतिनिधित्व करते हुए, स्कूल ऑफ लेदर गुड्स एंड एक्सेसरीज डिज़ाइन (एलजीएडी) की वरिष्ठ संकाय सदस्य श्रीमती श्वेता कुमारी ने 14 दिसंबर 2024 को आईआईटी दिल्ली में आयोजित नॉर्थ इंडिया सेक्शन ऑफ द टेक्सटाइल इंस्टिट्यूट (एनआईएसटीआई) सम्मेलन के "सस्टेनेबिलिटी इन टेक्सटाइल एंड क्लोदिंग" विषय पर द्वितीय तकनीकी सत्र के दौरान अपना शोध-पत्र "सस्टेनेबिलिटी मीट्स परफॉर्मेंस: डिज़ाइनिंग ईको-फ्रेंडली स्पोर्ट्स शूज़ फॉर एमेच्योर एथलीट्स" प्रस्तुत किया। उनके शोध ने प्रदर्शन-उन्मुख फुटवियर डिज़ाइन में स्थिरता (सस्टेनेबिलिटी) के समावेश को रेखांकित किया, जिससे उद्योग में पर्यावरण-हितैषी प्रथाओं की बढ़ती आवश्यकता को संबोधित किया जा सके।

### एफडीडीआई, नोएडा परिसर के छात्रों एवं संकाय का संयुक्त शोध पत्र आईजेसीआरटी में प्रकाशित

स्कूल ऑफ लेदर गुड्स एंड एक्सेसरीज डिज़ाइन (एलजीएडी) के छात्रों - सुश्री माधुरी, सुश्री अनुष्का, श्री देव्यांश और सुश्री मानसी - द्वारा एलजीएडी की वरिष्ठ संकाय सुश्री श्वेता कुमारी के मार्गदर्शन में लिखित "आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस- ए डाइव इन इट्स एप्लीकेशन एंड स्कोप इन द डिजाइन इंडस्ट्री" शीर्षक से एक संयुक्त शोध पत्र इंटरनेशनल जर्नल ऑफ क्रिएटिव रिसर्च थॉट्स (आईजेसीआरटी) में प्रकाशित किया गया है।

यह आलेख डिजाइन उद्योग में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) की परिवर्तनकारी भूमिका पर प्रकाश डालता है, तथा इसके अनुप्रयोगों, लाभों और समकालीन डिजाइन प्रथाओं को नया रूप देने की क्षमता का विश्लेषण करता है।



एलजीएडी, एफडीडीआई, नोएडा के छात्र और संकाय

**Artificial Intelligence - A Dive Into Its Applications and Scope in the Design Industry**

A. M. N. Badami, \*Anuradha Akheri, \*\*Devyani Jaiswal, \*\*\*Shanti Mehta, \*\*\*\*Sneha Koushik  
\*Student, \*\*Student, \*\*\*Student, \*\*\*\*Student Faculty, Department of Leather Goods & Accessories Design, Economic Design & Development Institute, A- 101 A, Sector 24, Noida - 201301, Uttar Pradesh, India.

**Abstract:** The use of Artificial Intelligence (AI) technology has transformed numerous industries with its cutting-edge capabilities. This research paper offers an insightful analysis of AI, exploring its various applications like machine learning, neural networks, and natural language processing. It also explores the integration of AI in the design industry, specifically in leather goods and accessories. The paper highlights how AI is revolutionizing the design process, streamlining operations, and enhancing product quality. It discusses how AI is transforming traditional leather goods and accessories, and how it is revolutionizing the industry. The paper also examines future trends in AI research, including personalization, ethical concerns, and the convergence of AI with other industries. Overall, it underscores the crucial role of AI in shaping the future of leather goods and accessories.

**Keywords:** Artificial Intelligence, leather, accessories, technology, machine learning.

एलजीएडी, एफडीडीआई, नोएडा के छात्रों  
और संकाय के संयुक्त शोध पत्र का एक व्यापक

एलजीएडी की वरिष्ठ संकाय सदस्य सुश्री श्वेता कुमारी के मार्गदर्शन में, छात्र लेखकों ने यह पता लगाया कि कैसे एआई टिकाऊ फैशन, व्यक्तिगत ग्राहक अनुभव एवं कुशल आपूर्ति शृंखला प्रबंधन में महत्वपूर्ण योगदान दे सकता है। प्रौद्योगिकी और रचनात्मकता के बीच सेतु बनाकर, यह अध्ययन वैश्विक स्थिरता लक्ष्यों के साथ तालमेल बिठाते हुए नवाचार को बढ़ावा देने की एआई की क्षमता पर ज़ोर देता है।

यह शोध पत्र इस लिंक पर उपलब्ध है: <https://ijcrt.org/>

**एफडीडीआई, जोधपुर परिसर के संकाय का संयुक्त शोध पत्र ईएमजे (टेलर एंड फ्रांसिस ग्रुप) में प्रकाशित**

6 दिसंबर 2024 को इंजीनियरिंग मैनेजमेंट जर्नल (टेलर एंड फ्रांसिस ग्रुप) में "स्थायित्व की दिशा में लीन मैन्युफैक्चरिंग और उद्योग 4.0 के एकीकृत ढांचे का कार्यान्वयन: भारतीय सिरेमिक उद्योग का एक केस स्टडी" शीर्षक से एक संयुक्त शोध पत्र प्रकाशित किया गया।



डॉ. जगदीश भाटू, संकाय, एफडीपी



संयुक्त शोध पत्र का कवर पेज

इस सहयोगात्मक कार्य के सह-लेखक डॉ. जगदीश भाटू, संकाय, स्कूल ऑफ

फुटवियर डिजाइन एंड प्रोडक्शन (एफडीपी), एफडीडीआई जोधपुर परिसर; डॉ. जयप्रकाश भासू और डॉ. धर्मेंद्र सिंह, मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग, इंजीनियरिंग कॉलेज बीकानेर, राजस्थान; श्री प्रवीण सारस्वत, स्वामी केशवानन्द इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, मैनेजमेंट एंड ग्रामोत्थान, जयपुर; और डॉ. राजीव अग्रवाल, मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग, मालवीय राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, जयपुर हैं।

यह शोध पत्र ऑनलाइन उपलब्ध है: <https://doi.org/10.1080/10429247.2024.2440248>

यह शोधपत्र अर्ध-प्रक्रिया सिरेमिक उद्योग का एक केस स्टडी प्रस्तुत करता है, जो दर्शाता है कि कैसे लीन मैन्युफैक्चरिंग सिद्धांतों को उद्योग 4.0 तकनीकों के साथ जोड़कर प्रभावी रूप से अपशिष्ट को समाप्त किया जा सकता है, मूल्य सृजन को बढ़ाया जा सकता है और दोषों को कम किया जा सकता है। यह श्रम-प्रधान, ऑर्डर-आधारित, मध्यम-स्तरीय विनिर्माण वातावरण में इन सिद्धांतों की प्रयोज्यता को दर्शाता है, और स्थायी संगठनात्मक विकास को गति देने में उनकी भूमिका पर प्रकाश डालता है।

### एफडीडीआई के संकाय का शोध लेख 'द साइंस वर्ल्ड' में प्रकाशित

श्री सौरभ श्रीवास्तव, कनिष्ठ संकाय, स्कूल ऑफ फैशन डिजाइन (एफडी), एफडीडीआई नोएडा परिसर द्वारा लिखित "भारत की कला एवं संस्कृति" शीर्षक से एक शोध लेख, द साइंस वर्ल्ड ई-पत्रिका, दिसंबर 2024 संस्करण, वॉल्यूम 4 (12), आईएसएसएन 2583-2212 में प्रकाशित किया गया।

यह लेख पिछली कुछ शताब्दियों में भारतीय कला और संस्कृति के विकास का पता लगाता है और इसके विकास पर विदेशी सभ्यताओं और आक्रमणों के प्रभावों का परीक्षण करता है। यह इस बात पर प्रकाश डालता है कि कैसे भारतीय कला एवं संस्कृति निरंतर विकसित होकर अपनी वर्तमान समृद्धि और विविधता को प्राप्त करती रही है।



श्री सौरभ श्रीवास्तव, कनिष्ठ संकाय, एफडी

यह लेख ऑनलाइन उपलब्ध है: <https://doi.org/10.5281/zenodo.14339271>

### अंतर्राष्ट्रीय ई-सम्मेलन के दौरान एफडीडीआई, चेन्नई के संकाय द्वारा प्रस्तुत शोध पत्र

सुश्री दिव्या एस, कनिष्ठ संकाय, स्कूल ऑफ फैशन डिजाइन (एफडी), एफडीडीआई चेन्नई ने 5-6 दिसंबर, 2024 को वर्चुअल रूप से आयोजित स्मार्ट टेक्सटाइल्स एंड इमर्जिंग टेक्नोलॉजीज



सुश्री दिव्या एस, कनिष्ठ संकाय, एफडीडीआई, चेन्नई

प्रतिभागिता का प्रमाण पत्र

(एसटीईटी 2024) पर अंतर्राष्ट्रीय ई-सम्मेलन में "आौटिमल प्रेशर डिस्ट्रीब्यूशन के लिए 3D प्रिंटिंग टेक्नोलॉजी का उपयोग करके ब्रैसियर अंडरवायर का अनुकूलन" शीर्षक से अपना शोध पत्र प्रस्तुत किया।

इस शोधपत्र में बैसियर अंडरवायर को अनुकूलित करने में 3डी प्रिंटिंग तकनीक के अनुप्रयोग का अध्ययन किया गया है ताकि पहनने वाले के शरीर पर दबाव का वितरण बेहतर हो सके और इस प्रकार अधिक आराम और सहारा सुनिश्चित हो सके। 3डी प्रिंटिंग में प्रगति का लाभ उठाकर, अध्ययन ने इस बात पर ज़ोर दिया कि कैसे परिधान निर्माण, पहनने वाले की विशिष्ट प्राथमिकताओं और शारीरिक विशेषताओं के अनुरूप व्यक्तिगत डिज़ाइनों से लाभान्वित हो सकता है। यह नवाचार न केवल आराम को बढ़ाता है, बल्कि फैशन उद्योग में अनुकूलित, उच्च-प्रदर्शन वाले परिधानों की बढ़ती माँग को भी पूरा करता है।

टेक्सटाइल्स एंड मैटेरियल्स रिसर्च लिमिटेड, न्यूज़ीलैंड द्वारा आयोजित एसटीईटी 2024 सम्मेलन ने स्मार्ट टेक्सटाइल्स के क्षेत्र में अत्याधुनिक विकास की एक विस्तृत शृंखला को प्रदर्शित किया। इसमें शोध विशेषज्ञों, शिक्षाविदों, उद्योग के नवप्रवर्तकों एवं विद्वानों ने प्रस्तुतियाँ दीं, जिनमें टेक्सटाइल्स के भविष्य को आकार देने वाली उभरती तकनीकों का व्यापक अन्वेषण प्रस्तुत किया गया। इस कार्यक्रम ने इस बारे में बहुमूल्य जानकारी प्रदान की कि ये प्रगति फैशन और कार्यात्मक वियरेबल्स, दोनों में कैसे बदलाव ला सकती है।

## एफडीडीआई, चेन्नई परिसर के संकाय द्वारा सह-लिखित तकनीकी लेख आईजेर्ड आरडी में प्रकाशित



डॉ. डी. अनीता राचेल, वरिष्ठ संकाय ग्रेड-II, एफडी



प्रकाशन का प्रमाण पत्र

डॉ. डी. अनीता राचेल, वरिष्ठ संकाय ग्रेड-II, स्कूल ऑफ फैशन डिजाइन (एफडी), एफडीडीआई चेन्नई परिसर द्वारा सह-लिखित एक तकनीकी लेख, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इंजीनियरिंग रिसर्च एंड डेवलपमेंट (आईजेर्ड आरडी) में प्रकाशित हुआ।

शीर्षक वाला लेख, जर्नल के वॉल्यूम 20, अंक 11 (नवंबर 2024), पीपी 1397-1415 (ई-आईएसएसएन: 2278-067X, पी-आईएसएसएन: 2278-800X) में प्रकाशित हुआ। यह ऑनलाइन उपलब्ध है: <https://mail.ijerd.com/paper/certificates/Volume-20/Issue-11/IJERD-129.pdf>

यह शोधपत्र पहनने योग्य चिकित्सा उपकरणों में हुई प्रगति का विशेषण करता है, विशेष रूप से स्वास्थ्य सेवा निगरानी के लिए टेक्सटाइल इलेक्ट्रोड्स पर केंद्रित है। यह पारंपरिक गीले एजी/एजीसीएल इलेक्ट्रोड्स से जैल-मुक्त शुष्क इलेक्ट्रोड्स की ओर हुए बदलाव पर प्रकाश डालता है, जिससे घर बैठे ही इलेक्ट्रोकार्डियोग्राम (ईसीजी) और इलेक्ट्रोमायोग्राम (ईएमजी) जैसे जैव-संभावित संकेतों की निरंतर और सटीक निगरानी संभव हो पाती है। कभी बुनियादी सुरक्षा तक सीमित रहे टेक्सटाइल्स अब बुद्धिमान सामग्रियों में विकसित हो गए हैं, जो सांस लेने योग्य और आरामदायक प्रवाहकीय इलेक्ट्रोड्स प्रदान करते हैं।

यह लेख विभिन्न प्रकार के टेक्स्टाइल इलेक्ट्रोड के लाभों, सीमाओं तथा चुनौतियों पर चर्चा करता है और साथ ही भविष्य के अनुसंधान की संभावित दिशाओं की पहचान करता है। वायरलेस पोर्टेबल स्वास्थ्य निगरानी प्रणालियों तक विस्तारित अनुप्रयोगों के साथ, ये इलेक्ट्रोड दौड़ने, तैरने और व्यायाम जैसी शारीरिक गतिविधियों के दौरान भी विश्वसनीय सिग्नल संग्रह की संभावना रखते हैं।

## सम्मेलन के दौरान एफडीडीआई, हैदराबाद परिसर के संकाय द्वारा प्रस्तुत संयुक्त शोध पत्र अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका में प्रकाशित

एफडीडीआई हैदराबाद परिसर के संकाय सदस्य डॉ. रामबाबू मुप्पीदी और श्री एलायराजा द्वारा किया गया एक संयुक्त शोध अध्ययन, 22 अगस्त 2024 को, इधाया महिला महाविद्यालय, कला एवं प्रबंधन विभाग, सरुगनी, तमिलनाडु में आयोजित बहु-विषयक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (एमआईडीआईसी-2024) में प्रस्तुत किया गया। यह सम्मेलन शिक्षा अनुसंधान एवं विकास संघ (ईआरडीए) के सहयोग से आयोजित किया गया था।

"वैक्स आर्ट: इनोवेटिव सॉल्यूशंस इन स्टेनेबल रिसर्च" शीर्षक वाला यह पेपर बाद में यूजीसी केयर-सूचीबद्ध इंटरनेशनल जर्नल जर्नल ऑफ़ क्रिएटिव रिसर्च थॉट्स (आईजेसीआरटी), खंड 12, अंक 8, अगस्त 2024 (आईएसएसएन: 2320-2882, पृष्ठ 18-24) में प्रकाशित हुआ।



डॉ. रामबाबू मुप्पीदी, संकाय, एलजीएडी



सम्मेलन का प्रमाण पत्र



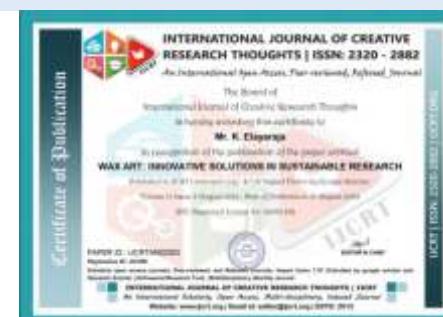
प्रकाशन का प्रमाण पत्र



श्री के. एलायराजा, वरिष्ठ संकाय, एफडीपी



सम्मेलन का प्रमाण पत्र



प्रकाशन का प्रमाण पत्र

अध्ययन में तेलंगाना के मियापुर के तेलुगु क्षेत्र पर प्रकाश डाला गया है, जो मधुमक्खी के मोम, डामर के पेड़ के रस और पिगमेंट पाउडर से बने विशिष्ट रंग के लिए प्रसिद्ध है। पिघलाकर एवं फिर से गर्म करके लगाया गया यह रंग, एक चिकनी, तामचीनी जैसी फिनिश देता है। यह पारंपरिक मोम कला मछलीपट्टनम और श्रीकालहस्ती के कलमकारी कलाकारों से गहराई से जुड़ी हुई है।

इस शोधपत्र में वैश्विक प्रथाओं के साथ समानताएं भी दर्शाई गई हैं, तथा बताया गया है कि किस प्रकार एशियाई और अफ्रीकी कलाकार टाई-डाई तकनीक का उपयोग करते हैं, जो पारंपरिक समारोहों में निहित होते हुए भी, विश्व भर में समकालीन फैशन के प्रतीक के रूप में विकसित हो गई है।

यह शोध पत्र शोधार्थियों, डिज़ाइन छात्रों, शैक्षणिक पेशेवरों, कलाकारों और डिज़ाइनरों के बीच भारतीय कला रूपों को बढ़ावा देने में विशेष रूप से उपयोगी होगा, तथा उन्हें कला, शिल्प और डिज़ाइन के अंतर्संबंधों में सार्थक अंतर्दृष्टि प्रदान करेगा। पारंपरिक प्रथाओं का दस्तावेजीकरण करके और उन्हें स्थायी नवाचारों से जोड़कर, यह अध्ययन एक सशक्त शैक्षणिक संसाधन प्रदान करता है और साथ ही भारत की समृद्ध कलात्मक विरासत की वैश्विक दृश्यता में भी योगदान देता है।

### एफडीडीआई, नोएडा परिसर के संकाय द्वारा सह-लिखित तकनीकी लेख इंडियन टेक्स्टाइल पत्रिका में प्रकाशित

डॉ. डी. अनीता राचेल, वरिष्ठ संकाय ग्रेड-II, स्कूल ऑफ फैशन डिज़ाइन (एफडी), एफडीडीआई, नोएडा परिसर द्वारा सह-लिखित एक तकनीकी लेख इंडियन टेक्स्टाइल जर्नल (आईटीजे) में प्रकाशित हुआ है।

"इको फैशन इन सप्लाई चेन" शीर्षक वाला यह लेख पत्रिका के खंड 134, अंक 11 (अगस्त 2024) में प्रकाशित हुआ है, जिसका आईएसएसएन: 0019-6436 है और यह पृष्ठ 51-55 पर प्रकाशित हुआ है। यह प्रकाशन

<https://pdf.indiantextilejournal.com/Monthly-Edition/PDF-version/August-2024/index.html>, [www.indiantextilejournal.com](http://www.indiantextilejournal.com) पर उपलब्ध है।



डॉ. डी. अनीता राचेल, वरिष्ठ संकाय ग्रेड II, एफडी

आईटीजे में प्रकाशन का कवर पेज

यह लेख परिधान उद्योग के लिए ऐसे उत्पाद विकसित करने की आवश्यकता पर ज़ोर देता है जो सामाजिक एवं पर्यावरणीय दोनों प्रभावों को ध्यान में रखते हों। यह उपभोक्ताओं को सामाजिक उत्तरदायित्व के सिद्धांतों के अनुरूप उत्पाद उपलब्ध कराने के लिए प्राकृतिक सामग्रियों के उपयोग जैसी स्थायी प्रथाओं को अपनाने के महत्व पर प्रकाश डालता है।

## एफडीडीआई गुना परिसर के शैक्षणिक संकाय का शोध पत्र आईएसजेर्इएम में प्रकाशित

एफडीडीआई गुना परिसर के स्कूल ऑफ फुटवियर डिजाइन एंड प्रोडक्शन (एफडीपी) के संकाय सदस्य श्री वरुण त्रिपाठी और लैब सहायक श्री राकेश यादव द्वारा लिखित एक संयुक्त शोध पत्र इंटरनेशनल साइंटिफिक जर्नल ऑफ इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट (आईएसजेर्इएम) में प्रकाशित हुआ है।



श्री वरुण त्रिपाठी, संकाय, एफडीडीआई, गुना परिसर



प्रकाशन का प्रमाण पत्र

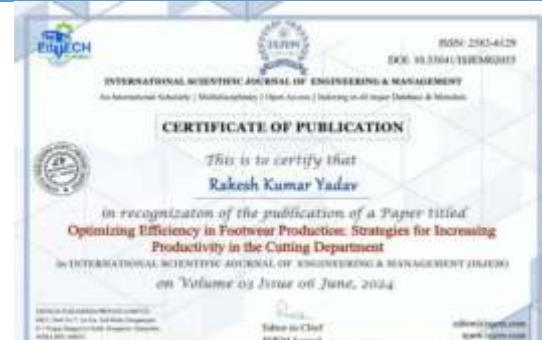
"फुटवियर उत्पादन में दक्षता का अनुकूलन: कटिंग विभाग में उत्पादकता बढ़ाने की रणनीतियाँ" शीर्षक का वाला यह शोधपत्र, फुटवियर उद्योग के कटिंग विभाग में उत्पादकता बढ़ाने की प्रभावी रणनीतियों का विश्लेषण करता है। यह अध्ययन प्रक्रिया सुधार, संसाधन उपयोग एवं परिचालन दक्षता पर ज़ोर देता है, और व्यावहारिक जानकारी प्रदान करता है जो फुटवियर निर्माण में उच्च उत्पादन और बेहतर गुणवत्ता में योगदान दे सकता है।

यह शोधपत्र उन पद्धतियों, नवाचारों एवं निष्कर्षों पर चर्चा करता है जो इस क्षेत्र में समझ तथा प्रथाओं को बढ़ाने में योगदान करते हैं।

यह शोधपत्र डीओआई 10.55041/ISJEM 02055, आईएसएसएन: 2583-6129, प्रकाशन तिथि 17 जून, 2024 को <https://isjem.com/volume03issue06june2024/> पर उपलब्ध है।



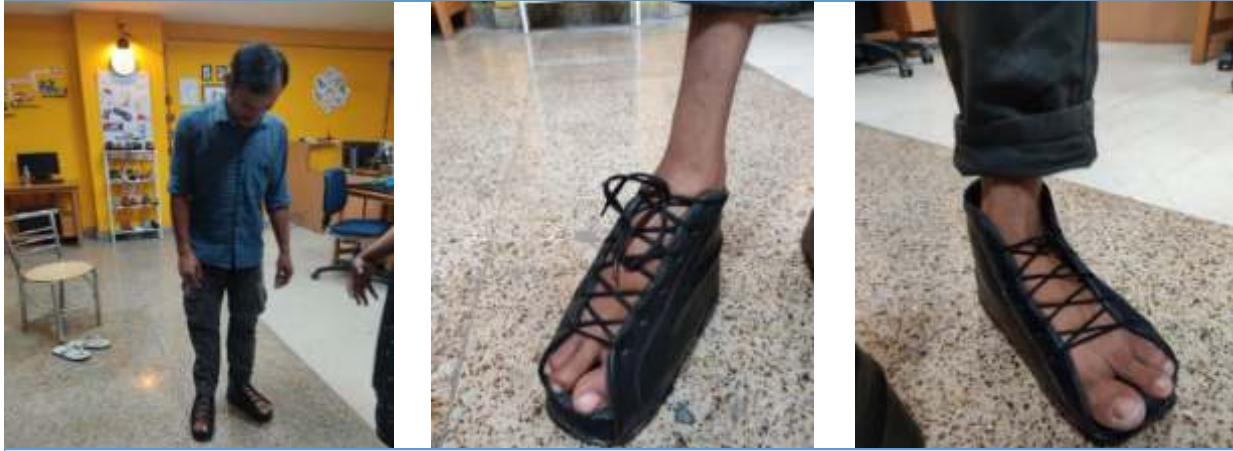
श्री राकेश यादव, लैब सहायक, एफडीडीआई, गुना परिसर



प्रकाशन का प्रमाण पत्र

एफडीडीआई, नोएडा परिसर के संकाय द्वारा सह-लिखित तकनीकी लेख आईजेर्इआरडी में प्रकाशित एफडीडीआई नोएडा परिसर के स्कूल ऑफ फैशन डिजाइन (एफडी) की वरिष्ठ संकाय ग्रेड-II। डॉ. डी. अनीता रेचेल द्वारा सह-लिखित एक तकनीकी लेख इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इंजीनियरिंग रिसर्च एंड डेवलपमेंट (आईजेर्इआरडी) में प्रकाशित हुआ है।





एलएलडी से पीड़ित व्यक्ति के लिए मूल कारण विश्लेषण

बायोमैकेनिक्स, ऑर्थोपेडिक्स और इंजीनियरिंग को एकीकृत करने वाले एक बहु-विषयक दृष्टिकोण का उपयोग करते हुए, यह अध्ययन अंग लंबाई विसंगति (एलएलडी) से जुड़ी चुनौतियों का समाधान करने के लिए विकसित किए गए कई तकनीक-संवर्धित फुटवियर के साथ उपयोगकर्ता के अनुभव और संतुष्टि के स्तर का और अधिक अन्वेषण करता है, और उनके व्यावहारिक लाभों और संभावित सीमाओं के बारे में जानकारी प्रदान करता है।

यह लेख मौजूदा साहित्य एवं केस अध्ययनों की व्यापक समीक्षा के माध्यम से, छात्र एलएलडी से प्रभावित व्यक्तियों की गतिशीलता, पुनर्वास और जीवन की समग्र गुणवत्ता को बढ़ाने में इन नवाचारों की प्रभावशीलता पर जोर देते हैं।



श्री बिजिन सैमुअल रॉय



सुश्री ग्रेस फ्रांसिस



श्री रोहित



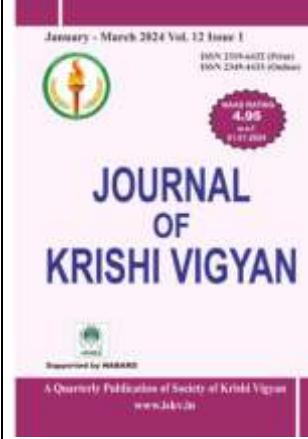
श्री कार्तिक शिवा

एलएलडी से पीड़ित व्यक्तियों के लिए डिज़ाइन किए गए तकनीक-संवर्धित व्यक्तिगत फुटवियर के मूल्यांकन से उपयोगकर्ताओं की गहन प्रतिक्रिया मिली। एलएलडी से पीड़ित एक पेट्रोल पंप पर कार्यरत श्री मोहम्मद जाबिर ने प्रोटोटाइप के दो सप्ताह के परीक्षण में भाग लिया और उल्लेखनीय आराम और उपयोगिता की सूचना दी।

यह शोध पत्र इंटरनेशनल जर्नल ऑफ साइंटिफिक रिसर्च इन साइंस एंड टेक्नोलॉजी (आईजेएसआरएसटी) में प्रकाशित हुआ है, जो एक रेफरीड, पीयर-रिव्यूड और इंडेक्स्ड जर्नल है। इसका अवलोकन यहाँ किया जा सकता है: आईजेएसआरएसटी / 5.75 इम्पैक्ट फैक्टर, रेफरीड जर्नल, पीयर जर्नल और इंडेक्स्ड जर्नल (ऑनलाइन ISSN: 2395-602X | प्रिंट ISSN: 2395-6011)।/वॉल्यूम 11 नंबर 3 (2024): मई-जून DOI:<https://ijsrst.com/index.php/home/article/view/IJSRST5241133>

## एफडीडीआई संकाय का संयुक्त शोध पत्र कृषि विज्ञान जर्नल में प्रकाशित

एफडीडीआई के फैशन डिजाइन स्कूल (एफडी) की डॉ. सुशीला हुड्डा द्वारा लिखित "एटीबैकटीरियल हर्बल फिनिश का उपयोग करते हुए स्वास्थ्य देखभाल वस्त्र उत्पाद" शीर्षक से एक संयुक्त शोध पत्र कृषि विज्ञान जर्नल (खंड 12, अंक 1, जनवरी-मार्च 2024, पृष्ठ 92-98, आईएसएसएन 2319-6432) में प्रकाशित किया गया है, जो स्वास्थ्य देखभाल वस्तों में हर्बल जीवाणुरोधी फिनिश के अनुप्रयोग की पड़ताल करता है और चिकित्सा और स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में स्वच्छता, सुरक्षा और स्थिरता को बढ़ाने में उनकी क्षमता पर प्रकाश डालता है।

डॉ. सुशीला हुड्डा, कनिष्ठ संकाय-एफडीडीआई	कवर पेज
	

इस शोध पत्र में, स्वच्छता और उपयोगिता वस्त्र श्रेणी से चुने गए उत्पादों में बहुउद्देशीय पोंछे और एप्रन, सफाई वस्त्र, रसोई के नैपकिन और हाथ तौलिए से, और चिकित्सा वस्त्र श्रेणी के मास्क और हेड कवर शामिल थे। कुल तीस डिज़ाइन - प्रत्येक चयनित लेख के लिए पाँच डिज़ाइन - बनाए गए थे, और प्रत्येक उत्पाद के लिए शीर्ष क्रम के डिज़ाइन को हर्बल-तैयार कपड़े का उपयोग करके विकास के लिए चुना गया था। सूती बुने हुए कपड़े का उपयोग बहुउद्देशीय पोंछे, एप्रन, रसोई के नैपकिन और सिर के कवर के विकास के लिए किया गया था, जबकि कपास बुना हुआ कपड़ा हाथ तौलिये और फेस मास्क के लिए चुना गया था।



# पेटेंट और नवाचार

एफडीडीआई, हैदराबाद परिसर के संकाय और अन्य को संयुक्त रूप से 'टेबल टॉप आर्टिकल' के लिए डिज़ाइन पंजीकरण प्रदान किया गया

एफडीडीआई स्कूल ऑफ लेदर गुड्स एंड एक्सेसरीज डिज़ाइन (एलजीएडी), हैदराबाद परिसर में डिज़ाइन संकाय डॉ. रामबाबू मुप्पीदी ने दो सहयोगियों के साथ मिलकर 'टेबल टॉप आर्टिकल' शीर्षक से छोटे लकड़ी के सामान के लिए अपना अभिनव डिज़ाइन भारतीय पेटेंट कार्यालय, बौद्धिक संपदा भवन, कोलकाता को डिज़ाइन संरक्षण के लिए प्रस्तुत किया।

डिज़ाइन को डिज़ाइन संख्या: 440947-001, सीबीआर संख्या: 223390 दी गई है और यह वर्ग: 11-02 के अंतर्गत आता है। रेजोल्यूट 4आईपी के संस्थापक और कानूनी एवं बौद्धिक संपदा अधिकार प्रमुख श्री सुभाजीत साहा के सहयोग से, आवेदन 17 दिसंबर 2024 को प्रस्तुत किया गया एवं 6 फरवरी 2025 को आधिकारिक पंजीकरण प्रदान किया गया।

डॉ. रामबाबू मुप्पीदी के अलावा, निरमा विश्वविद्यालय के सहायक प्रोफेसर श्री कृष्ण कुमार यादव तथा एलीट इंटरनेशनल स्कूल की लाइब्रेरियन श्रीमती कलापाल वनजा ने डिज़ाइन के अनुसंधान और विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया।



डॉ. रामबाबू मुप्पीदी, संकाय, एलजीएडी, एफडीडीआई, हैदराबाद परिसर

डिज़ाइन: 'टेबल टॉप आर्टिकल'

संदर्भ चित्र: निर्मल शिल्प पर क्षेत्र अनुसंधान अध्ययन और विश्लेषण हेतु दस्तावेज़ीकरण

डिज़ाइन के पंजीकरण का प्रमाणपत्र

टेबलटॉप कलाकृतियों का डिज़ाइन निर्मल खिलौनों से प्रेरित है, जिनमें बच्चों को आकर्षित करने वाले पक्षी रूपांकनों का उपयोग किया गया है। टीम ने छोटे लकड़ी के टेबलटॉप सामानों के लिए रचनात्मक अवधारणाएँ विकसित कीं, जिन्हें विशेष रूप से कारीगर समुदाय के लाभ के लिए तैयार किया गया है। तेलापोनिकी लकड़ी और मस्सेनेट लकड़ी (जिसे आमतौर पर सफेद लकड़ी के रूप में जाना जाता है) से शिल्पकला की परंपरा तेलंगाना के आदिलाबाद जिले में, विशाखापत्तनम के एटिकोप्पाका शिल्प के साथ-साथ विशाखापत्तनम क्षेत्र में गहराई से निहित है।

यह शोध आंध्र प्रदेश और तेलंगाना के कोंडापल्ली एवं निर्मल के स्थानीय शिल्पों के दस्तावेजीकरण और अध्ययन की सरकारी पहलों के अनुरूप है। छात्रों को इन समृद्ध हस्तशिल्प समूहों से परिचित कराकर, इस परियोजना का उद्देश्य रचनात्मकता को प्रेरित करना, प्रयोगशीलता को बढ़ावा देना और नवीन डिज़ाइन विकास के अवसर पैदा करना है।

### एफडीडीआई, हैदराबाद परिसर के संकाय और अन्य को संयुक्त रूप से 'टेबल टॉप आर्टिफैक्ट' के लिए डिज़ाइन पंजीकरण प्रदान किया गया

एफडीडीआई स्कूल ऑफ लेदर गुड्स एंड एक्सेसरीज डिज़ाइन (एलजीएडी), हैदराबाद परिसर में डिज़ाइन संकाय डॉ. रामबाबू मुप्पीदी ने दो सहयोगियों के साथ मिलकर 'टेबल टॉप आर्टिफैक्ट' शीर्षक से अपना अभिनव डिज़ाइन भारतीय पेटेंट कार्यालय, बौद्धिक संपदा भवन, कोलकाता, भारत को डिज़ाइन संरक्षण के लिए प्रस्तुत किया।

डॉ. रामबाबू मुप्पीदी के अलावा, यूडोक्सिया रिसर्च यूनिवर्सिटी, अमेरिका के पीडीएफ स्कॉलर डॉ. थुंगा योगेश बाबू और प्रिसम मल्टीमीडिया इंस्टीट्यूशंस के श्री वाई. अंजनेयुलु ने भी महत्वपूर्ण योगदान दिया। रेसोल्यूट4आईपी के संस्थापक तथा कानूनी एवं आईपीआर प्रमुख श्री सुभाजीत साहा के सहयोग से, आवेदन 24 अक्टूबर 2024 को प्रस्तुत किया गया।

इस डिज़ाइन को डिज़ाइन संख्या: 435523-001, सीबीआर संख्या: 219704 दी गई है और यह वर्ग: 11-02 के अंतर्गत आता है। आधिकारिक पंजीकरण 2 जनवरी 2025 को प्रदान किया गया।



डॉ. रामबाबू मुप्पीदी,  
संकाय, एलजीएडी,  
एफडीडीआई, हैदराबाद  
परिसर

डिज़ाइन: टेबल टॉप  
आर्टिफैक्ट

सफेद लकड़ी डिज़ाइन

डिज़ाइन के पंजीकरण  
का प्रमाणपत्र

पूर्वी गोदावरी, खासकर राजमहेंद्रवरम में, सफेद लकड़ी के पक्षियों को बनाने की परंपरा सुस्थापित है। इन पक्षी खिलौनों से प्रेरणा लेकर, कारीगर घरों के लिए सजावटी टेबलटॉप वस्तुएँ बना सकते हैं, जिनमें विशिष्ट कॉलिंग बेल्स भी शामिल हैं।

## एफडीडीआई, बनूर के संकाय को फाल्कनेरिया इनसिग्निस का उपयोग करके रोगाणुरोधी फिनिश के लिए पेटेंट प्रदान किया गया

एफडीडीआई बनूर परिसर के स्कूल ऑफ फैशन डिजाइन (एफडी) की संकाय सदस्य एवं वस्त्र नवाचार में अग्रणी शोधकर्ता डॉ. पूजा सिंह को फाल्कनेरिया इनसिग्निस का उपयोग करके केसमेंट फैब्रिक के लिए रोगाणुरोधी फिनिश विकसित करने के उनके अभूतपूर्व कार्य के लिए पेटेंट प्रदान किया गया है।

यह उपलब्धि स्थिरता और नवाचार के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है, जो कार्यात्मक वस्तों के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण प्रगति का प्रतिनिधित्व करती है।

पेटेंट प्राप्त तकनीक में, संग्रहालयों में प्रदर्शित वस्तों के संरक्षण हेतु उपयोग किए जाने वाले बेस फैब्रिक्स पर, फाल्कनेरिया इंसिग्निस नामक पौधे से प्राप्त जैवसक्रिय यौगिकों का निष्कर्षण और अनुप्रयोग शामिल है। यह अभिनव समाधान इन गुणों को केसमेंट फैब्रिक्स में समाहित करता है, जिससे सूक्ष्मजीवों और कीड़ों की एक विस्तृत श्रृंखला के विरुद्ध प्रभावी सुरक्षा मिलती है।

सिंथेटिक रोगाणुरोधी एजेंटों के पर्यावरण-अनुकूल एवं टिकाऊ विकल्प के रूप में, यह तकनीक संग्रहालय वस्त्र संरक्षण में सुरक्षित और हरित समाधानों की बढ़ती वैश्विक माँग को पूरा करती है। यह सतत विकास एवं सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण के अंतर्राष्ट्रीय लक्ष्यों का भी समर्थन करती है।

## एफडीडीआई, हैदराबाद परिसर के संकाय और अन्य को संयुक्त रूप से 'ज्वेलरी बॉक्स केस' के लिए डिज़ाइन पंजीकरण प्रदान किया गया

एफडीडीआई स्कूल ऑफ लेदर गुड्स एंड एक्सेसरीज डिजाइन (एलजीएडी), हैदराबाद परिसर में डिजाइन संकाय डॉ. रामबाबू मुप्पिडी ने दो सहयोगियों के साथ मिलकर 'ज्वेलरी बॉक्स केस' शीर्षक से अपना अभिनव डिजाइन भारतीय पेटेंट कार्यालय, बौद्धिक संपदा भवन, कोलकाता, भारत को डिजाइन संरक्षण के लिए प्रस्तुत किया।

डॉ. रामबाबू मुप्पिडी के अलावा, यूडोक्सिया रिसर्च यूनिवर्सिटी, यूएसए के पीडीएफ विद्वान डॉ. थुंगा योगेश बाबू और केएल यूनिवर्सिटी, हैदराबाद में सहायक प्रोफेसर श्रीमती जक्कुला बेनहुर अन्ना आशीर्वादम ने महत्वपूर्ण योगदान दिया।



डॉ. पूजा सिंह, संकाय, एफडी, एफडीडीआई, बनूर परिसर

पेटेंट का प्रमाण पत्र



डॉ. रामबाबू मुर्पीदी, संकाय, एलजीएडी, एफडीडीआई, हैदराबाद परिसर



डिज़ाइन कार्य: आभूषण बॉक्स केस



डिज़ाइन के पंजीकरण का प्रमाणपत्र

इस डिज़ाइन को डिज़ाइन संख्या: 429805-001, सीबीआर संख्या: 216347 दी गई है और यह वर्ग: 14-02 के अंतर्गत आता है। आधिकारिक पंजीकरण 25 अक्टूबर 2024 को प्रदान किया गया।

यह आभूषण बॉक्स केस हरे-नारियल की आकृति से प्रेरित और हरे, क्रीम एवं काले रंग की परत वाला यह ज्वेलरी बॉक्स, गहनों के भंडारण के लिए एक सुरक्षित तथा व्यवस्थित समाधान प्रदान करता है। उचित व्यवस्था बेहद ज़रूरी है, क्योंकि बिना किसी निर्धारित जगह के गहनों पर खरोंच लग सकती है या वे आसानी से खो सकते हैं। यह डिज़ाइन सुनिश्चित करता है कि प्रत्येक वस्तु सुरक्षित और आसानी से सुलभ हो, जिससे क्षति का जोखिम कम से कम हो।

यह डिज़ाइन शेखपेट स्थित सत्यनारायण ज्वेलरी में किए गए व्यापक उत्पाद अनुसंधान, साथ ही दिलसुखनगर के सुनारों, चूड़ी बाजार के चूड़ी निर्माताओं और चारमीनार के पास बेगम बाजार के कारीगरों के साथ संवाद पर आधारित है।

### एफडीडीआई, हैदराबाद परिसर के संकाय और अन्य के लिए बौद्धिक संपदा कार्यालय, यूके डिज़ाइन में डिज़ाइन पेटेंट पंजीकरण

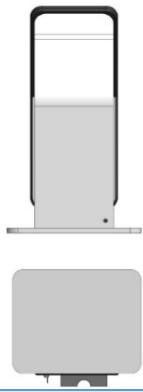
श्री चित्रेश श्रीवास्तव, संकाय- स्कूल ऑफ रिटेल एंड फैशन मर्चेंडाइज (आरएफएम), एफडीडीआई, हैदराबाद परिसर और बौद्धिक संपदा कार्यालय, यूके डिज़ाइन के पांच अन्य लोगों द्वारा रचनात्मक और अभिनव डिज़ाइन शीर्षक "बिक्री और विपणन के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित मल्टीमीडिया इंटरैक्टिव हेल्पडेस्क एनालिटिक्स डिवाइस" पर संयुक्त रूप से प्रस्तुत किया गया है।

सहयोगियों में डॉ. अवनासी शिवस्वामी सुरेश, निदेशक और प्रोफेसर, आदित्य स्कूल ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट, मुंबई; डॉ. गोविंद सोनी, सहायक प्रोफेसर, सिम्बायोसिस यूनिवर्सिटी ऑफ एप्लाइड साइंसेज, इंदौर; डॉ. अर्पिता बसाक, निदेशक और प्रोफेसर, स्कूल ऑफ रिटेल, सिम्बायोसिस यूनिवर्सिटी ऑफ एप्लाइड साइंसेज, इंदौर; डॉ. स्वाति जैन, सहायक प्रोफेसर, सिम्बायोसिस यूनिवर्सिटी ऑफ एप्लाइड साइंसेज, इंदौर; और डॉ. सुनीता श्रीवास्तव, डीन ऑफ मैनेजमेंट और निदेशक, आदित्य इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज एंड रिसर्च, मुंबई शामिल हैं।

इस अभिनव डिजाइन को 19 अगस्त 2024 को पंजीकरण प्रदान किया गया, इसकी डिजाइन संख्या: 638398 है, जिसे वर्ग 14 - रिकॉर्डिंग, दूरसंचार, या डेटा प्रोसेसिंग उपकरण, उप-वर्ग 02 - डेटा प्रोसेसिंग

उपकरण एवं परिधीय उपकरण और डिवाइस के अंतर्गत वर्गीकृत किया गया है।

यह पेटेंट बिक्री और मार्केटिंग को बेहतर बनाने के लिए डिजाइन किए गए एक एआई-आधारित मल्टीमीडिया इंटरैक्टिव हेल्पडेस्क एनालिटिक्स डिवाइस से संबंधित है। इसकी प्रमुख विशेषताओं में



श्री चित्रेश श्रीवास्तव संकाय-  
आरएफएम, एफडीडीआई हैदराबाद  
परिसर

डिजाइन का  
प्रतिनिधित्व

पंजीकरण के लिए प्रमाण पत्र

उपयोगकर्ता के प्रश्नों को समझने तथा उनका उत्तर देने के लिए प्राकृतिक भाषा प्रसंस्करण (एनएलपी), उपयोगकर्ता इंटरैक्शन के आधार पर प्रतिक्रियाओं को बेहतर बनाने के लिए मशीन लर्निंग, और ऐतिहासिक डेटा का उपयोग करके ग्राहक व्यवहार का पूर्वानुमान लगाने के लिए पूर्वानुमानात्मक विश्लेषण शामिल हैं।

**एफडीडीआई, हैदराबाद परिसर के संकाय और अन्य को संयुक्त रूप से 'टेबलटॉप खिलौनों के लिए सहायक उपकरण' के लिए डिजाइन पंजीकरण प्रदान किया गया।**

एफडीडीआई स्कूल ऑफ लेदर गुड्स एंड एक्सेसरीज डिजाइन (एलजीएडी), हैदराबाद परिसर में डिजाइन संकाय डॉ. रामबाबू मुप्पीदी ने दो सहयोगियों के साथ मिलकर 'टेबलटॉप खिलौनों के लिए सजावटी सहायक उपकरण' शीर्षक से अपना अभिनव डिजाइन भारतीय पेटेंट कार्यालय, बौद्धिक संपदा भवन, कोलकाता, भारत को डिजाइन संरक्षण के लिए प्रस्तुत किया।



डॉ. रामबाबू मुप्पीदी, संकाय,  
एलजीएडी, एफडीडीआई, हैदराबाद  
परिसर

डिजाइन कार्य: 'टेबलटॉप खिलौनों के  
लिए सहायक उपकरण'

डिजाइन के पंजीकरण का प्रमाणपत्र

इस डिज़ाइन को डिज़ाइन संख्या: 418085-001 दी गई है, जिसे वर्ग 11-02 के अंतर्गत वर्गीकृत किया गया है, तथा इसे आधिकारिक तौर पर 30 जुलाई 2024 को पंजीकरण प्रदान किया गया।

टेबलटॉप खिलौनों के लिए सजावटी सामानों का डिज़ाइन गोदावरी ज़िलों में लकड़ी के हस्तशिल्प एवं कारीगर समुदायों पर किए गए शोध से प्रेरित है। यह कोंडापल्ली, एटिकोपका, बोब्बिली और बोनुपल्ली जैसे पारंपरिक लकड़ी के शिल्पों को उजागर और बढ़ावा देता है। इस डिज़ाइन का उद्देश्य स्थानीय कारीगरों को प्रोत्साहित करना है और साथ ही भावी पीढ़ियों के लिए नवीन सामान और डिज़ाइन बनाने हेतु एक संदर्भ के रूप में कार्य करना है।

### एफडीडीआई की प्रतिबद्धता ने फुटवियर निर्माण में प्लास्टिक कचरे का उपयोग करके पर्यावरण संरक्षण को बढ़ाया

फुटवियर के क्षेत्र में शीर्ष संस्थान के रूप में, एफडीडीआई निरंतर अनुसंधान एवं विकास में संलग्न है, ताकि नवाचार को बढ़ावा दिया जा सके, जिससे समाज और पर्यावरण दोनों को लाभ हो।

इस संदर्भ में, एफडीडीआई जोधपुर परिसर स्थित स्कूल ऑफ फुटवियर डिज़ाइन एंड प्रोडक्शन (एफडीपी) ने श्री अतुल मेहता और श्रीमती दिव्या मेहता द्वारा संचालित जोधपुर स्थित फुटवियर स्टार्टअप 'सोल क्राफ्ट' का समर्थन



प्लास्टिक कचरे का उपयोग करके विकसित किए गए फुटवियर

किया। एफडीडीआई की डिज़ाइन और तकनीकी विशेषज्ञता का लाभ उठाते हुए, यह स्टार्टअप अब अपने फुटवियर निर्माण में लगभग 60% सामग्री अपशिष्ट स्रोतों से प्राप्त करता है, जिसमें प्लास्टिक की बोतलें, प्लास्टिक बैग और अन्य एकल-उपयोग वाले प्लास्टिक शामिल हैं, जिससे टिकाऊ विनिर्माण प्रथाओं को बढ़ावा मिलता है।

एफडीडीआई जोधपुर ने एक फुटवियर कंपनी को अपनी विनिर्माण प्रक्रियाओं में प्लास्टिक कचरे को शामिल करने के लिए मार्गदर्शन देकर पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को और मज़बूत किया है। व्यापक अनुसंधान एवं विकास के बाद, कंपनी अब अपने अधिकांश फुटवियर के लिए पुनर्चक्रित प्लास्टिक का उपयोग करती है, जिससे प्लास्टिक कचरे के पर्यावरणीय प्रभाव को कम करने में मदद मिलती है।

इस टिकाऊ निर्माण प्रक्रिया में, जूतों के ऊपरी हिस्से के लिए पुनर्चक्रित प्लास्टिक का उपयोग किया जाता है, जबकि बेकार पड़े रबर के टायरों का उपयोग टिकाऊ सोल के लिए किया जाता है। इसके अतिरिक्त, इनसोल में बांस का कोयला मिलाया जाता है, जो पसीना सोखने और दुर्गंध दूर करने में मदद करता है, जिससे आराम और स्वच्छता दोनों में वृद्धि होती है।



वेस्ट प्लास्टिक से जूते बनाने का एफडीडीआई जोधपुर ने किया नवाचार

परिषाकृत देवकी  
paryuktak.com



ਏਥੇ ਤੈਵਾਜ਼ ਕਿਏ ਜਾਂਦੇ

## पर्यावरण संरक्षण के उद्देश्य को कर रहे पूरा

कालीनीक लोकों के लालिकी  
निरोक्त असिंह कुमार ने व्यापक रूप  
लोक निरोक्त व निराकृत ने अपने

प्लास्टिक कचरे का उपयोग करके  
विकसित किया गया जूता

## मीडिया कवरेज

सोल क्राफ्ट बड़े पैमाने पर जूते बनाती है, मुख्य रूप से ऑनलाइन चैनलों के माध्यम से काम करती है, और पर्यावरण संरक्षण में सक्रिय रूप से योगदान देती है।

एफडीडीआई, हैदराबाद परिसर के संकाय को 'वॉल हैगिंग न्यूजपेपर बास्केट' के लिए डिजाइन पंजीकरण प्रदान किया गया

डॉ. रामबाबू मुप्पीदी, डिजाइन संकाय, और श्री के. एलायाराजा, वरिष्ठ संकाय, एफडीडीआई हैदराबाद परिसर ने संयुक्त रूप से 'वॉल हैंगिंग न्यूजपेपर बास्केट' शीर्षक से अपना अभिनव डिजाइन भारतीय पेटेंट कार्यालय, बौद्धिक संपदा भवन, कोलकाता, भारत को डिजाइन संरक्षण के लिए प्रस्तूत किया।



डॉ. रामबाबू मुप्पीदी, संकाय, एलजीएडी,  
एफडीडीआई, हैदराबाद परिसर



## डिजाइन कार्य: वॉल हैंगिंग न्यूजपेपर बास्केट



## डिजाइन के पंजीकरण का प्रमाण पत्र

स्कूल ऑफ लेदर गुड्स एंड एक्सेसरीज डिजाइन (एलजीएडी) के डॉ. मुप्पीडी और स्कूल ऑफ फुटवियर डिजाइन एंड प्रोडक्शन (एफडीपी) के श्री के. एलायाराजा द्वारा विकसित इस रचनात्मक डिजाइन को डिजाइन संख्या: 409851-001 दी गई है, जिसे वर्ग 06-04 के अंतर्गत वर्गीकृत किया गया है, और इसे आधिकारिक तौर पर 29 मई 2024 को पंजीकरण प्रदान किया गया।

सहायक उपकरण डिजाइन

अनुसंधान पर आकर्षित, वॉल हैंगिंग न्यूजपेपर बास्केट को चमड़े की पट्टी के साथ बेंत का उपयोग किया गया है, जिसमें कार्यात्मक डिजाइन के साथ पारंपरिक शिल्प कौशल का संयोजन किया गया है।

### एफडीडीआई, हैदराबाद परिसर के संकाय को 'पेन स्टैंड' के लिए डिजाइन पंजीकरण प्रदान किया गया

एफडीडीआई हैदराबाद परिसर में डिजाइन संकाय, डॉ. रामबाबू मुप्पीडी ने अपना अभिनव डिजाइन, जिसका शीर्षक 'पेन स्टैंड' है, भारतीय पेटेंट कार्यालय, बौद्धिक संपदा भवन, कोलकाता, भारत को डिजाइन संरक्षण के लिए प्रस्तुत किया।

स्कूल ऑफ लेदर गुड्स एंड एक्सेसरीज डिजाइन (एलजीएडी) के डॉ. मुप्पीडी द्वारा विकसित इस रचनात्मक डिजाइन को डिजाइन संख्या: 401821-001 दी गई है, जिसे वर्ग 19-02 के अंतर्गत वर्गीकृत किया गया है, और इसे आधिकारिक तौर पर 16 मई 2024 को पंजीकरण प्रदान किया गया।



डॉ. रामबाबू मुप्पीडी, संकाय, एलजीएडी, एफडीडीआई, हैदराबाद परिसर



श्री के. एलायाराजा, वरिष्ठ संकाय, एफडीपी, हैदराबाद परिसर



डिजाइन के पंजीकरण का प्रमाणपत्र



डिजाइन कार्य: पेन स्टैंड



डिजाइन के पंजीकरण का प्रमाणपत्र

ताड़ के पत्ते से बने पेन स्टैंड का डिजाइन डॉ. मुप्पीडी के लकड़ी के हस्तशिल्प के इतिहास और गोदावरी जिलों के कारीगर परिवारों की शिल्पकला पर किए गए शोध से प्रेरित है।

# सीओई- उत्कृष्टता केंद्र

## एफडीडीआई के सीओई ने 'मल्टीजैकस्टर' के लिए पेटेंट हासिल किया

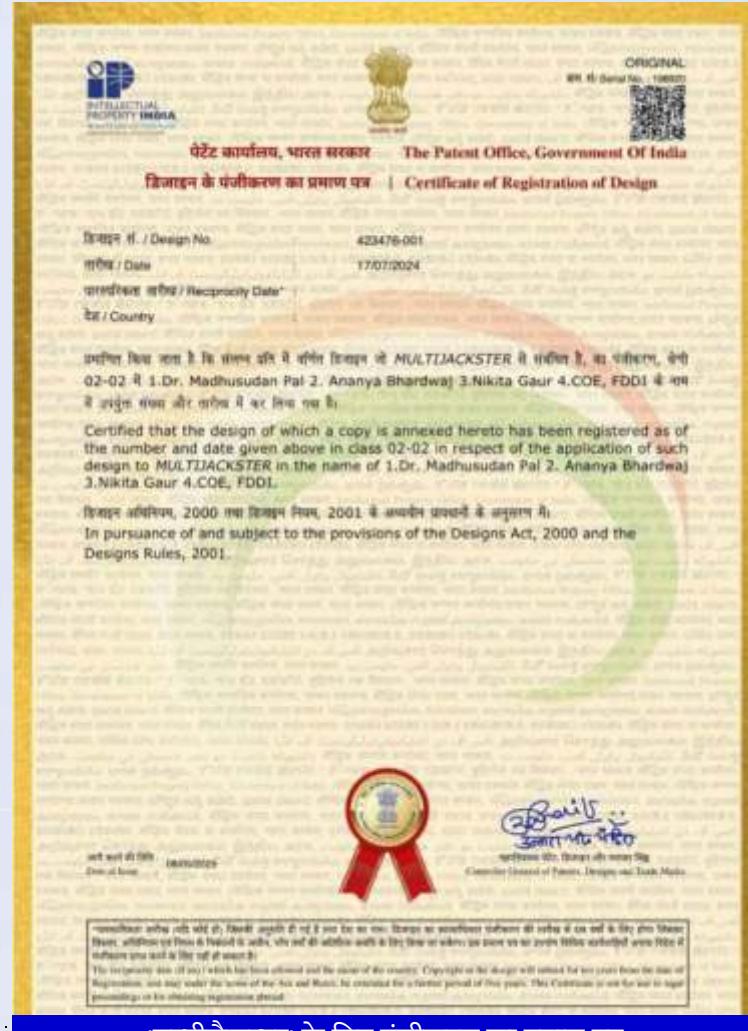
डॉ. मधुसूदन पाल के नेतृत्व में सुश्री निकिता गौर (रणनीतिक डेवलपर) और सुश्री अनन्या भारद्वाज (इंटर्न) के प्रमुख योगदान के साथ संकलित मल्टीजैकस्टर, एक अभिनव परिधान है, जिसे लॉकडाउन के बाद के युग में व्यावसायिक पेशेवरों की उभरती जरूरतों को पूरा करने के लिए बनाया गया है।

यह पेटेंट डिजाइन बहुमुखी प्रतिभा और कार्यक्षमता का प्रतीक है, जो समायोज्य, स्क्रैचेबल स्लीव्स द्वारा बढ़ाई गई यूनिसेक्स अपील की पेशकश करता है जो आराम और अनुकूलन क्षमता दोनों प्रदान करता है।

प्रीमियम भेड़ के चमड़े से निर्मित यह जैकेट स्थायित्व, दीर्घायु और पर्यावरणीय परिस्थितियों के विरुद्ध सुरक्षा कवच सुनिश्चित करती है।

अपने एर्गोनॉमिक रूप से डिजाइन किए गए शोल के साथ, मल्टीजैकस्टर सर्दियों में पहनने के लिए पूरी तरह से उपयुक्त है, जबकि इसकी सोची-समझी एकीकृत विशेषताएं पेशेवरों को आवश्यक गैजेट्स को आसानी से ले जाने में सक्षम बनाती हैं।

यह मल्टीजैकस्टर शैली, व्यावहारिकता एवं लचीलेपन को सहजता से संयोजित करके, मल्टीजैकस्टर समकालीन पेशेवर पोशाक को एक परिष्कृत तथा कार्यात्मक अलमारी के रूप में पुनर्परिभाषित करता है।



'मल्टीजैकस्टर' के लिए पंजीकरण का प्रमाण पत्र

## एफडीडीआई के सीओई को 'टॉडलर्स के लिए एक्सपेंडेबल शू' के लिए पेटेंट प्रदान किया

एफडीडीआई के सीओई को डॉ. अंकुर शुक्ला, सुश्री श्वेता शालिनी और डॉ. मधुसूदन पाल द्वारा विकसित टॉडलर्स के लिए एक अभिनव एक्सपेंडेबल जूता डिजाइन के लिए पेटेंट दिया गया।

यह पेटेंटेड डिजाइन बच्चों के पैरों के आकार और माप में वृद्धि के साथ आने वाले तेज़ बदलाव की चुनौती का समाधान करता है। इसमें एक परिवर्तनीय अपर एडजस्टमेंट मैकेनिज्म शामिल है, जो समय के साथ आरामदायक और सटीक फिट सुनिश्चित करता है, जिससे बार-बार जूते बदलने की आवश्यकता कम हो जाती है।

यह नवाचार न केवल बच्चों के लिए अधिक आराम और सुरक्षा प्रदान करता है, बल्कि अनुसंधान और डिजाइन उल्कृष्टता के माध्यम से व्यावहारिक, उपभोक्ता-केंद्रित फुटवियर समाधानों को आगे बढ़ाने के लिए एफडीडीआई की प्रतिबद्धता को भी दर्शाता है।



'टॉडलर्स के लिए एक्सपेंडेबल शू' के लिए पंजीकरण का प्रमाण पत्र

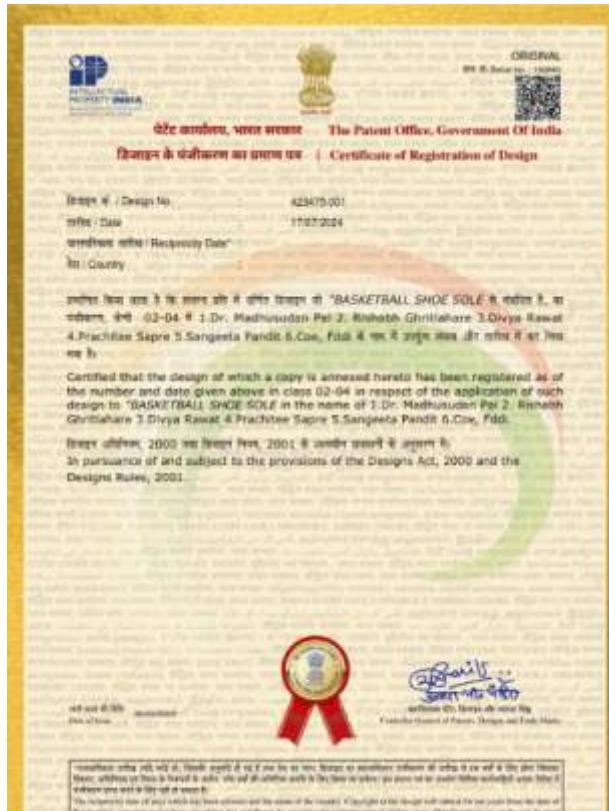
## एफडीडीआई के सीओई को अभूतपूर्व फुटवियर नवाचार के लिए पेटेंट प्रदान किया

एफडीडीआई ने अपने उल्कृष्टता केंद्र (सीओई) के माध्यम से दो नवीन फुटवियर डिजाइनों - इंटरलॉकिंग फुटवियर और बास्केटबॉल शू सोल के लिए पेटेंट हासिल करके एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है।

डॉ. मधुसूदन पाल, निदेशक - सीओई, सुश्री निकिता गौर, रणनीतिक डेवलपर, और सुश्री अनन्या भारद्वाज, प्रशिक्षु द्वारा तैयार किए गए इंटरलॉकिंग फुटवियर, सिलाई रहित, टिकाऊ एवं पर्यावरण के अनुकूल संरचना प्रस्तुत करते हैं। चिपकने और सिलाई को समाप्त करके, यह डिजाइन दक्षता, लागत-प्रभावशीलता और स्थायित्व में सुधार करता है, साथ ही बेहतर स्थायित्व और स्वच्छता सुनिश्चित करता है—जो आधुनिक फुटवियर तकनीक में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है।



### इंटरलॉकिंग फुटवियर के लिए पंजीकरण का प्रमाण पत्र



### बास्केटबॉल जूते के सोल के लिए पंजीकरण का प्रमाणपत्र

डॉ. मधुसूदन पाल के नेतृत्व में श्री क्रष्ण घृतलहरे, सुश्री दिव्या रावत, सुश्री प्रचिती सप्रे (इंटर्न) और सुश्री संगीता पंडित के योगदान से विकसित बास्केटबॉल शू सोल को बेहतर पकड़, स्थिरता और प्रभाव वितरण के लिए डिज़ाइन किया गया है। इसके अभिनव क्लीट पैटर्न एवं उच्च घनत्व वाले घिसाव-रोधी पैड तनाव-संबंधी चोटों को कम करने और एथलीटों व वरिष्ठ व्यक्तियों, दोनों को सहारा प्रदान करने में मदद करते हैं, साथ ही उन्नत फुटवियर निर्माण के लिए स्वदेशी मोल्ड विकास को भी सक्षम बनाते हैं।

यह पेटेंट मान्यता फुटवियर तकनीकी में अग्रणी अनुसंधान, स्थिरता एवं नवाचार के प्रति एफडीडीआई की अदूट प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है, तथा भारत के फुटवियर उद्योग के भविष्य को आकार देने में इसके नेतृत्व को मजबूत करती है।

### सीओई का शोधकार्य पृथ्वी टेक्नोलॉजीज पर चौथे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईसीओएफटी मेड 4.0) में प्रस्तुत किया

एफडीडीआई - चेन्नई परिसर के सीओई में वरिष्ठ परियोजना अभियंता (प्रभारी प्रमुख) डॉ. एम. विमुधा ने 11 से 13 दिसंबर 2024 तक एनआईटी पुदुचेरी, कराईकल, तमिलनाडु के मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग द्वारा आयोजित पृथ्वी टेक्नोलॉजीज पर चौथे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईसीओएफटी मेड 4.0) में भाग लिया।



डॉ. एम विमुद्धा, वरिष्ठ परियोजना अभियंता (प्रमुख-प्रभारी),  
सीओई - एफडीडीआई, चेन्नई प्रस्तुति देते हुए



प्रतिभागिता प्रमाण पत्र

सम्मेलन के दौरान, उन्होंने अपने शोध लेख, "फुट-फिटिंग फुटवियर फर्मा के विकास के लिए कंप्यूटर-सहायता प्राप्त विनिर्माण विधियाँ" पर एक आकर्षक मौखिक प्रस्तुति दी। इस शोध लेख में जूते के फर्मा के डिज़ाइन को बेहतर बनाने के लिए उन्नत तकनीकों के अनुप्रयोग को दर्शाया गया, जिसने उद्योग जगत के पेशेवरों और शिक्षाविदों, दोनों की गहरी रुचि को आकर्षित करता है।

### एफडीडीआई, जोधपुर परिसर में एनटीएच वैज्ञानिकों के लिए विशेष प्रशिक्षण

भारत सरकार के उपभोक्ता मामले विभाग के राष्ट्रीय परीक्षण शाला (एनटीएच) के वैज्ञानिकों के लिए एक विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम एफडीडीआई जोधपुर परिसर द्वारा संस्थान के सीओई के सहयोग से 31 जनवरी से 2 फरवरी 2024 तक आयोजित किया गया था।

यह कार्यक्रम प्रतिभागियों को फुटवियर परीक्षण का मूलभूत ज्ञान प्रदान करने के लिए तैयार किया गया था, जिससे वे आईएस-15298 मानकों के अनुसार फुटवियर के गुणवत्ता मूल्यांकन में अपनी दक्षता बढ़ा सकें।



‘बेसिक फुटवियर टेस्टिंग’ (भौतिक) पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का एक दृश्य

एनटीएच के वैज्ञानिकों और तकनीकी कर्मचारियों की 15 सदस्यीय टीम ने 'बेसिक फुटवियर टेस्टिंग (फिजिकल)' पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण में भाग लिया, जहां एफडीडीआई विशेषज्ञों ने विभिन्न फुटवियर कंपोनेन्टों पर किए गए विभिन्न परीक्षणों के बारे में बताया।

प्रतिभागियों को मानक प्रशिक्षण विधियों से परिचित कराया गया तथा नमूनों पर व्यावहारिक प्रदर्शन भी दिए गए। प्रशिक्षण में सुरक्षा फुटवियर परीक्षण आवश्यकताओं, परीक्षण पद्धतियों, पैर स्कैनिंग और गति विश्लेषण पर भी चर्चा की गई, जिससे उन्हें सैद्धांतिक एवं व्यावहारिक दोनों तरह की जानकारी प्रदान की गई।

### एफडीडीआई के सीओई लैब्स में इंटर्नशिप के अवसर

वर्ष के दौरान, एफडीडीआई ने छात्रों को अपने विशिष्ट सीओई में इंटर्नशिप करने के अवसर प्रदान किए। इन इंटर्नशिप के माध्यम से छात्रों को फुटवियर डिज़ाइन एवं उत्पादन, चमड़े के सामान, फैशन, बायोमैकेनिक्स, पुनर्वास समाधान और टिकाऊ सामग्री जैसे क्षेत्रों में उन्नत तकनीकों, शोध परियोजनाओं तथा उद्योग-संचालित प्रथाओं से परिचित कराया गया।

छात्रों ने वैज्ञानिकों, शोधकर्ताओं और उद्योग विशेषज्ञों के मार्गदर्शन में काम किया एवं अत्याधुनिक प्रयोगशालाओं में व्यावहारिक अनुभव प्राप्त किया। इससे उन्हें अपने तकनीकी ज्ञान को मज़बूत करने, समस्या-समाधान क्षमताओं को निखारने और कक्षा में सीखी गई बातों को वास्तविक दुनिया की परिस्थितियों में लागू करने में मदद मिली।

क्र.सं.	नाम	विश्वविद्यालय/संस्थान का नाम	शोध प्रबंध का शीर्षक
1	लोगा विमेश	भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, रोपड़	इंटरनेट ऑफ थिंग्स और डीप लर्निंग का उपयोग करके बुजुर्गों की गिरावट का पता लगाने हेतु फुटवियर का विकास
2	रितिका सिंघल	डीएवी इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, जालंधर, पंजाब	पैर के आयामों का उपयोग करके वैरस-वालास की भविष्यवाणी हेतु मशीन लर्निंग का अनुप्रयोग
3	मोहित कुमार	डीएवी इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, जालंधर, पंजाब	नंगे पैर की स्थिति में धीमी गति से चलने के दौरान साइक्लोग्राम और प्लांटर दबाव प्रतिक्रियाओं को विकसित करने के लिए एएनएन / एमएल का अनुप्रयोग
4	करन सिंह	डीएवी इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, जालंधर, पंजाब	विभिन्न ऊंचाइयों से ड्रॉप लैंडिंग के दौरान एमएल का उपयोग करके चॉट जोखिम की भविष्यवाणी: बायोमैकेनिक्स
5	हार्दिक जुनेजा	डीएवी इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, जालंधर, पंजाब	नंगे पैर की स्थिति में तेजी से चलने के दौरान साइक्लोग्राम और प्लांटर दबाव प्रतिक्रियाओं को विकसित करने के लिए एएनएन / एमएल का अनुप्रयोग
6	नीतीश भनोट	डीएवी इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, जालंधर, पंजाब	शॉड एवं नंगे पैर की स्थिति में चलने के दौरान पैर पर चॉट के जोखिम की भविष्यवाणी करने के लिए एमएल का अनुप्रयोग
7	बावा रिज्यूम चौहान	डीएवी इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, जालंधर, पंजाब	नंगे पैर की स्थिति में विभिन्न ऊंचाइयों से ड्रॉप जंप के दौरान बायोमैकेनिक्स प्रतिक्रियाएं

8	दिव्या रावत	पीडीपीएम भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी डिजाइन एवं विनिर्माण संस्थान, जबलपुर	फुटवियर का डिजाइन (सहालपैड)
9	प्राचिती सप्रे	पीडीपीएम भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी डिजाइन एवं विनिर्माण संस्थान, जबलपुर	फैशन शू का डिजाइन
10	अपर्णा दत्ता	पीडीपीएम भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी डिजाइन एवं विनिर्माण संस्थान, जबलपुर	मल्टी यूटिलिटी पाउच का डिजाइन
11	ऋषभ घृतलाहरे	पीडीपीएम भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी डिजाइन एवं विनिर्माण संस्थान, जबलपुर	खेल के लिए फुटवियर के लिए सोल
12	पूजा वैष्णवी वर्णी	वोक्सन यूनिवर्सिटी, हैदराबाद	आराम और आत्मविश्वास बढ़ाना: न्यूरोडाइवर्स बच्चों के लिए अनुकूल कपड़े डिजाइन करना
13	साई वर्षिता	वोक्सन यूनिवर्सिटी, हैदराबाद	न्यूरो-डाइवर्जेंट बच्चों के लिए अनुकूल कपड़े आयु वर्ग: 4 – 8
14	पोशिता अल्लू	वोक्सन यूनिवर्सिटी, हैदराबाद	"न्यूरो-डाइवर्जेंट बच्चों के लिए अनुकूली वस्त्र ऑटिज़म, उम्र: 3-6"
15	के वी श्रेयस कातिकिय	वोक्सन यूनिवर्सिटी, हैदराबाद	मोशन सिक्नेस को कम करने के लिए मोशन-रिस्पॉन्सिव डिजाइन

इस पहल ने न केवल अकादमिक शिक्षा को समृद्ध किया, बल्कि नवाचार, रचनात्मकता और व्यावहारिक विशेषज्ञता को भी बढ़ावा दिया, जिससे छात्रों को उद्योग में प्रभावी योगदान देने और मजबूत कैरियर की नींव बनाने के लिए तैयार किया गया।

# सेमिनार, वेबिनार, संगोष्ठी और सम्मेलन

एफडीडीआई, हैदराबाद परिसर में "फुटवियर इनसोल में नवाचार - जूते के आराम एवं स्थायित्व को बढ़ाने में ऑर्थोलाइट की भूमिका" विषय पर सेमिनार आयोजित

एफडीडीआई हैदराबाद परिसर में स्कूल ऑफ फुटवियर डिजाइन एंड प्रोडक्शन (एफडीपी) ने 26 मार्च 2025 को "फुटवियर में नवाचार - जूते के आराम और स्थायित्व को बढ़ाने में ऑर्थोलाइट की भूमिका" विषय पर एक ज्ञानवर्धक सेमिनार का आयोजन किया।

इस सेमिनार में अनुभवी फुटवियर साइंस इंजीनियर श्री सुरेश बाबू मुख्य वक्ता के रूप में शामिल हुए। गुणवत्ता प्रबंधन, प्रक्रिया नियंत्रण और फुटवियर सामग्री में एक दशक से अधिक की विशेषज्ञता के साथ, श्री बाबू ने अन्ना विश्वविद्यालय से फुटवियर साइंस एंड इंजीनियरिंग में एम.टेक की उपाधि प्राप्त की है। उन्होंने टेक्सन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड और सारा सुओले प्राइवेट लिमिटेड में नेतृत्वकारी पदों पर कार्य किया है, जहाँ उन्होंने तकनीकी ऑडिट, ग्राहकों की



आवश्यकताओं को पूरा करने और बाजार विकास रणनीतियों को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

सत्र के दौरान, श्री सुरेश बाबू ने वैश्विक फुटवियर उद्योग में ऑर्थोलाइट फोम की परिवर्तनकारी भूमिका पर विस्तार से चर्चा की तथा आराम, प्रदर्शन और स्थायित्व में इसके योगदान पर ज़ोर दिया। उन्होंने इसके प्रमुख लाभों पर प्रकाश डाला, जिनमें आघात अवशोषण, प्रभाव कुशनिंग, जोड़ों और मांसपेशियों पर कम तनाव और



कम थकान शामिल हैं। उन्होंने ऑर्थोलाइट फोम की निर्माण प्रक्रिया के बारे में भी बताया और बताया कि इसे शीट या रोल में कैसे संसाधित किया जाता है, प्रीमियम ड्रेस शूज़ के लिए चमड़े के साथ लैमिनेट कैसे किया जाता है, या परफॉर्मेंस फुटवियर के लिए स्ट्रोबेल एवं फैब्रिक संरचनाओं के साथ कैसे एकीकृत किया जाता है।

इस सेमिनार ने बी.डेस एफडीपी 2023-2027 तथा 2022-2026 बैच के छात्रों के लिए एक आकर्षक शिक्षण अनुभव प्रदान किया, जिससे उन्हें फोम प्रौद्योगिकी, इसके अनुप्रयोगों और फुटवियर उद्योग के टिकाऊ समाधानों पर बढ़ते जोर के बारे में बहुमूल्य जानकारी मिली।

### एफडीडीआई, हैदराबाद परिसर में "गेटिंग इट राइट: राइटिंग बेटर लिटरेचर रिव्यूज़" विषय पर अतिथि व्याख्यान आयोजित

गांधी इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड मैनेजमेंट (जीआईटीएम) - डीम्ड यूनिवर्सिटी के वित्त और बिजनेस एनालिटिक्स के एक प्रतिष्ठित शिक्षाविद् और विशेषज्ञ डॉ. चौधरी शंकर द्वारा 26 मार्च 2025 को, "गेटिंग इट राइट: राइटिंग बेटर लिटरेचर रिव्यूज़" पर एक अत्यधिक जानकारीपूर्ण अतिथि व्याख्यान दिया गया।

इस सत्र का उद्देश्य छात्रों और शोधकर्ताओं को अच्छी तरह से संरचित और व्यापक साहित्य समीक्षा तैयार करने में जानकारी प्रदान करना था, जो कि विद्वानों के शोध का एक आवश्यक तत्व है।



डॉ. चौ. शंकर व्याख्यान देते हुए

व्याख्यान के दौरान, डॉ. शंकर ने अकादमिक लेखन में साहित्य समीक्षाओं के महत्व पर प्रकाश डाला और उनके महत्व, कार्यों और प्रमुख तत्वों की व्याख्या की। उन्होंने व्यवस्थित साहित्य समीक्षा, मेटा-विश्लेषण एवं मेटा-संश्लेषण जैसे उन्नत तरीकों पर भी विस्तार से चर्चा की, साथ ही साहित्य समीक्षा प्रक्रिया को सुव्यवस्थित करने के लिए एआई उपकरणों के उपयोग का प्रदर्शन भी किया।

इसके अलावा, उन्होंने प्रतिभागियों को संदर्भ एवं उद्धरण प्रबंधन के लिए डिजिटल उपकरणों की एक श्रृंखला से परिचित कराया, जिसमें एलिसिट, लिटमैप्स, जेनी एआई, जोटेरो, मेंडली और एंडनोट शामिल हैं, जो विद्वानों के स्रोतों को कुशलतापूर्वक व्यवस्थित करने पर व्यावहारिक मार्गदर्शन प्रदान करते हैं।



अतिथि व्याख्यान में भाग लेते प्रतिभागी

इस सत्र ने छात्रों और शोधकर्ताओं को बहुमूल्य जानकारी प्रदान की, जिससे शैक्षणिक दृढ़ता के साथ उच्च गुणवत्ता वाली साहित्य समीक्षा तैयार करने की उनकी क्षमता में वृद्धि हुई।

### एफडीडीआई, नोएडा परिसर में 'ब्रांड स्थिति एवं दृश्यता सुनिश्चित करने के लिए वीएम डॉकेट्स और क्लस्टर का उपयोग' पर विशेषज्ञ सत्र आयोजित किया गया

एफडीडीआई, नोएडा कैंपस में स्कूल ऑफ रिटेल एंड फैशन मर्चेंडाइज (आरएफएम) ने 25 फरवरी 2025 को "ब्रांड स्थिति एवं दृश्यता सुनिश्चित करने के लिए वीएम डॉकेट्स और क्लस्टर का उपयोग" विषय पर एक व्यावहारिक उद्योग विशेषज्ञ सत्र का आयोजन किया।

सुश्री चारु ठुकराल, लाइफस्टाइल इंटरनेशनल की एरिया विजुअल मर्चेंडाइजर ने संसाधन व्यक्ति के रूप में वक्ता थी और ब्रांड स्थिरता एवं इन-स्टोर दृश्यता बढ़ाने के लिए वीएम डॉकेट्स और क्लस्टर-आधारित मर्चेंडाइजिंग का लाभ उठाने पर अपनी विशेषज्ञता साझा की।



सुश्री चारु ठुकराल अपने विचार व्यक्त करती हुई



प्रतिभागियों का एक दृश्य

सत्र के दौरान, सुश्री ठुकराल ने वीएम डॉकेट्स के रणनीतिक उपयोग पर विस्तार से बताया और बताया कि इन्हें वैलेंटाइन डे जैसे विभिन्न अवसरों के लिए कैसे डिज़ाइन किया जाता है, और माप, वित्तीय योजना, सामग्री विनिर्देशों एवं अंतिम दृश्य निष्पादन सहित प्रमुख घटकों का विवरण दिया। उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि ये डॉकेट्स व्यापक मार्गदर्शक के रूप में कार्य करते हैं, जिससे विभिन्न खुदरा स्थानों पर एक समान दृश्य विपणन सुनिश्चित होता है।

इसके अलावा, उन्होंने रणनीतिक क्लस्टरिंग की अवधारणा पर चर्चा की और बताया कि कैसे ब्रांड ग्राहक जनसांख्यिकी के आधार पर उत्पाद प्लेसमेंट को बेहतर बना सकते हैं। यह दृष्टिकोण स्टोर में प्रस्तुति को बेहतर बनाता है, उत्पादों को अधिक आकर्षक, सुलभ और ब्रांड की स्थिति के अनुरूप बनाता है।

इस सत्र में प्रतिभागियों को आधुनिक दृश्य विपणन रणनीतियों की व्यावहारिक जानकारी दी गई, तथा उन्हें खुदरा परिचालनों के लिए सीधे तौर पर लागू होने वाली जानकारी से लैस किया गया।

### 'बायोमैकेनिक्स और फुटवियर विकास में नवाचार' पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित

एफडीडीआई के उक्तष्टा केंद्र (सीओई) ने ग्रेटर नोएडा स्थित गलगोटिया विश्वविद्यालय एवं मलेशिया स्थित साइबरजया विश्वविद्यालय के सहयोग से 21 और 22 फरवरी 2025 को गलगोटिया विश्वविद्यालय में "बायोमैकेनिक्स और फुटवियर विकास में नवाचार" विषय पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन 2025 का सफलतापूर्वक आयोजन किया। "शेपिंग द प्यूचर ऑफ मूवमेंट" विषय पर आयोजित इस सम्मेलन ने प्रतिष्ठित शोधकर्ताओं, उद्योग जगत के नेताओं और शिक्षाविदों को रोबोटिक्स, बायोमैकेनिक्स, फुटवियर प्रौद्योगिकी एवं स्वास्थ्य विज्ञान में प्रगति पर चर्चा करने के लिए एक गतिशील मंच प्रदान किया।



सम्मेलन के दौरान अपने विचार साझा करते गणमान्य व्यक्ति

एफडीडीआई के प्रबंध निदेशक (एमडी) श्री विवेक शर्मा, आईआरएस, मुख्य अतिथि थे, जबकि आईआईटी दिल्ली के प्रो. डॉ. सुबीर कुमार साहा विशेष अतिथि थे। अन्य गणमान्य व्यक्तियों में गलगोटिया विश्वविद्यालय की कुलाधिपति की अनुसंधान सलाहकार डॉ. शशि बाला सिंह; एफडीडीआई के वैज्ञानिक 'जी' एवं निदेशक,

सीओई, डॉ. मधुसूदन पाल; गलगोटिया विश्वविद्यालय के प्रो-वाइस चांसलर डॉ. अवधेश कुमार; गलगोटिया विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ एलाइड हेत्य साइंसेज की डीन डॉ. शगुन अग्रवाल; एम्स, नई दिल्ली के वरिष्ठ फिजियोथेरेपिस्ट डॉ. राजीव अग्रवाल; और साइबरजया विश्वविद्यालय, मलेशिया के कुलपति प्रो. (डॉ.) डेविड क्विटफोर्ड (ऑनलाइन) शामिल थे।

21 फरवरी के सुबह के सत्र में रोबोटिक्स, बायोमैकेनिक्स, फुटवियर डिजाइन और बौद्धिक संपदा अधिकारों पर चर्चा के साथ मंच तैयार हुआ, जिसके बाद पीएचडी स्कॉलर्स और फैकल्टी ने फुटवियर बायोमैकेनिक्स, खेल विज्ञान और रोग निवारण पर वैज्ञानिक प्रस्तुतियां दीं। दूसरे दिन फुटवियर तकनीक में चुनौतियों और नवाचारों पर ध्यान केंद्रित किया गया, जिसमें एआई-संचालित फुटवियर डिजाइन और औद्योगिक अनुप्रयोगों पर जोर दिया गया। प्रमुख प्रस्तुतियों में डॉ. सुनील कुमार होता (डीआरडीओ) ने लड़ाकू अभियानों के लिए फुटवियर पर, डॉ. मधुसूदन पाल ने फुटवियर डिजाइन नवाचार और विनिर्माण में चुनौतियों पर, डॉ. गौरव जगन्नाथ ने डिजिटल फिजियोथेरेपी में एआई अनुप्रयोगों पर और श्री तुषांक जैन ने भारत के फुटवियर उद्योग में नवाचारों के स्थानीयकरण पर प्रस्तुति दी। डॉ. अभिरूप चटर्जी (सीओई – हैदराबाद), डॉ. एम. विमुधा (सीओई – चेन्नई), और डॉ. अंकुर शुक्ला (सीओई – रोहतक) ने वैज्ञानिक सत्रों की ऑनलाइन एवं ऑफलाइन अध्यक्षता की, प्रतिभागियों को उनके मार्गदर्शन और प्रोत्साहन से प्रबुद्ध किया।

उत्साहवर्धक चर्चाओं और मूल्यवान शिक्षण अनुभवों से परिपूर्ण इस सम्मेलन ने ऐसे फुटवियर समाधान तैयार करने के लिए उपयोगी सहयोग का मार्ग प्रशस्त किया जो नवीन, टिकाऊ, सुलभ और सभी के लिए लाभकारी हों।

### एफडीडीआई, नोएडा के छात्रों के लिए 'रचनात्मक विचारों को व्यावसायिक उद्यमों में बदलना' पर उद्योग सत्र आयोजित

एफडीडीआई, नोएडा परिसर में 7 फरवरी 2025 को स्कूल ऑफ रिटेल एंड फैशन मर्चेंडाइज (आरएफएम) के छात्रों के लिए "रचनात्मक विचारों को व्यावसायिक उद्यमों में बदलना" विषय पर एक व्यावहारिक उद्योग सत्र आयोजित किया गया।

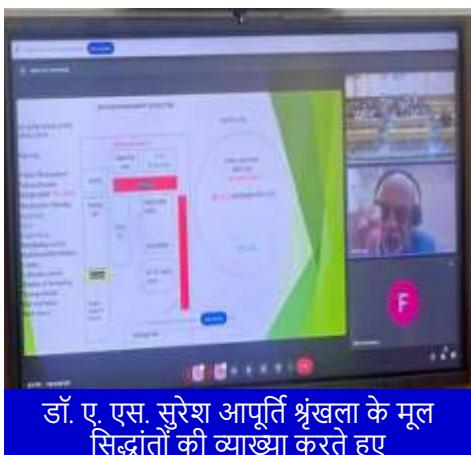


स्वातिमोडो क्रिएशंस की संस्थापक सुश्री स्वाति मेहरोत्रा द्वारा संचालित इस सत्र ने छात्रों को जुनून और रचनात्मकता को सफल व्यावसायिक उद्यमों में बदलने के लिए अमूल्य जानकारी प्रदान की। सुश्री मेहरोत्रा ने अपनी प्रेरक उद्यमशीलता यात्रा साझा की, और रचनात्मक अवधारणाओं को फलते-फूलते ब्रांडों में बदलने के लिए व्यावसायिक योजना, बाजार स्थिति एवं नवाचार का लाभ उठाने के महत्व पर ज़ोर दिया। उन्होंने एक ब्रांड को ज़मीन से खड़ा करने की चुनौतियों पर प्रकाश डाला तथा वृद्धता और रचनात्मकता के साथ उनसे निपटने के लिए व्यावहारिक रणनीतियाँ प्रस्तुत कीं। सत्र का समापन एक रोचक प्रश्नोत्तर सत्र के साथ हुआ, जहाँ छात्रों को उद्यमिता, उद्योग के रुझानों और अपने स्वयं के उद्यम शुरू करने के व्यावहारिक तरीकों पर विशेषज्ञ सलाह दी गई।

### एफडीडीआई – छिंदवाड़ा परिसर में 'एकीकृत आपूर्ति श्रृंखला गतिशीलता: सुपरमार्केट प्रतिमान' पर ऑनलाइन सत्र आयोजित

एफडीडीआई, छिंदवाड़ा परिसर में स्कूल ऑफ रिटेल एंड फैशन मर्चेंडाइज (आरएफएम) के छात्रों के लिए "एकीकृत आपूर्ति श्रृंखला गतिशीलता: सुपरमार्केट प्रतिमान" पर 07 फरवरी 2025 को एक ऑनलाइन सत्र आयोजित किया गया।

इस सत्र का नेतृत्व डॉ. ए. एस. सुरेश ने किया, जो एक प्रतिष्ठित शिक्षाविद् एवं उद्योग विशेषज्ञ हैं और जिनके पास आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन, रिटेल एवं रणनीतिक व्यापार संचालन में तीन दशकों से अधिक का अनुभव है।



डॉ. ए. एस. सुरेश आपूर्ति श्रृंखला के मूल सिद्धांतों की व्याख्या करते हुए



ऑनलाइन सत्र में भाग लेने वाले आरएफएम के छात्र

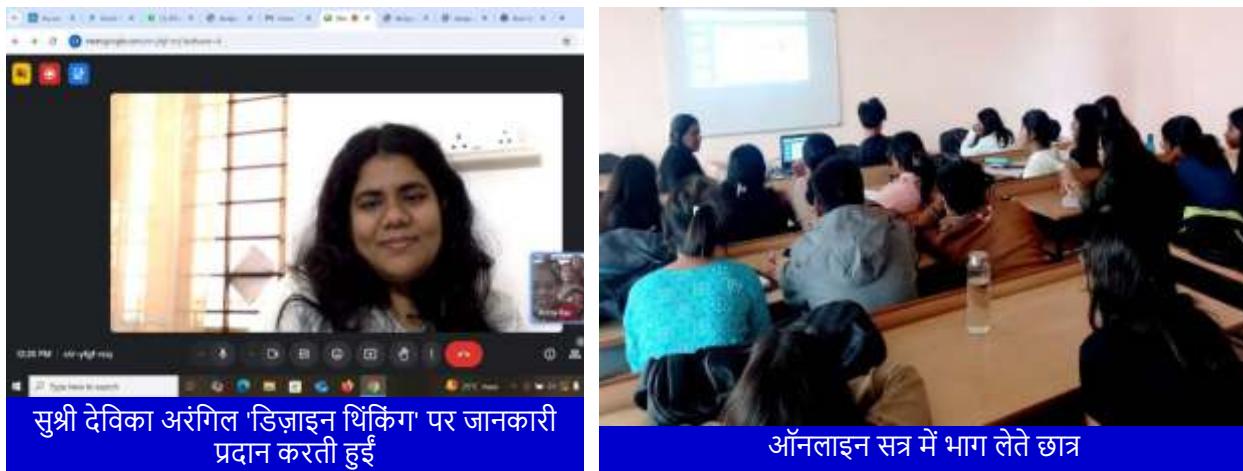
सत्र के दौरान, डॉ. सुरेश ने छात्रों को आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन के मूल सिद्धांतों, उसकी चुनौतियों एवं उभरते रुझानों से परिचित कराया, साथ ही आपूर्ति श्रृंखला दक्षता बढ़ाने में प्रौद्योगिकी की महत्वपूर्ण भूमिका पर ज़ोर दिया। उन्होंने केस स्टडीज़ का उपयोग करते हुए, रिटेल आपूर्ति श्रृंखलाओं के प्रबंधन में चुनौतियों और अवसरों को दर्शाया, यह प्रदर्शित किया कि नवाचार कैसे परिचालन प्रभावशीलता को बढ़ाता है, और सफल आपूर्ति श्रृंखला मॉडलों के वास्तविक उदाहरण प्रस्तुत किए।

सत्र में एक संवादात्मक प्रश्नोत्तर सत्र भी शामिल था, जहाँ छात्रों ने डॉ. सुरेश के साथ आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन में कैरियर के अवसरों, उभरती प्रौद्योगिकियों के प्रभाव तथा उद्योग के वृष्टिकोण से आपूर्ति श्रृंखला व्यवधानों को दूर करने की रणनीतियों जैसे विषयों पर चर्चा की।

## एफडीडीआई, कोलकाता परिसर में 'डिजाइन थिंकिंग' पर ऑनलाइन सत्र आयोजित

एफडीडीआई, कोलकाता परिसर में स्कूल ऑफ फैशन डिजाइन (एफडी) के छात्रों के बीच रचनात्मकता एवं नवाचार को बढ़ावा देने के लिए, 29 जनवरी 2025 को "डिजाइन थिंकिंग" पर एक ऑनलाइन सत्र आयोजित किया गया।

इस सत्र का नेतृत्व होली क्रॉस इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड टेक्नोलॉजी के कॉस्ट्यूम एवं फैशन डिजाइन विभाग की क्रिएटिव प्रैक्टिशनर और सहायक प्रोफेसर सुश्री देविका अरंगिल ने किया।



सत्र के दौरान, सुश्री अरंगिल ने छात्रों को डिजाइन थिंकिंग के सिद्धांतों, इसके प्रमुख उपकरणों एवं शब्दावली की बुनियादी समझ प्रदान की। उन्होंने छात्रों को डिजाइन थिंकिंग प्रक्रिया की आभासी पड़ताल के माध्यम से मार्गदर्शन किया और स्पष्ट रूप से बताया कि कैसे एक अवधारणा को एक मूर्त उत्पाद में बदला जाता है।

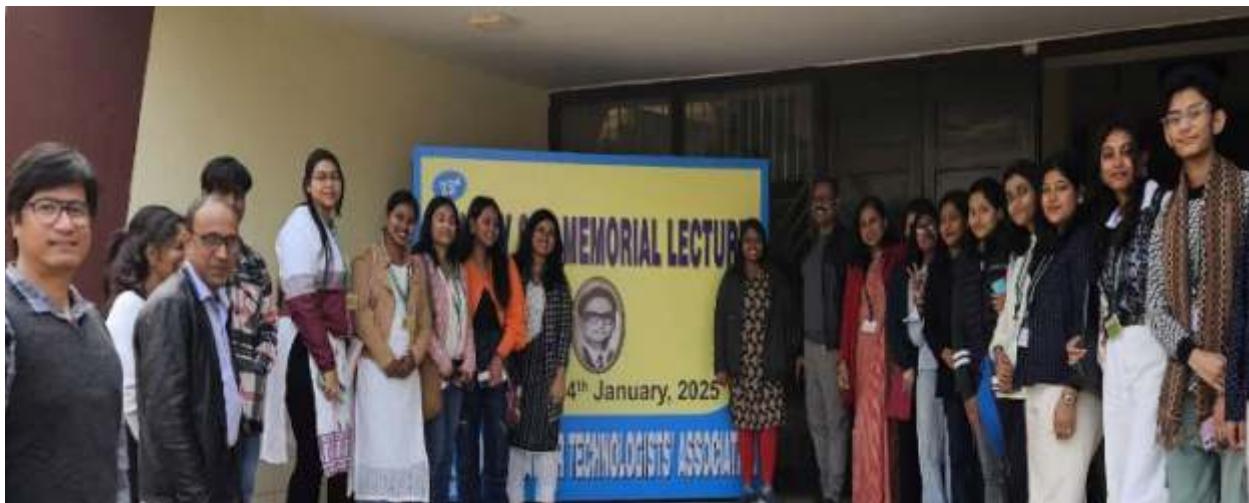
## एफडीडीआई, कोलकाता के छात्रों ने 23वें संजय सेन स्मृति व्याख्यान में भाग लिया

एफडीडीआई, कोलकाता परिसर के छात्रों ने संकाय सदस्यों के साथ, 14 जनवरी 2025 को, साइंस सिटी, कोलकाता में आयोजित 23वें संजय सेन स्मारक व्याख्यान में भाग लिया।



भारतीय चमड़ा प्रौद्योगिकीविद् संघ (आईएलटीए) द्वारा आयोजित इस व्याख्यान में टाटा मेटालिक्स लिमिटेड के पूर्व प्रबंधनिदेशक श्री हर्ष कुमार झा ने "प्रतिस्पर्धा - एक पहेली" विषय पर बात की तथा गतिशील कारोबारी माहौल में प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त बनाए रखने पर बहुमूल्य जानकारी प्रदान की।

अपने व्याख्यान के दौरान, श्री झा ने प्रतिस्पर्धात्मकता की जटिलताओं पर गहनता से चर्चा की, तथा तेजी से विकसित हो रही बाजार स्थितियों के बीच कंपनियों और व्यक्तियों के लिए स्थायी लाभ विकसित करने और बनाए रखने के लिए रणनीतियों एवं दृष्टिकोणों पर चर्चा की।



कार्यक्रम स्थल पर एफडीडीआई के छात्र

इस कार्यक्रम की शुरुआत आईएलटीए अध्यक्ष श्री अर्नब झा और महासचिव श्री सुशांत मलिक के स्वागत भाषण से हुई, जिसके बाद पुरस्कार विजेताओं और पी. के. बसु मेमोरियल छात्रवृत्ति प्राप्तकर्ताओं की घोषणा की गई। इस व्याख्यान ने छात्रों को प्रतिस्पर्धी डिज़ाइन और विनिर्माण उद्योगों में अपने भविष्य के करियर को आकार देने के लिए महत्वपूर्ण ज्ञान और दृष्टिकोण प्रदान किया।

### एफडीडीआई, हैदराबाद परिसर में बीआईएस, हैदराबाद के सहयोग से 'सुरक्षा फुटवियर एवं मानक: उद्योग प्रथाओं को आगे बढ़ाने की दिशा में एक कदम' पर संगोष्ठी आयोजित

एफडीडीआई, हैदराबाद परिसर के स्कूल ऑफ फुटवियर डिजाइन एंड प्रोडक्शन (एफडीपी) ने भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस), हैदराबाद के सहयोग से, "सुरक्षा फुटवियर एवं मानक: उद्योग प्रथाओं को आगे बढ़ाने की दिशा में एक कदम" विषय पर 26 नवंबर 2024 को एक अग्रणी संगोष्ठी का आयोजन किया।

इस संगोष्ठी ने उद्योग जगत के पेशेवरों एवं अकादमिक विशेषज्ञों के बीच संवाद और सहयोग को बढ़ावा देने के लिए एक प्रमुख मंच प्रदान किया। इसने प्रमुख हितधारकों, नियामक संस्थाओं और उद्योग जगत के अग्रणियों को सुरक्षा फुटवियर में नवीनतम प्रगति, उभरते मानकों और सर्वोत्तम प्रथाओं पर चर्चा करने के लिए एक मंच प्रदान किया। निर्माण, खनन, इस्पात, खतरनाक रसायन, कृषि और अन्य उच्च जोखिम वाले क्षेत्रों के विविध दर्शकों के साथ, इस कार्यक्रम का ध्यान उद्योग की महत्वपूर्ण चुनौतियों का समाधान करने और विभिन्न क्षेत्रों में कामगारों के लिए बेहतर सुरक्षा सुनिश्चित करने हेतु समाधानों की पहचान करने पर केंद्रित था।



डीआरडीओ, हैदराबाद के मुख्य वैज्ञानिक और आविष्कारक डॉ. के. वीरा ब्रह्मन ने भारतीय सेना की सुरक्षा में चाकू-रोधी और दुर्घटना-रोधी सुरक्षा सामग्रियों की महत्वपूर्ण भूमिका पर अपने गहन व्याख्यान से श्रोताओं को मंत्रमुद्ध किया।

इन चर्चाओं में रक्षा से लेकर निर्माण तक, सभी क्षेत्रों में सुरक्षा फुटवियर की महत्वपूर्ण भूमिका पर तथा निरंतर नवाचार एवं अनुसंधान के महत्व पर ज़ोर दिया गया। संगोष्ठी ने शिक्षा जगत और उद्योग जगत के बीच भविष्य के सहयोग की नींव भी रखी, जिसका उद्देश्य सुरक्षा मानकों को उन्नत करना और अत्याधुनिक फुटवियर समाधान विकसित करना है।



प्रमुख वक्ता

संवादात्मक सत्रों ने पोस्टर प्रस्तुतियों सहित छात्रों को सुरक्षा फुटवियर में सुधार के लिए अपने अभिनव विचारों को प्रदर्शित करने में सक्षम बनाया।

वक्तव्यों का नाम	विषय
डॉ. एन.टी.एल रेहुरी, आईएएस, कार्यकारी निदेशक, एफडीडीआई-हैदराबाद	भारत में सुरक्षा फुटवियर क्षेत्र का अवलोकन
सुश्री सत्या सविता, वैज्ञानिक डी एवं संयुक्त निदेशक, भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस)	भारतीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सुरक्षा मानक
श्री रेहान अजमान, केलिको ट्रेंड्स	विनिर्माण परिप्रेक्ष्य - चमड़ा निर्यात परिषद के प्रतिनिधित्व
सुश्री सत्यवती, संस्थापक- इंडस शूज़	सूक्ष्म-निर्माता अंतर्दृष्टि
श्री संतोष, संस्थापक- अर्थेन ट्यून्स डिज़ाइन्स	उभरते स्टार्ट-अप नवाचार तथा साँप के काटने से सेफ्टी फुटवियर
श्री राजगोपाल राव, निदेशक- कारखाना विभाग, तेलंगाना सरकार	राज्य सरकार के प्रतिनिधियों से जानकारी - कारखानों में सुरक्षा फुटवियर एवं मानकों का महत्व
श्री चंद्र शेखरम, संयुक्त आयुक्त, श्रम विभाग, तेलंगाना सरकार	राज्य सरकार के प्रतिनिधियों से जानकारी - श्रमिक कल्याण को बढ़ाने में सुरक्षा फुटवियर की भूमिका
डॉ. के वीरा ब्रह्म, मुख्य वैज्ञानिक और आविष्कारक, डीआरडीओ, भारत सरकार	उपयोगकर्ता आवश्यकताएँ - सेना/अर्ध-सैन्य (पुलिस, सेना, डीआरडीओ)
श्री चिंताला श्रीनिवास, महाप्रबंधक, द सिंगरेनी कोलियरीज कंपनी लिमिटेड, भारत सरकार	उपयोगकर्ता आवश्यकताएँ - खनन और कोयला उद्योग (सिंगरेनी)
डॉ. अरुणा, वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक, सीएसआईआर-आईआईसीटी, भारत सरकार	सामग्री पर अनुसंधान - आईआईसीटी अंतर्दृष्टि
श्री सैमुअल, प्रबंधक- अल्ट्राटेक सीमेंट्स - आदित्य बिड़ला समूह	उपयोगकर्ता परिप्रेक्ष्य - निर्माण उद्योग से वृश्य
श्री श्रीनिवास, अग्रिशमन एवं सुरक्षा विभाग, तेलंगाना सरकार	उपयोगकर्ता परिप्रेक्ष्य- अग्रि सुरक्षा फुटवियर के लिए वृश्य
श्री प्रिंस जोसेफ, वरिष्ठ संकाय	नवीनतम प्रौद्योगिकियां और सुरक्षा फुटवियर में प्रगति
श्री रामशस्त्री, वरिष्ठ प्रौद्योगिकीविद्, एफडीडीआई परीक्षण केंद्र	परीक्षण और गुणवत्ता आधासन

इस कार्यक्रम में इस क्षेत्र के उभरते उद्यमियों का भी सम्मान किया गया। एफडीडीआई हैदराबाद (एससी 8240) के बीआईएस स्टैंडर्ड क्लब के छात्रों को सुरक्षा फुटवियर अनुसंधान एवं मानकीकरण में उनके उल्कृष्ट योगदान के लिए सम्मानित किया गया। उद्योग के भविष्य को आकार देने के प्रति उनके समर्पण और प्रतिबद्धता को सम्मानित करने के लिए उन्हें प्रमाण पत्र एवं नकद पुरस्कार प्रदान किए गए।



## बीआईएस छात्र मानक क्लब (एससी-8240) के सदस्य, निर्णायक मंडल और संकाय संरक्षक के साथ, प्रमाण पत्र सम्मान समारोह के दौरान



बीआईएस-हैदराबाद की संयुक्त निदेशक सुश्री सत्तू सविता और सीएसआईआर-आईआईसीटी की वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक डॉ. अरुणा पी. की बीआईएस मानक क्लब के निर्णायिक मंडल के रूप में एक वृश्य

उल्लेखनीय रूप से, सुश्री लास्या प्रिया, सुश्री वर्षीणी और श्री अयान को निर्माण श्रमिकों के लिए डिजाइन किए गए उनके अभिनव फोल्डेबल फुटवियर के लिए प्रथम स्थान प्राप्त हुआ, जिससे सुरक्षा फुटवियर क्षेत्र में अनुसंधान, नवाचार एवं व्यावहारिक समाधान को आगे बढ़ाने में छात्रों की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला गया।

एफडीडीआई, हैदराबाद के छात्रों के लिए 'परिधानों में गुणवत्ता आश्वासन' पर वेबिनार आयोजित किया

एफडीडीआई, हैदराबाद परिसर में स्कूल ऑफ रिटेल एंड फैशन मर्चेंडाइज (आरएफएम) के एमबीए छात्रों के लिए 25 नवंबर 2024 को, "परिधानों में गुणवत्ता आश्वासन" पर एक वेबिनार आयोजित किया गया था।



श्री सतीश सिंह, वरिष्ठ उत्पाद डेवलपर, कोलंबिया स्पोर्ट्स, बैंगलोर 'परिधानों में गुणवत्ता आश्वासन' के बारे में जानकारी देते हुए

इस सत्र का नेतृत्व कोलंबिया स्पोर्ट्स, बैंगलोर के वरिष्ठ उत्पाद डेवलपर श्री सतीश सिंह ने किया, जिनके पास गणवत्ता प्रबंधन एवं

उत्पाद विकास में 15 वर्षों से अधिक का उद्योग अनुभव है। उन्होंने इससे पहले गोकलदास एक्सपोर्ट्स, लाइफस्टाइल इंटरनेशनल और रिलायंस रिटेल जैसी प्रतिष्ठित संस्थाओं के साथ काम किया है।

वेबिनार के दौरान, श्री सिंह ने परिधान उद्योग में गुणवत्ता आव्हासन का गहन अवलोकन प्रस्तुत किया और उन प्रक्रियाओं पर प्रकाश डाला जो उत्पादन के हर चरण में—डिज़ाइन से लेकर वितरण तक—उत्पाद की गुणवत्ता सुनिश्चित करती हैं। उन्होंने गुणवत्ता नियंत्रण विधियों, परिधान निरीक्षण के तकनीकी पहलुओं पर विस्तार से चर्चा की और परिधान गुणवत्ता प्रबंधन के क्षेत्र में करियर के अवसरों के बारे में बहुमूल्य जानकारी साझा की।

### एफडीडीआई, छिंदवाड़ा में 'जीएसटी एवं अंतर्राष्ट्रीय लेखांकन सिद्धांतों एवं मानकों का परिचय' पर अतिथि व्याख्यान

एफडीडीआई, छिंदवाड़ा में स्कूल ऑफ रिटेल एंड फैशन मर्चेंडाइज (आरएफएम) द्वारा "जीएसटी एवं अंतर्राष्ट्रीय लेखांकन सिद्धांतों और मानकों का परिचय" विषय पर 22 नवंबर 2024 को एक ज्ञानवर्धक अतिथि व्याख्यान आयोजित किया गया।



अतिथि व्याख्यान जारी

इस सत्र का संचालन मध्य प्रदेश सरकार के जबलपुर स्थित राज्य जीएसटी ऑडिट विंग में एक अनुभवी पेशेवर एवं कराधान सहायक कार्यकारी अधिकारी श्री मनोज कुमार उके ने किया। उन्होंने छात्रों को आज के गतिशील व्यावसायिक परिवेश में कराधान और लेखांकन की व्यावहारिक जानकारी और व्यापक समझ प्रदान की।

श्री उके ने अपनी प्रस्तुति के माध्यम से, भारत की एकीकृत कराधान प्रणाली, जिसमें इसके संवैधानिक ढाँचे, विधायी प्रावधान एवं जीएसटी के व्यावहारिक अनुप्रयोग शामिल हैं, के बारे में बहुमूल्य जानकारी प्रदान की। उन्होंने कर स्लैब संरचना, अनुपालन तंत्र जैसी मूलभूत अवधारणाओं पर भी विस्तार से चर्चा की और छात्रों की व्यावहारिक समझ को बढ़ाने के लिए अपने पेशेवर अनुभव से वास्तविक दुनिया के उदाहरण भी साझा किए।

### एफडीडीआई, हैदराबाद परिसर में 'क्रिएटिव स्पेस - इनोवेटिंग होम फर्निशिंग डिज़ाइन' पर इंटरैक्टिव सत्र आयोजित किया

एफडीडीआई, हैदराबाद परिसर में डिजाइन टेल्स, हैदराबाद की दूरदर्शी संस्थापक सुश्री मेघना निम्मगङ्गा के साथ "क्रिएटिव स्पेस - इनोवेटिंग होम फर्निशिंग डिज़ाइन" पर 21 नवंबर 2024 को एक आकर्षक एवं संवादात्मक सत्र आयोजित किया गया।

स्कूल ऑफ फैशन डिजाइन (एफडी) द्वारा आयोजित इस सत्र ने छात्रों और संकाय को गृह सज्जा डिजाइन की गतिशील दुनिया का पता लगाने तथा उभरते उद्योग रुझानों की जानकारी प्राप्त करने का एक अनूठा अवसर प्रदान किया।

सत्र के दौरान, सुश्री निम्मगङ्गा ने एक डिज़ाइनर के रूप में अपने व्यापक अनुभव साझा किए तथा रचनात्मकता और कार्यक्षमता का सहज मिश्रण करने वाले एक सफल डिज़ाइन स्टूडियो की स्थापना के अपने सफर पर प्रकाश डाला। उन्होंने ऐसे स्थानों को डिज़ाइन करने के महत्व पर ज़ोर दिया जो बाज़ार के रुझानों के साथ तालमेल रखते हुए व्यक्तित्व को दर्शाते हों।

एक जानकारीपूर्ण प्रस्तुति के माध्यम से, उन्होंने गृह सज्जा उद्योग को आकार देने वाले नवीनतम रुझानों को प्रदर्शित किया, जिसमें टिकाऊ सामग्री, बहुक्रियाशील फर्नीचर, जीवंत रंग पैलेट और डिजाइन में प्रौद्योगिकी की बढ़ती भूमिका शामिल थी।



प्रस्तुति देती हुई सुश्री मेघना निम्मगङ्गा



सत्र में भाग लेते छात्र

छात्र विशेष रूप से सुश्री निम्मगङ्गा के पारंपरिक भारतीय सौंदर्यशास्त्र को आधुनिक संवेदनशीलता के साथ मिश्रित करने के दृष्टिकोण से प्रेरित थे, जो समकालीन रहने की जगहों को डिजाइन करने पर एक नया दृष्टिकोण प्रदान करता है।

सत्र का समापन एक रोचक प्रश्नोत्तर सत्र के साथ हुआ, जहां उन्होंने डिजाइन उद्योग में चुनौतियों और अवसरों पर प्रश्नों के उत्तर दिए तथा प्रतिभागियों को इस पेशे के व्यावहारिक पहलुओं के बारे में बहुमूल्य जानकारी प्रदान की।

### एफडीडीआई, हैदराबाद परिसर में 'क्रिएटिव स्पेस - इनोवेटिंग होम फर्निशिंग डिज़ाइन' पर इंटरैक्टिव सत्र आयोजित किया

एफडीडीआई, नोएडा परिसर में 24 सितंबर 2024 को फुटवियर एवं कपड़ा उद्योगों के लिए चिपकने वाली प्रौद्योगिकियों में नवीनतम नवाचारों की जानकारी प्रदान करने के लिए एक सेमिनार का आयोजन किया गया।

स्कूल ऑफ फुटवियर डिज़ाइन एंड प्रोडक्शन (एफडीपी) द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में हेन्केल के तकनीकी विशेषज्ञ शामिल हुए: श्री योगेश कुमार सिंह, एप्लिकेशन इंजीनियर - एपीसी एसएंडएफ; सुश्री प्रिया

पारख, बिक्री प्रमुख - एपीसी एसएंडएफ; और श्री अंशुल यादव, बिक्री इंजीनियर - एपीसी एसएंडएफ, उन्होंने एम.डेस एफडीपी और बी.डेस एफडीपी के छात्रों को संबोधित किया और चिपकने वाली तकनीकों में नवीनतम प्रगति पर प्रकाश डाला।



सेमिनार में भाग लेते छात्र



हेनकेल के तकनीकी विशेषज्ञ छात्रों को जूता चिपकाने वाले पदार्थ के विकास के बारे में जानकारी देते हुए

सेमिनार के दौरान, विशेषज्ञों ने आसंजकों के प्रकारों और गुणों, उनके अनुप्रयोगों एवं उत्पाद प्रदर्शन में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने टिकाऊ तथा पर्यावरण-अनुकूल बॉन्डिंग समाधानों पर भी ज़ोर दिया और दिखाया कि कैसे ये नवाचार फुटवियर और कपड़ा उद्योगों में पर्यावरण-अनुकूल उत्पादों और प्रक्रियाओं में योगदान करते हैं।

### एफडीडीआई, हैदराबाद में 'फैशन उद्योग में एआई' पर सेमिनार आयोजित किया

एफडीडीआई, हैदराबाद परिसर में 12 सितंबर 2024 को 'फैशन उद्योग में एआई' पर एक ज्ञानवर्धक संगोष्ठी आयोजित की गई।

सुश्री अंबिका शर्मा, गूगल में एआई जीटीएम सेल्स एक्सपर्ट और एंजेल इन्वेस्टर ने स्कूल ऑफ फैशन डिज़ाइन (एफडी) द्वारा आयोजित इस सेमिनार के लिए संसाधन व्यक्ति के रूप में कार्य किया। इस कार्यक्रम का संचालन और समन्वय डॉ. अनुप्रिया सिंह ने किया तथा इसमें एआई और फैशन के अंतर्संबंध पर ध्यान केंद्रित किया गया तथा निरंतर विकसित होते उद्योग की जटिलताओं से निपटने के लिए मार्गदर्शन प्रदान किया गया।



सुश्री अंबिका शर्मा ने 'फैशन उद्योग में एआई' के बारे में जानकारी देती हुई



एफडी, हैदराबाद परिसर के संकाय 'संसाधन व्यक्ति' के साथ

टेक्सास, अमेरिका में रहने वाली इंजीनियर सुश्री शर्मा ने बताया कि कैसे गूगल की एआई तकनीक, जेमिनी, फुटवियर एवं फैशन क्षेत्रों में डिज़ाइन और व्यावसायिक कार्यों को रूपांतरित और समर्थित कर सकती है। उन्होंने बताया कि कैसे जेमिनी को गूगल ट्रैंड्स के साथ एकीकृत करने से व्यवसायों को उपभोक्ता व्यवहार और फैशन पूर्वानुमान के बारे में व्यावहारिक जानकारी प्राप्त करने में मदद मिलती है, जिससे कम समय में महत्वपूर्ण वृद्धि हासिल करने में मदद मिलती है।

### एफडीडीआई, हैदराबाद परिसर द्वारा एरिजोना स्टेट यूनिवर्सिटी के सहयोग से 'नैतिक चक्रीय अर्थव्यवस्थाओं के उद्देश्यपूर्ण डिज़ाइन' पर ऑनलाइन संवादात्मक सत्र

एफडीडीआई, हैदराबाद परिसर ने एरिजोना स्टेट यूनिवर्सिटी (एएसयू) के सहयोग से, 29 अगस्त 2024 को, 'नैतिक परिपत्र अर्थव्यवस्थाओं का उद्देश्यपूर्ण डिज़ाइन' शीर्षक से एक ऑनलाइन इंटरैक्टिव सत्र की मेजबानी की। फैशन उद्योग के भीतर स्थायी प्रथाओं को बढ़ावा देने पर केंद्रित सत्र में, फैशन डिज़ाइन बैच 2021 के संकाय सदस्यों और स्नातक छात्रों ने भाग लिया।



सत्र के 'संसाधन व्यक्ति' और संचालक



सत्र में भाग लेने वाले प्रतिभागी

एफडीडीआई, हैदराबाद में बीएफडी 711 के लिए विषय संकाय डॉ. अनुप्रिया सिंह ने सत्र का संचालन किया, जबकि रॉब एंड मेलानी वाल्टन स्टेनेबिलिटी सॉल्यूशंस सर्विस, एएसयू में बिजनेस डेवलपमेंट के निदेशक डॉ. राजेश बुच ने संसाधन व्यक्ति के रूप में कार्य किया।

सत्र के दौरान, डॉ. बुच ने स्थायी व्यावसायिक प्रथाओं के लिए चक्रीय अर्थव्यवस्था के सिद्धांतों पर विस्तार से चर्चा की और ऐसे उत्पादों और प्रणालियों पर प्रकाश डाला जो अपशिष्ट को कम करते हैं और संसाधन दक्षता को अनुकूलित करते हैं। उन्होंने नैतिक चक्रीय अर्थव्यवस्थाओं को बढ़ावा देने में उद्देश्यपूर्ण डिज़ाइन की भूमिका को भी समझाया और स्थायी परिधान निर्माण प्रथाओं के बारे में बहुमूल्य जानकारी प्रदान की। इसके अतिरिक्त, उन्होंने प्रतिभागियों को व्यावसायिक डिज़ाइन आर्कटाइप्स और नई वस्त्र अर्थव्यवस्था जैसी नवीन अवधारणाओं से परिचित कराया।

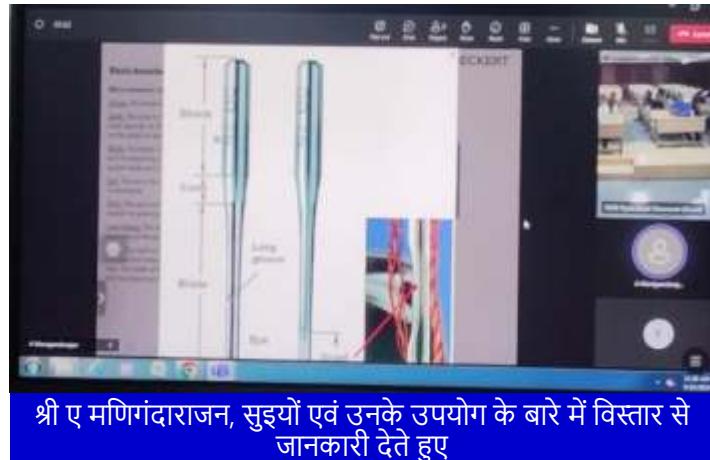
### एफडीडीआई, हैदराबाद परिसर में ग्रोज़ बेकर्ट एशिया प्राइवेट लिमिटेड के सहयोग से 'फुटवियर, फैशन तथा चमड़ा उत्पादों में सुई एवं इसके अनुप्रयोग' पर वेबिनार आयोजित किया

पेशेवर कौशल को सुदृढ़ करने हेतु डिजिटल संचार का उपयोग करते हुए, एफडीडीआई हैदराबाद परिसर ने ग्रोज़ बेकर्ट एशिया प्राइवेट लिमिटेड के सहयोग से 16 मई, 2024 को 'फुटवियर, फैशन एवं चमड़ा उत्पादों में सुई एवं उसके अनुप्रयोग' विषय पर एक वेबिनार आयोजित किया।

ग्रोज़ बेकर्ट एशिया प्राइवेट लिमिटेड के सहायक प्रबंधक श्री ए. मणिगंदाराजन इस सत्र के संसाधन व्यक्ति रहे। उन्होंने विभिन्न प्रकार की सुइयों तथा सामग्री और उत्पाद-विशिष्टाओं के अनुसार उनके अनुप्रयोगों पर महत्वपूर्ण जानकारी साझा की। साथ ही, उन्होंने प्रतिभागियों को टूटी हुई सुइयों के प्रबंधन तथा उत्पादन स्तर पर लागू की जाने वाली पुनर्चक्रण नीतियों से भी अवगत कराया।



प्रस्तुति जारी



श्री ए मणिगंदाराजन, सुइयों एवं उनके उपयोग के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए

वेबिनार ने छात्रों को यह समझाने में सक्षम बनाया कि डिजाइन आवश्यकताओं, उपस्थिति, सामग्री, मशीन संगतता, धागे के प्रकार एवं उत्पादन मांगों के अनुसार उपयुक्त सुई बिंदु का चयन कितना महत्वपूर्ण है। इस प्रक्रिया ने उद्योग संबंधी अनुप्रयोगों के प्रति उनके व्यावहारिक ज्ञान को समृद्ध किया।

### एफडीडीआई, नोएडा के छात्रोंने 'वूलमार्क नेचुरली सस्टेनेबल' सेमिनार में भाग लिया

एफडीडीआई, नोएडा परिसर के स्कूल ऑफ लेदर गुड्स एंड एक्सेसरीज डिज़ाइन (एलजीएडी), स्कूल ऑफ फुटवियर डिज़ाइन एंड प्रोडक्शन (एफडीपी) तथा स्कूल ऑफ फैशन डिज़ाइन (एफडी) के छात्रों ने 2 अप्रैल, 2024 को नई दिल्ली स्थित एल्डिको सेंटर में आयोजित 'वूलमार्क नेचुरली सस्टेनेबल' सेमिनार में सहभागिता की। इस सत्र का उद्देश्य छात्रों को मेरिनो ऊन एवं उसके विविध अनुप्रयोगों के बारे में शिक्षित करना तथा उनकी जागरूकता में वृद्धि करना था।



'वूलमार्क नेचुरली सस्टेनेबल' सेमिनार में प्रस्तुति जारी।



'द वूल लैब' में प्रदर्शन देखते छात्र

सेमिनार की शुरुआत वूलमार्क कंपनी के व्यापक परिचय से हुई, जो ऑस्ट्रेलियन वूल इनोवेशन की सहायक इकाई एवं मेरिनो ऊन पर वैश्विक प्राधिकरण है।

दूसरे सत्र में उद्योग विशेषज्ञों ने अपने-अपने ब्रांड की यात्रा साझा की। आदिय बिड़ला समूह की इकाई जय श्री टेक्सटाइल्स से जुड़े श्री अश्विनी चोटानी ने ब्रांड के संचालन का अवलोकन प्रस्तुत किया, जिसमें रेयान की खेती एवं प्रसंस्करण, पॉलिएस्टर व सिंथेटिक वस्त्रों का उत्पादन तथा भारत में ऊन की आपूर्ति जैसे पहलू शामिल थे। उन्होंने भारत की ऊन मूल्य शृंखला, भारतीय एवं मेरिनो ऊन के अनुप्रयोगों, ऊन प्रसंस्करण में अपशिष्ट प्रबंधन, तथा भारतीय बाज़ार की चुनौतियों—विशेषकर ऊन से संबंधित आम ख्रांतियों—पर विस्तारपूर्वक प्रकाश डाला।

अगली वक्ता, ईका की संस्थापक सुश्री रीना सिंह ने द वूल लैब एवं तेलंगाना वूल क्लस्टर के सहयोग से हथकरघा प्राकृतिक रेशों से परिधान निर्माण में अपने ब्रांड के कार्यों पर प्रकाश डाला। उन्होंने प्राकृतिक ऊनी परिधानों को बढ़ावा देने में भारतीय बाज़ार के समक्ष आने वाली चुनौतियों का उल्लेख किया तथा बताया कि इन उत्पादों का प्रमुख उपभोक्ता वर्ग विदेशों, विशेषकर यूरोप में है।



# कार्यशालाओं का आयोजन

## एफडीडीआई, हैदराबाद परिसर में 'फैब्रिक संरचना एवं डिजाइन- क्रोशिया' पर कार्यशाला आयोजित

एफडीडीआई, हैदराबाद परिसर में फैब्रिक संरचना एवं डिजाइन अन्वेषण पर बी.डेस फाउंडेशन बैच 2024 के छात्रों के ज्ञान को बढ़ाने के लिए, 26 मार्च 2025 को 'फैब्रिक संरचना और डिजाइन - क्रोशिया' पर एक कार्यशाला आयोजित की गई।

इस कार्यशाला का संचालन 'यार्नस्टिचकलर इंडिया' की संस्थापक सुश्री अरुंधति मंत्रावाड़ी ने किया, जिन्होंने अपनी विशेषज्ञता साझा की और छात्रों को जटिल वस्त्र बनाने, धागे का उपयोग करने और अपने डिजाइनों में क्रोशिया तत्वों को शामिल करने के बारे में बहुमूल्य मार्गदर्शन दिया।



सुश्री मंत्रावाड़ी ने विविध पैटर्न बनाने के लिए विभिन्न क्रोशिया तकनीकों का प्रदर्शन किया और बताया कि किस प्रकार इन तत्वों को समकालीन डिजाइन परियोजनाओं में प्रभावी ढंग से एकीकृत किया जा सकता है।

## एफडीडीआई, हैदराबाद परिसर में 'सोल क्राफ्टेड: हैंडमेड फुटवियर' पर कार्यशाला आयोजित

एफडीडीआई, हैदराबाद परिसर में स्कूल ऑफ फुटवियर डिजाइन एंड प्रोडक्शन (एफडीपी) के बी.डेस (2023-27 बैच) के छात्रों के लिए 'सोल क्राफ्टेड: हैंडमेड फुटवियर' पर 20 और 21 मार्च 2025 को, दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।

कार्यशाला का संचालन 20 वर्षों से अधिक अनुभव वाले प्रसिद्ध कारीगर श्री पम्पाद फवान ने किया, जिन्होंने छात्रों के साथ हस्तनिर्मित फुटवियर बनाने की कला एवं तकनीक में अपनी विशेषज्ञता साझा की।



कार्यशाला का एक दृश्य

कार्यशाला के पहले दिन, छात्रों को चमड़े की बुनियादी बातों, ज़रूरी औज़ारों और पैटर्न बनाने की जानकारी दी गई, उसके बाद काटने और आकार देने का व्यावहारिक अभ्यास कराया गया। दूसरे दिन, मुख्य ध्यान कंपोनेन्टों को जोड़ने, फ़िनिशिंग को बेहतर बनाने और हस्तनिर्मित फुटवियर की स्थिरता और बाज़ार के अवसरों पर चर्चा पर केंद्रित रहा।



बाएं से: श्री पम्पाद फवान, छात्रों और उनके उत्पाद परिणाम के साथ

कार्यशाला में प्रतिभागियों को पारंपरिक फुटवियर निर्माण तकनीक, सामग्री का चयन, सटीक कटाई, सिलाई, तला जोड़ने और परिष्करण विधियों को शामिल करते हुए एक गहन, व्यावहारिक अनुभव प्रदान किया गया, जिससे उन्हें उच्च गुणवत्ता वाले, बाजार के लिए तैयार फुटवियर बनाने के कौशल से लैस किया गया।

## एफडीडीआई, हैदराबाद के छात्रों के लिए अभिनव डिजाइन के साथ 'धातु कास्टिंग कार्यशाला'

एफडीडीआई हैदराबाद परिसर में स्कूल ऑफ लेदर गुड्स एंड एक्सेसरीज डिजाइन (एलजीएडी), बैच 2023-2027 के छात्रों ने 04 और 05 मार्च 2025 को एक इमर्सिव 'मेटल कास्टिंग वर्कशॉप' में भाग लिया।



धातु कास्टिंग के मूल सिद्धांतों पर ज्ञान प्राप्त करते छात्र



सौदर्यपरक वस्तुओं का डिजाइन तैयार करते छात्र

हैदराबाद स्थित राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान (निफ्ट) में आयोजित इस कार्यशाला में छात्रों को धातु ढलाई की बुनियादी बातों से परिचित कराया गया, जिसमें विभिन्न तकनीकों के साथ-साथ डिजाइन एवं निर्माण के नवीन तरीकों की खोज भी शामिल थी।

इस व्यावहारिक सत्र ने छात्रों को पारंपरिक धातुकर्म को समकालीन डिजाइन सिद्धांतों के साथ मिश्रित करते हुए, विभिन्न ढलाई विधियों के साथ प्रयोग करने का अवसर प्रदान किया।

एफडीडीआई के संकाय सदस्य श्री नितिन कुमार सिन्हा के मार्गदर्शन में, छात्रों ने कार्यात्मक एवं सौदर्यपरक वस्तुएँ बनाकर अपने शिक्षण अनुभव को अधिकतम किया। उनके काम में प्रकृति और वास्तुशिल्पीय रूपांकनों से प्रेरित आभूषणों के

साथ-साथ सजावटी घरेलू सामान भी शामिल थे, जो उल्लेखनीय रचनात्मकता और कौशल को दर्शाते थे।



एफडीडीआई, हैदराबाद के एलजीएडी के छात्र, बैच 2023-2027, निफ्ट, हैदराबाद में

## पिडिलाइट इंडस्ट्रीज लिमिटेड के सहयोग से एफडीडीआई, हैदराबाद परिसर में 'डिज़ाइन प्रोजेक्ट' एवं 'स्नीकर आर्टिस्ट्री: कस्टमाइज़ेशन तकनीकों की खोज' पर कार्यशाला आयोजित

एफडीडीआई हैदराबाद परिसर ने पिडिलाइट इंडस्ट्रीज लिमिटेड के सहयोग से छात्रों के ज्ञान को अद्यतन करने तथा उनके रचनात्मक क्षितिज को व्यापक बनाने के उद्देश्य से, फरवरी 2025 को दो विशेष कार्यशालाओं का आयोजन किया। पहली कार्यशाला, 'डिज़ाइन प्रोजेक्ट', 18 फरवरी को फाउंडेशन बैच के छात्रों के लिए आयोजित की गई, जबकि दूसरी कार्यशाला, 'स्नीकर आर्टिस्ट्री: एक्सप्लोरिंग कस्टमाइज़ेशन टेक्निक्स', 27 फरवरी को स्कूल ऑफ फुटवियर डिज़ाइन एंड प्रोडक्शन (एफडीपी) के छात्रों के लिए आयोजित की गई।

ये दोनों कार्यशालाएं पिडिलाइट इंडस्ट्रीज लिमिटेड की फेविक्रिल प्रमाणित पेशेवर और विशेषज्ञ शिक्षिका सुश्री संगीता अल्लूरी द्वारा संचालित की गईं।



सुश्री संगीता अल्लूरी द्वारा 'डिज़ाइन प्रोजेक्ट' कार्यशाला के दौरान प्रदर्शन



छात्रों द्वारा रचनात्मक परिणाम

'डिज़ाइन प्रोजेक्ट' कार्यशाला के दौरान, सुश्री अल्लूरी ने छात्रों को धातु के तारों को मोड़ने, मिट्टी तथा कागज की ढलाई, और सतह की बनावट की खोज का उपयोग करके जटिल डिज़ाइन बनाने का मार्गदर्शन दिया। व्यावहारिक प्रदर्शनों के माध्यम से, उन्होंने सौंदर्य अपील को बढ़ाने और डिज़ाइन परियोजनाओं और कलाकृति निर्माण में उन्हें प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए औज़ारों के संचालन, पैटिंग, स्टैम्पिंग और अलंकरण तकनीकों पर सुझाव दिए।



स्नीकर आर्टिस्ट्री: एक्सप्लोरिंग कस्टमाइज़ेशन' कार्यशाला जारी



कार्यशाला से रचनात्मक परिणाम

'स्नीकर आर्टिस्ट्री' कार्यशाला में पेंटिंग एवं रंगाई तकनीकों के माध्यम से स्नीकर्स को अनुकूलित करने पर ध्यान केंद्रित किया गया। छात्रों ने रंगों के मिश्रण, छायांकन और बारीक डिज़ाइन के साथ प्रयोग करके सादे स्नीकर्स को अनूठी, कलात्मक कृतियों में बदला। इंटरैक्टिव सत्रों में उपकरणों, सामग्रियों और नवीन तकनीकों का व्यावहारिक अनुभव प्रदान किया गया, जिससे छात्रों को अपनी रचनात्मकता व्यक्त करने तथा अपने जूतों को व्यक्तिगत रूप देने का अवसर मिला।

### एफडीडीआई, चंडीगढ़ (बानूर) परिसर में 'बौद्धिक संपदा अधिकार (आईपीआर) तथा इसकी पंजीकरण प्रक्रिया' पर कार्यशाला

एफडीडीआई, चंडीगढ़ (बानूर) परिसर ने 07 फरवरी 2025 को छात्रों एवं शिक्षकों के बीच पेटेंट और कॉपीराइटिंग की संस्कृति के बारे में जागरूकता बढ़ाने और प्रोत्साहित करने के लिए, 'बौद्धिक संपदा अधिकार (आईपीआर) और इसकी पंजीकरण प्रक्रिया' पर एक जानकारीपूर्ण कार्यशाला का आयोजन किया।



आईपीओ के वक्ता जानकारी प्रदान करते हुए



कार्यशाला में भाग लेने वाले प्रतिभागी

इस कार्यशाला में भारतीय पेटेंट कार्यालय (आईपीओ), नई दिल्ली के दो प्रख्यात विशेषज्ञ श्री राजेश कुमार मीणा, पेटेंट एवं डिज़ाइन परीक्षक, और श्री जय वीर, सहायक नियंत्रक शामिल हुए। उन्होंने आईपीआर के मूल सिद्धांतों, पंजीकरण प्रक्रिया, और शोध एवं परियोजना कार्य को पेटेंट में बदलने की रणनीतियों के बारे में व्यापक जानकारी प्रदान की, साथ ही नवाचारों की सुरक्षा पर व्यावहारिक मार्गदर्शन भी दिया।

एफडीडीआई चंडीगढ़ परिसर में कार्यशाला का आयोजन ऑफलाइन किया गया और सभी 12 एफडीडीआई परिसरों में इसका सीधा प्रसारण किया गया, जिसमें 349 प्रतिभागियों ने भाग लिया। इस इंटरैक्टिव सत्र ने प्रतिभागियों को विशेषज्ञों से सीधे जुड़ने, स्पष्टीकरण प्राप्त करने और बौद्धिक संपदा अधिकारों (आईपीआर) प्रथाओं की अपनी समझ को गहरा करने का अवसर प्रदान किया।

### एफडीडीआई, कोलकाता में 'ट्रेंड फोरकास्टिंग और वैश्विक कैरियर अवसर' पर कार्यशाला आयोजित

एफडीडीआई, कोलकाता में 20 जनवरी 2025 को 'ट्रेंड फोरकास्टिंग और वैश्विक कैरियर अवसर' पर एक व्यावहारिक कार्यशाला आयोजित की गई।

इस सत्र का संचालन एफडीडीआई कोलकाता की पूर्व छात्रा सुश्री रीता डे ने किया, जिन्होंने नॉटिंघम ट्रेट यूनिवर्सिटी, यूके से अंतर्राष्ट्रीय फैशन प्रबंधन में एमए किया है और वर्तमान में बोडेन में मर्चेंडाइजिंग विश्लेषक के रूप में कार्यरत हैं।

फैशन एवं प्रौद्योगिकी क्षेत्र में सात वर्षों से अधिक के अनुभव के साथ, सुश्री डे रचनात्मक विशेषज्ञता को मज़बूत व्यावसायिक कौशल के साथ जोड़ती हैं, जो ट्रेंड विश्लेषण, ग्राहक व्यवहार अंतर्दृष्टि और व्यावसायिक रणनीति निर्माण में विशेषज्ञता रखती हैं।



सुश्री रीता डे द्वारा प्रस्तुति



सुश्री रीता डे छात्रों के साथ बातचीत करती हुई

कार्यशाला के दौरान सुश्री डे ने रुझान पूर्वानुमान के मूल सिद्धांतों पर रोचक प्रस्तुति दी। उन्होंने वैचारिक कल्पना, रनवे शो का विश्लेषण, रंग, कपड़े, बनावट एवं प्रिंट रुझान, क्रॉस-सेक्टर विश्लेषण और रुझान रिपोर्ट के मूल्यांकन जैसी प्रमुख अवधारणाओं पर विस्तार से प्रकाश डाला। साथ ही, उन्होंने नवाचार के प्रसार, डायमंड-शेप्ड ट्रेंड मॉडल, डीईएसटीईपी विश्लेषण तथा वृहद एवं सूक्ष्म स्तर पर प्रभाव डालने वाली विभिन्न पद्धतियों की भी व्याख्या की। सत्र में रुझान मानचित्रण, उसके निहितार्थ, रुझान सिद्धांत और बाजार की गतिशीलता को आकार देने में नवप्रवर्तकों एवं प्रभावशाली व्यक्तियों की भूमिका पर भी चर्चा हुई। इससे छात्रों को इस क्षेत्र तथा इसके वैश्विक करियर अवसरों की गहन एवं व्यापक समझ प्राप्त हुई।

### एफडीडीआई, छिंदवाड़ा ने संयुक्त राष्ट्र द्वारा प्रायोजित 'औद्योगिक बूट कैंप' में भाग लिया तथा कार्यशाला का आयोजन किया

एफडीडीआई, छिंदवाड़ा ने संयुक्त राष्ट्र टीम के सहयोग से, मध्य प्रदेश के खंडवा जिले के सरकारी आईटीआई में 10-11 दिसंबर 2024 को आयोजित दो दिवसीय 'औद्योगिक बूट कैंप' (आईबीसी) में भाग लिया। एफडीडीआई टीम ने इस आयोजन के एक भाग के रूप में एक प्रभावशाली औद्योगिक सत्र और व्यावहारिक कार्यशाला का आयोजन किया।

इस भागीदारी का उद्देश्य महिलाओं के कौशल विकास को बढ़ावा देना तथा चमड़ा एवं फुटवियर क्षेत्र में उद्यमशीलता को बढ़ावा देना, महिलाओं को सशक्त बनाना तथा भारत के कार्यबल में लैंगिक अंतर को पाटने में मदद करना था।

एफडीडीआई का प्रतिनिधित्व करते हुए, श्री प्रशांत कुमार सक्सेना (परियोजना समन्वयक), डॉ. पंकज (संकाय) और श्री श्रीगणेश (लैब विश्लेषक) ने विशेष वक्ता के रूप में कार्य किया और संयुक्त राष्ट्र महिला सदस्य सुश्री आयशा सनोबर के सहयोग से एक डिजाइन कार्यशाला और स्क्रीनिंग सत्र का संचालन किया।



एफडीडीआई और यूपेन महिला टीम ने मध्य प्रदेश के खंडवा में आईटीआई छात्रों के साथ संयुक्त सत्र में भाग लिया



बाएं से: एफडीडीआई टीम श्री प्रशांत, डॉ. पंकज और संयुक्त राष्ट्र महिला सदस्य सुश्री आयशा सनोबर प्रतिभागियों के साथ

"कौशल निर्माण, भविष्य निर्माण" विषय पर आधारित इस परिवर्तनकारी बूट कैंप में महिलाओं के कौशल विकास, जागरूकता बढ़ाने तथा महिला कार्यबल में वैश्विक स्तर पर आ रही गिरावट को दूर करने के लिए स्थायी समाधान विकसित करने की आवश्यकता पर विशेष जोर दिया गया। इस कार्यशाला ने प्रतिभागियों को न केवल रचनात्मक कौशल से अवगत कराया, बल्कि उन्हें डिज़ाइन और उत्पाद विकास में करियर के नए अवसर तलाशने के लिए भी प्रेरित किया।

### एफडीडीआई, नोएडा में 'परिधेय तकनीकी' पर कार्यशाला आयोजित

एफडीडीआई नोएडा परिसर में 18-19 नवंबर 2024 को एक आकर्षक परिधेय तकनीकी' कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला का नेतृत्व आईआईटी दिल्ली के एक प्रतिष्ठित प्रधान मंत्री रिसर्च फेलो (पीएचडी) श्री विशाल श्रीवास्तव ने किया और स्मार्ट परिधेय क्षेत्र में नवाचार और रचनात्मकता को सहजता से एकीकृत किया।



कार्यशाला प्रगति पर



प्रतिभागियों का एक दृश्य

स्कूल ऑफ लेदर गुड्स एंड एक्सेसरीज डिज़ाइन (एलजीएडी) द्वारा आयोजित इस कार्यशाला ने प्रतिभागियों को परिधेय तकनीक की अत्याधुनिक दुनिया का एक गहन अनुभव प्रदान किया। इंटरैक्टिव सत्रों के माध्यम से, प्रतिभागियों ने फिटनेस ट्रैकर, स्मार्टवॉच, स्वास्थ्य निगरानी गैजेट और स्मार्ट कपड़ों जैसी नवीन अवधारणाओं पर चर्चा की।

कार्यशाला ने न केवल प्रतिभागियों के तकनीकी ज्ञान और कौशल को बढ़ाया, बल्कि एकीकृत तकनीक से उत्पादों को डिज़ाइन करने में रचनात्मक सोच को भी प्रेरित किया। एलजीएडी के छात्रों ने दृष्टिबाधित व्यक्तियों की सहायता के लिए बेल्ट, टोपी और चश्मे सहित स्मार्ट गैजेट्स के प्रोटोटाइप विकसित किए। इन नवोन्मेषी डिज़ाइनों में तकनीक और डिज़ाइन का एक सहज मिश्रण दिखाई दिया, जिसने फैशन और एक्सेसरीज उद्योग में भविष्य की अवधारणाओं का मार्ग प्रशस्त किया।

### एफडीडीआई, कोलकाता में 'व्यक्तिगत सौंदर्य, न्यूनतम मेकअप और व्यावसायिक कार्यस्थल के लिए स्टाइलिंग' पर कार्यशाला आयोजित

एफडीडीआई, कोलकाता परिसर में 11 नवंबर 2024 को 'व्यक्तिगत सौंदर्य, न्यूनतम मेकअप एवं व्यावसायिक कार्यस्थल के लिए स्टाइलिंग' पर एक कार्यशाला आयोजित की गई।

इस सत्र का नेतृत्व व्यावसायिक विशेषज्ञ श्री श्रीजीत बसाक ने किया, तथा वीएलसीसी, कंकुरगाछी से उनकी टीम ने पेशेवर वातावरण में व्यक्तिगत उपस्थिति को बेहतर बनाने के लिए व्यावहारिक जानकारी साझा की।



श्री श्रीजीत बसाक, पेशेवर विशेषज्ञ



कार्यशाला प्रगति पर

कार्यशाला के दौरान, श्री बसाक और उनकी टीम ने विभिन्न ग्रूमिंग एवं मेकअप तकनीकों का प्रदर्शन किया और प्रतिभागियों के व्यक्तिगत प्रश्नों के उत्तर दिए। उपस्थित लोगों को पेशेवर स्टाइलिंग का व्यावहारिक अनुभव प्राप्त हुआ और पूरे कार्यदिवस में एक सुडौल और आत्मविश्वासी लुक बनाए रखने के लिए बहुमूल्य सुझाव प्राप्त हुए।

### एफडीडीआई, चंडीगढ़ (बानूर) परिसर में 'कला एवं डिजाइन के मूल तत्व' पर कार्यशाला आयोजित

एफडीडीआई, चंडीगढ़ (बानूर) परिसर में फाउंडेशन बैच के छात्रों को एक मजबूत आधार प्रदान करने के लिए, 21 अक्टूबर 2024 को 'कला और डिजाइन के मूल तत्व' पर एक कार्यशाला आयोजित की गई। सत्र का नेतृत्व ललित कला अकादमी, चंडीगढ़ के उपाध्यक्ष प्रोफेसर रविंदर कुमार शर्मा ने किया।